सावधान! आपकी जेब पर चल रही है बैंक की साइलेंट कैंची - 12

टैक्स नियम सख्त : अब मकान मालिक से रिश्ते का भी देना होगा हिसाब - 12

बच्चों के टीकाकरण दिशा निर्देशों में बदलाव पर ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा - 13

टी-20 वर्ल्ड कप : भारत -जिम्बाब्वे का मैच आज : करो या मरो की चुनौती - 14

आज का मौसम | 29.0° अधिकतम तापमान | 14.0° न्यूनतम तापमान | सूर्योदय 06.35 | सूर्यास्त 06.08

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

|कानपुर नगर|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष दशमी 12:33 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 26 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 187, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 5 रुपये

बरसाना नगरी में नंदगांव से आए हुरियारों पर बरसीं प्रेम की लाठियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/मथुरा

अमृत विचार: ब्रजभूमि बुधवार को रंग, प्रेम और भक्ति के अनुपम संगम की साक्षी बनी। राधा रानी की नगरी बरसाना में विश्वविख्यात लट्ठमार होली के दौरान नंदगांव से आए हुरियारों पर बरसाना की हुरियारिनों ने परंपरागत अंदाज में प्रेम की लाठियां बरसाईं। छतों और गलियों से उड़ते अबीर-गुलाल, ढोल-नगाड़ों की थाप और राधा–कृष्ण के जयकारों से पूरा वातावरण उत्सवमय हो उठा।

रंगोत्सव–2026 को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के लिए प्रशासन की ओर से व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु इस ऐतिहासिक परंपरा के साक्षी बनने बरसाना पहुंचे। नंदगांव के हुरियारों का प्रिया कुंड पर पारंपरिक स्वागत किया गया। बरसाना वासी उन्हें 'दामाद' मानते हैं, इसलिए मिठाई, पकोड़े, ठंडाई और भांग से उनका सत्कार किया गया। इसके बाद हुरियारों ने पाग बांधकर ब्रह्मांचल पर्वत स्थित श्री लाडली किशोरी मंदिर में दर्शन किए और होली खेलने की अनुमति ली। इस दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा ने श्रद्धालुओं का उत्साह और बढ़ा दिया। रंगीली गली में हुरियारों ने रसिया गाकर हुरियारिनों को रिझाया। जवाब में महिलाओं ने हंसी-ठिठोली के बीच लाठियां चलाईं, जबकि पुरुष चमड़े की ढाल से बचाव करते नजर आए। मान्यता है कि यह परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है और राधा–कृष्ण की लीलाओं से जुड़ी है। लाखों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। करीब 4500 पुलिसकर्मी और पीएसी के जवान तैनात रहे।

- पेज दो भी देखें।

जापान में यूपी को मिले 11 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जापान के अर्थव्यवस्था के उपमंत्री कोमोरी ताकुओ से मिले।

- वैश्विक कंपनियों के साथ एमओयू, कृषि मशीनरी से लेकर ऑटो इलेक्ट्रॉनिक्स तक विस्तार
- योगी बोले, भारत व जापान के औद्योगिक सहयोग को नई दिशा देने वाले हैं पहले दिन हुए करार

अमृत विचार : सिंगापुर में दो दिन के भीतर एक लाख करोड़ रुपये निवेश प्रस्तावों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले ही दिन बुधवार को 11 हजार करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इन करारों से प्रदेश में कृषि यंत्र निर्माण, औद्योगिक मशीनरी, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, एडवांस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग, औद्योगिक प्रिंटिंग, हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट सेक्टर को नई गति मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जापान दौरे के पहले दिन हुए ये करार भारत-जापान औद्योगिक सहयोग को नई दिशा देने वाले साबित होंगे और उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और मजबूत करेंगे। जिन कंपनियों के साथ एमओयू हुए, उनमें कुबोता कारपोरेशन, मिंडा कारपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस, ओएंडओ ग्रुप, फूजी जैपनीज जेवी और फूजीसिल्वरटेक कंक्रीट शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यूपी अब भारत का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार ही नहीं, बल्कि हाई-वैल्यू मैन्युफैक्चरिंग और ग्लोबल सप्लाई चेन का केंद्र बन चुका है। सुरक्षित निवेश माहौल, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और स्पष्ट नीतियों के कारण जापानी कंपनियां यूपी में निवेश को लेकर उत्साहित हैं। 1890 में स्थापित कुबोता कारपोरेशन कृषि और औद्योगिक मशीनरी क्षेत्र की अग्रणी वैश्विक कंपनी है। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, इंजन और जल-अवसंरचना समाधानों में विशेषज्ञता रखने वाली यह कंपनी भारत में एस्कॉर्ट्स कुबोता लिमिटेड के साथ मिलकर फार्म मैकेनाइजेशन और मैन्युफैक्चरिंग विस्तार पर काम कर रही है। इन समझौतों से प्रदेश में कृषि आधारित उद्योगों को तकनीकी बढ़त मिलने की संभावना है।

ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, एडवांस कंपोनेंट्स पर फोकस

मिंडा कारपोरेशन और जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के सहयोग से ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर, कनेक्टर्स और ईवी कंपोनेंट्स के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, नागासे एंड कंपनी के साथ हुए करार से एडवांस्ड मैटेरियल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबिलिटी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में नई साझेदारी विकसित होगी।

औद्योगिक प्रिंटिंग, हॉस्पिटैलिटी, रियल एस्टेट में विस्तार

सीको एडवांस द्वारा औद्योगिक प्रिंटिंग और ग्राफिक्स के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की योजना है। इसके साथ ही ओएंडओ ग्रुप ने हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश को लेकर सहमति जताई है। सरकार का मानना है कि इन परियोजनाओं से रोजगार सृजन और तकनीकी हस्तांतरण को बल मिलेगा।

ब्रीफ न्यूज

युकां कार्यकर्ताओं की हिरासत चार दिन बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने यहां भारत मंडपम में 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान कमीज उतार कर प्रदर्शन करने के मामले में गिरफ्तार किए गए भारतीय युवा कांग्रेस के पांच कार्यकर्ताओं की पुलिस हिरासत बुधवार को चार दिन के लिए बढ़ा दी। न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि ने हिरासत में पूछताछ के लिए आरोपियों की पुलिस हिरासत की अवधि बढ़ाई है। आरोपियों को 20 फरवरी को किये गए प्रदर्शन के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। उनमें बिहार से युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि, इसकी बिहार इकाई के सचिव कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय कुमार और तेलंगाना से नरसिम्हा यादव शामिल हैं।

सूरत में दंपती ने बेटी के साथ आत्महत्या की

सूरत। शहर के वेसु इलाके में एक दंपती ने अपनी नौ वर्षीय बेटी के साथ आत्महत्या कर ली। दंपती की दूसरी बच्ची को बचा लिया गया। पुलिस ने बताया कि बिहार निवासी बालमुकुंद, उनकी पत्नी प्रियंका और उनकी बड़ी बेटी की मंगलवार को घर में जहर खाने से मौत हो गई। दंपती की सात वर्षीय छोटी बेटी बच गई। बालमुकुंद एक शेयर कारोबारी थे और घर से काम करते थे। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है, जिसमें एक व्यक्ति पर उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। इस व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है।

पुंछ में सेना ने बरामद किया गोला-बारूद

जम्मू। सेना और पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बुधवार को संयुक्त अभियान ऑपरेशन गनी के दौरान भारी मात्रा में गोला–बारूद के साथ दो विस्फोटक उपकरण बरामद किए। सेना के मुताबिक जम्मू–कश्मीर पुलिस से मिले इनपुट भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स और एसओजी के जवानों ने पुंछ के गनी वन क्षेत्र में संयुक्त अभियान शुरू किया जहां गुफा के नीचे छिपाए गए हथियारों के जखीरे का पता चला। वहां से 4.5 किग्रा का एक बड़ा विस्फोटक उपकरण, 800 ग्राम का एक छोटा विस्फोटक उपकरण, दो चाइनीज ग्रेनेड, एक 9 एमएम पिस्टल, दो 9 एमएम राउंड और 7.62 गोला–बारूद बरामद किए गए।

एनसीईआरटी पुस्तक में 'न्याय पालिका में भ्रष्टाचार' खंड पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

कहा- ये न्याय पालिका को बदनाम करने का सोचा-समझा कदम, बर्दाश्त नहीं करेंगे

- नाराजगी भरे लहजे सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- धरती पर किसी को भी न्याय पालिका को बदनाम नहीं करने देंगे
- बोले- उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश भी हैं चिंतित, हमें एक दिन का समय दीजिए, कानून अपना काम करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने बुधवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के कक्षा आठ के पाठ्यक्रम में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' नाम के अध्याय को शामिल करने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि इस धरती पर किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने और उसकी शुचिता को धूमिल नहीं करने दिया जाएगा। सीजेआई ने सख्त नाराजगी भरे लहजे में कहा, ऐसा लगता है कि यह सोचा-समझा कदम है। मैं किसी भी कीमत पर इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा। कोई कितना भी बड़े पद या प्रभाव वाला क्यों न हो, कानून अपना काम करेगा।

सीजेआई और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी की ओर से मामले को तत्काल विचार के लिए उल्लेखित किए जाने के बाद एनसीईआरटी की पुस्तक में न्याय पालिका के बारे में आपत्तिजनक सामग्री का स्वतः संज्ञान लिया। सिब्बल ने कहा, इस संस्था के सदस्य होने के नाते हमें यह जानकर बहुत दुख हुआ है कि आठवीं के बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जा रहा है। यह अध्याय पूरी तरह से निंदनीय है। सिंघवी ने कहा, एनसीईआरटी ने मान लिया कि अन्यत्र भ्रष्टाचार नहीं है। नौकरशाही, राजनीति, सार्वजनिक जीवन और अन्य संस्थानों में भ्रष्टाचार का कोई उल्लेख नहीं है।

सीजेआई ने कहा, मुझे इसकी पूरी जानकारी है। उन्हें कई फोन और संदेश मिले हैं और कई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश भी चिंतित हैं। जब सिब्बल ने उम्मीद जताई कि पीठ स्वतः संज्ञान लेगी तो सीजेआई ने कहा, एक दिन इंतजार कीजिए। यह निश्चित रूप से पूरी संस्था के लिए चिंता का विषय है। बार और पीठ दोनों परेशान हैं। व्यवस्था से जुड़े हर हितधारक वास्तव में परेशान हैं। उन्होंने सिब्बल को बताया कि उन्होंने इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए पहले ही आदेश पारित कर दिया है। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि यह पुस्तक संविधान की मूल संरचना के विरुद्ध प्रतीत होती है।

भ्रष्टाचार को बताया है न्याय पालिका की प्रमुख चुनौती

कक्षा आठ के लिए एनसीईआरटी की समाज विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक के इस अध्याय में लंबित मामलों के भारी बोझ और न्यायाधीशों की कमी के साथ भ्रष्टाचार को भी न्यायिक प्रणाली की बड़ी चुनौती बताया गया है। पुस्तक के 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' नामक खंड में कहा गया है कि न्यायाधीश एक आचार संहिता से बंधे होते हैं जो न केवल अदालत में उनके व्यवहार को नियंत्रित करती है बल्कि अदालत के बाहर उनके आचरण को भी नियंत्रित करती है।

एनसीईआरटी ने पुस्तक को अपनी वेबसाइट से हटाया

इस बीच, एनसीईआरटी ने पुस्तक को अपनी वेबसाइट से हटा दिया है। सूत्रों के मुताबिक पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित विवादास्पद अंश को हटाया जा सकता है। एनसीईआरटी ने अध्याय से संबंधित विषय विशेषज्ञों और इसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की अनुशंसा की समीक्षा के लिए एक आंतरिक बैठक बुलाई है। एनसीईआरटी के अध्यक्ष दिनेश प्रसाद सकलानी ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

संदर्भ से बाहर लिया बयान, पूर्व सीजेआई गवई भी नाराज

पुस्तक में पूर्व सीजेआई बीआर गवई का भी उल्लेख है जिन्होंने जुलाई 2025 में कहा था कि न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार और कदाचार के मामलों का लोगों के विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सूत्रों ने बताया कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर पूर्व सीजेआई के बयान को संदर्भ से बाहर लिया गया और बताया जा रहा है कि वह भी इससे नाराज हैं। एक सरकारी अधिकारी ने कहा, यदि छात्रों को भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जाना है तो आदर्श रूप से इस अध्याय में उन्हें भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए था न कि किसी संस्था को निशाना बनाया जाना चाहिए था।

मोदी से मेरी दोस्ती दोनों देशों के घनिष्ठ संबंधों की प्रतीक

हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते नेतन्याहू और उनकी पत्नी।

- नेतन्याहू ने अपनी पत्नी सारा के साथ किया प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत
- मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग मजबूत होने की उम्मीद जताई

> मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू और श्रीमती नेतन्याहू ने हवाई अड्डे पर मेरा भव्य स्वागत किया। मैं द्विपक्षीय चर्चाओं और सार्थक परिणामों की आशा करता हूं जो भारत–इजराइल मित्रता को मजबूत करेंगे।
> – प्रधानमंत्री मोदी

यरूशलम, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बुधवार को इजराइल पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने बेन गुरियन हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की। प्रधानमंत्री मोदी की नौ वर्षों में इजराइल की यह दूसरी यात्रा है। जुलाई 2017 में इस देश की उनकी पहली यात्रा के दौरान भारत-इजराइल संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाया गया था।

नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से गले लगाकर अभिवादन किया और कहा, इजराइल में आपका स्वागत करना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है, प्रधानमंत्री मोदी। इसके बाद तेल अवीव से 20 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित हवाई अड्डे पर मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया। नेतन्याहू ने कहा कि उनका और मोदी का घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंध है, हम अक्सर बात करते हैं और मेरा मानना है कि हमारे बीच की गहरी दोस्ती हमारे दोनों देशों के बीच संबंधों को सशक्त रूप से दर्शाती है। नेतन्याहू ने 'एक्स' पर कहा, मेरी पत्नी सारा और मैंने आज अपने मित्र प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया, जो इजराइल की ऐतिहासिक यात्रा के लिए पहुंचे हैं।

इजराइल यात्रा पर रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि उन्हें विश्वास है कि यह यात्रा भारत और इजराइल के बीच स्थाई संबंधों को और सुदृढ़ करेगी तथा रणनीतिक साझेदारी के लिए नए लक्ष्य निर्धारित करेगी। मोदी ने कहा, भारत-इजराइल के बीच एक मजबूत और बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी है, जिसमें हाल के वर्षों में उल्लेखनीय विस्तार और गतिशीलता देखी गई है।

बेतुकी फरमाइशों पर बीएसएनएल के निदेशक को नोटिस, दो अफसर हटाए

- प्रयागराज यात्रा के दौरान साबुन-तेल और अंडरवियर तक के इंतजाम के थे निर्देश, 50 अफसरों को सौंपी गई थी जिम्मेदारी

नई दिल्ली/लखनऊ। बीएसएनएल के वरिष्ठ निदेशक विवेक बंजल को उनके प्रस्तावित प्रयागराज दौरे के लिए की गई बेतुकी फरमाइशों के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी इन फरमाइशों को बेतुकी और शर्मनाक करार दिया है। इस मामले से जुड़े दो वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला भी कर दिया गया है।

इन अधिकारियों में से एक बृजेंद्र कुमार सिंह का प्रयागराज से आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में स्थानांतरण किया गया है, जबकि जोगेश्वर वर्मा को राष्ट्रीय दूरसंचार क्षेत्र में स्थानांतरित किए जाने की संभावना है। जोगेश्वर ने ही बंजल की यात्रा से संबंधित विवादित कार्यालय आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। प्रयागराज में 25-26 फरवरी को होने वाली बंजल की यात्रा के लिए लगभग 50 अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं, जिसमें बंजल के लिए परिवहन, आवास के अलावा उनके अंडरवियर, तौलिये, कंघी और आईने तक का इंतजाम शामिल था।

जम्मूः आय से अधिक संपत्ति के मामले में उप मुख्यमंत्री के भाई के घर एसीबी का छापा

जम्मू। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को जम्मू में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी के भाई विजय चौधरी के आवास पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति के मामले में छापा मारकर तलाशी ली।

अधिकारियों के मुताबिक विजय चौधरी जम्मू-कश्मीर पुलिस में निरीक्षक पद पर तैनात हैं। टीम विजय चौधरी के आवास पर तलाशी ले रही है। आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति के मामले में यह कार्रवाईकी जा रही है। छापेमारी संतोक विहार–कालोचक क्षेत्र स्थित उनके घर पर तड़के शुरू हुई। निरीक्षक विजय चौधरी का तबादला पिछले वर्ष सितंबर में लद्दाख कर दिया गया था।

मुंबई के पाली हिल में अनिल अंबानी का 3,716करोड़ रुपये का घर कुर्क

- 17 मंजिल का 66 मीटर ऊंचा है घर, अब तक 15,700 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन रोधक कानून (पीएमएलए) के तहत रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर ''एबोड'' को कुर्क कर लिया है, जिसकी कीमत 3,716 करोड़ रुपये है। मुंबई के पाली हिल इलाके में स्थित 66 मीटर ऊंचा यह आलीशान घर 17 मंजिला है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उनके समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) की ओर से कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में इस बहुमंजिला घर को कुर्क किया गया। ऐसा करने के लिए धन शोधन रोधक कानून (पीएमएलए) के तहत एक अस्थाई आदेश जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि कुर्क की गई संपत्ति का मूल्य 3,716.83 करोड़ रुपये है।

इस बीच, बताया गया है कि अंबानी पूछताछ के दूसरे दौर के लिए यहां ईडी के सामने पेश हो सकते हैं। उन्होंने पहली बार अगस्त, 2025 में ईडी के सामने पेश होकर पीएमएलए के तहत अपना बयान दर्ज कराया था।

बसपा के इकलौते विधायक के ठिकानों पर आयकर छापे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी के मंत्री दिनेश सिंह ने की आलोचना, कहा- बीमार विधायक को कुछ हुआ तो संस्था जिम्मेदार

अमृत विचार : बलिया के रसड़ा से बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ, बलिया, सोनभद्र और कौशांबी के ठिकानों पर आयकर विभाग की टीमों ने छापेमारी की। बाराती बनकर गाड़ियों के काफिलों के साथ 50 से अधिक अधिकारियों ने नकदी, जेवरात समेत इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस, फाइलें और अन्य दस्तावेज खंगाले। सूत्रों का दावा है कि तीन करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि बरामद की गई, जिसकी देर रात तक गिनती जारी है। हालांकि आयकर विभाग ने इसकी पुष्टि नहीं की है। परिजनों के मोबाइल कब्जे में है। मामले में बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि आज जिस तरह से हमारे विधायक पर अति गंभीर बीमारी के दौरान कार्रवाई की गई है, वह अति दुर्भाग्यपूर्ण है। साथ ही मानवता के खिलाफ भी है। वहीं यूपी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा है कि यदि बीमार विधायक को कुछ हुआ तो संस्था जिम्मेदार होगी। उधर बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने बताया कि उन्हें विधायक के आवास पर छापे की जानकारी नहीं हैं।

हरियाणा : सरकारी खातों से 590 करोड़ उड़ाने वाले 4 गिरफ्तार

चंडीगढ़। भष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने राज्य सरकार के विभागों के खातों से 590 करोड़ रुपये उड़ाने के मामले में बैंक अधिकारियों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

आईडीएफसी बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में सरकारी विभागों के खातों से पैसा अवैध रूप से निजी बैंक खातों में भेजा गया था। गिरफ्तार आरोपियों में आईडीएफसी बैंक के प्रबंधक रिभव ऋषि और रिलेशनशिप मैनेजर अभय हैं, जिन्हें मुख्य साजिशकर्ता बताया जा रहा है। एक निजी फर्म की मालिक अभय की पत्नी स्वाति और उसके भाई अभिषेक को भी गिरफ्तार किया गया है।

टैरिफ वार | ट्रंप प्रशासन ने भारत पर लगाया अनुचित सब्सिडी देने का आरोप, इंडोनेशिया और लाओस पर भी शुल्क लागू

अमेरिका में भारतीय सौर उत्पादों पर 126% प्रतिपूर्ति शुल्क

नई दिल्ली, एजेंसी

- सभी देशों पर 24 फरवरी से लागू शुल्क से अतिरिक्त होगा यह शुल्क

अमेरिका ने भारत पर अनुचित सब्सिडी दिए जाने का आरोप लगाते हुए कुछ भारतीय सौर उत्पादों के आयात पर 125.87% का प्रतिपूर्ति शुल्क लगाया है। भारत के साथ अमेरिका ने इंडोनेशिया और लाओस से आयातित 'क्रिस्टलाइन सिलिकॉन फोटोवोल्टिक सेल' पर भी अलग-अलग शुल्क दरों की घोषणा की है। इनमें संयोजित और असंयोजित दोनों मॉड्यूल शामिल हैं।

अमेरिकी आदेश के अनुसार, 24 फरवरी 2026 को अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने भारत, इंडोनेशिया और लाओ पीपल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक (लाओस) से क्रिस्टलाइन सिलिकॉन फोटोवोल्टिक सेल के संबंध में प्रतिपूर्ति शुल्क जांच में अपने प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा की। ये शुल्क अमेरिकी प्रशासन की ओर से 24 फरवरी से सभी देशों पर घोषित 10 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त हैं। आदेश के अनुसार, अमेरिका में भारत से सौर आयात 2022 के 8.38 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2024 में 79.26 करोड़ डॉलर हो गया। आदेश में कहा गया, यदि इसे स्थगित नहीं किया गया तो इन प्रतिपूर्ति शुल्क जांच के अंतिम निर्णय छह जुलाई, 2026 को जारी किए जाएंगे। वाणिज्य विभाग भारत, इंडोनेशिया और लाओस से सौर सेल के संबंध में समानांतर रूप से डंपिंग रोधी शुल्क जांच भी कर रहा है। प्रतिपूर्ति शुल्क कंपनियों को सब्सिडी वाले आयात से बचाने में मदद करते हैं।

आयातित सौर सेल पर 2022 में लगाया था सीमा शुल्क

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के साथ आयात को कम करने, स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करने के लिए भारत ने अप्रैल, 2022 में आयातित सौर सेल और मॉड्यूल पर मूल सीमा शुल्क लगाया था। इसी के साथ लिए सरकार ने ''रूफटॉप सोलर'' कार्यक्रम, प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम–कुसुम) योजना और सीपीएसयू योजना (द्वितीय–चरण) जैसी योजनाओं के तहत आने वाली परियोजनाओं में भारत में निर्मित पैनल एवं सेल का उपयोग अनिवार्य किया है।

लगातार घट रहा है सौर मॉड्यूल का आयात

भारत में सौर मॉड्यूल का आयात 2024–25 में घटकर 2.15 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया जो 2023–24 में 4.35 अरब डॉलर था। चीन से आयात भी पिछले वित्त वर्ष में घटकर 1.7 अरब डॉलर रह गया, जो 2023–24 में 2.85 अरब डॉलर था। भारत जिन अन्य देशों से आयात करता है उनमें वियतनाम, हांगकांग, मलेशिया और सिंगापुर शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

होली से पहले शिक्षा विभाग के कार्मिकों को मिलेगा वेतन

अमृत विचार, लखनऊ : होली पर्व से पहले प्रदेश के बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को वेतन मिलने का रास्ता साफ हो गया है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय, उत्तर प्रदेश की ओर से 24 फरवरी 2026 को जारी आदेश में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी कार्मिकों का वेतन 2 मार्च 2026 से पहले हर हाल में जारी कर दिया जाए। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनीका रानी द्वारा जारी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि वेतन भुगतान में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब को गंभीरता से लिया जाएगा।

9 पुलों के निर्माण को 8.85 करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में सड़क और सेतु अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में नाबार्ड पोषित आरआईडीएफ योजना के तहत विभिन्न जिलों में निर्माणाधीन बागपत में एक रेल उपरिगामी सेतु समेत 9 सेतुओं के लिए 8.85 करोड़ रुपये की धनराशि जारी करने की स्वीकृति प्रदान की है। लोक निर्माण विभाग के लिए जारी शासनादेश के अनुसार, सभी कार्य लोक निर्माण विभाग एवं उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम के माध्यम से कराए जाएंगे। जारी धनराशि में सबसे बड़ा हिस्सा बागपत में दिल्ली–शाहदरा–सहारनपुर रेल सेक्शन पर बड़ौत–मुजफ्फरनगर मार्ग स्थित समपार संख्या-49ए पर निर्माणाधीन दो लेन रेल उपरिगामी सेतु (आरओबी) के लिए है। इस परियोजना के लिए वर्ष 2025-26 में 4.10 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है। शासनादेश के तहत कुशीनगर, कानपुर नगर, अलीगढ़, मुरादाबाद, संतकबीर नगर और कासगंज सहित विभिन्न जनपदों में स्थित आठ लघु सेतुओं के पुनर्निर्माण एवं नव-निर्माण कार्यों के लिए भी धनराशि जारी की गई है।

विद्युत संघर्ष समिति की प्रांतीय बैठक आज

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की प्रांतीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को हाइडिल के फील्ड हास्टल में होगी। समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि इस बैठक में बिजली कर्मियों के आवासों पर जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जाने, निजीकरण के विरोध और आंदोलन में सक्रिय कर्मचारियों, जूनियर इंजीनियरों और अभियंताओं के विरुद्ध की जा रही उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों पर विस्तृत चर्चा होगी। साथ ही बड़े आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी।

ब्रजभूमि बुधवार को रंग, प्रेम और भक्ति के अनुपम संगम की साक्षी बनी। राधा रानी की नगरी बरसाना में विश्वविख्यात लट्ठमार होली के दौरान नंदगांव से आए हुरियारों पर बरसाना की हुरियारिनों ने परंपरागत अंदाज में प्रेम की लाठियां बरसाईं। छतों और गलियों से उड़ते अबीर–गुलाल, ढोल–नगाड़ों की थाप और राधा–कृष्ण के जयकारों से पूरा वातावरण उत्सवमय हो उठा। अमृत विचार

भाजपा ने 200 मंडल अध्यक्षों का किया ऐलान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कार्यकर्ताओं से बोले प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी- चुनाव आने वाले हैं सबको मिलेगा काम
- गमछा और बुलडोजर भेंट पर दिखा सादगी का अंदाज

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए बुधवार को 200 मंडल अध्यक्षों और जिला प्रतिनिधियों के नामों की घोषणा की। इसके साथ ही प्रदेश में नई कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि चुनाव नजदीक हैं और संगठन में सभी के लिए काम है। उन्होंने कहा कि पार्टी में जिम्मेदारी काम के आधार पर तय होती है, इसलिए सभी लोग संगठन के दिए दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाएं।

भाजपा ने मंगलवार देर रात 1918 संगठनात्मक मंडलों में से शेष रहे 200 मंडल अध्यक्षों और जिला प्रतिनिधियों के नामों की सूची जारी की है। हालांकि 14 जिलाध्यक्षों की सूची अभी लटकी पड़ी है। नए मंडल अध्यक्ष बनाए गए कार्यकर्ताओं को जानकारी जैसे ही हुई, लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में बुधवार को बड़ी संख्या में लोग प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से मिलने पहुंचे।

मुलाकात के दौरान एक कार्यकर्ता ने प्रदेश अध्यक्ष को भगवा गमछा पहनाकर अभिनंदन किया। इस पर पंकज चौधरी ने मुस्कुराते हुए कहा कि इस पर पैसा क्यों खर्च किया, डेढ़-दो सौ रुपये जो खर्च किए, वे तुम्हारे काम आते। वहीं, एक अन्य कार्यकर्ता ने बुलडोजर की प्रतीकात्मक रेप्लिका भेंट की, जिसे देखकर उन्होंने हंसते हुए कहा कि पूरा बुलडोजर ही उठा लाए हो। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता भी प्रदेश अध्यक्ष से मिलने पहुंचीं और नई कार्यकारिणी में स्थान को लेकर अपना दावा प्रस्तुत किया। कई कार्यकर्ताओं ने जिला और प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी के लिए बायोडाटा भी सौंपे।

होली बाद घोषित होगी नई कार्यकारिणी

प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए सुबह 10 से 12 बजे का समय निर्धारित किया था, लेकिन दूर-दराज से आए कार्यकर्ताओं को देखते हुए उन्होंने तय समय के बाद भी सभी से मुलाकात की और उनकी बातें सुनीं। इस दौरान प्रदेश सरकार के मंत्री जसवंत सैनी ने उनसे मिलकर विवाह का निमंत्रण भी दिया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, होली के बाद भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी का ऐलान किया जाएगा। पहले दौर का संगठनात्मक मंथन पूरा हो चुका है, हालांकि जातीय और क्षेत्रीय संतुलन को लेकर अंतिम सहमति अभी बननी बाकी है। इसके लिए लखनऊ और दिल्ली स्तर पर दूसरे दौर की बैठकें होंगी। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी 2 मार्च को पार्टी कार्यालय में होली मिलन समारोह आयोजित करेंगे, जिसमें कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात कर शुभकामनाएं देंगे।

मुख्यमंत्री ने जापान के उद्यमियों को दिया यूपी में निवेश का न्योता

टोक्यो में निवेश रोड शो: जापान इंडस्ट्रियल सिटी से लेकर सेमीकंडक्टर तक साझेदारी का प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित यूपी निवेश रोड शो के दौरान जापानी उद्यमियों को प्रदेश में निवेश का खुला निमंत्रण दिया। सिंगापुर के बाद जापान पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश आज देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है और जितनी बड़ी आबादी है, उतनी ही विशाल संभावनाएं भी हैं। उन्होंने 500 एकड़ में जापान इंडस्ट्रियल सिटी से लेकर सेमीकंडक्टर तक साझेदारी का प्रस्ताव रखा।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश इसलिए सुरक्षित है, क्योंकि यहां स्केल, स्किल, स्टेबिलिटी और स्पीड, चारों उपलब्ध हैं। मजबूत कानून-व्यवस्था, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और युवा कार्यबल ने यूपी को भारत का सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य बना दिया है। उन्होंने जापानी उद्योगपतियों से उत्तर प्रदेश आने, निवेश करने और राज्य के आध्यात्मिक व सांस्कृतिक स्थलों का अनुभव लेने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने जापान को 'लैंड ऑफ द सनराइज' बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सूर्यवंश की परंपरा और भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है, वहीं भगवान बुद्ध की प्रमुख कर्मभूमि भी यही राज्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रामायण और बौद्ध सर्किट के विकास से स्पिरिचुअल टूरिज्म को नई गति मिली है, जिससे पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में निवेश के नए अवसर खुले हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की केवल 11 प्रतिशत कृषि भूमि होने के बावजूद उत्तर प्रदेश 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन करता है, जिससे फूड प्रोसेसिंग और एग्री-लॉजिस्टिक्स में बड़े निवेश की संभावना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास 500 एकड़ में जापान इंडस्ट्रियल सिटी विकसित की जा रही है, ताकि जापानी कंपनियां क्लस्टर के रूप में निवेश कर सकें। यहां बेहतर कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और निर्यात सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

जापान की राजधानी टोक्यो में उद्यमियों से उत्तर प्रदेश में निवेश पर चर्चा करते मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

'मेगा ट्रांसफॉर्मेशन' से बढ़ा उद्योगों का भरोसा

मारुति सुजुकी इंडिया लि. के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर राहुल भारती ने कहा कि योगी सरकार के दौरान यूपी में मेगा ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है। वहीं स्पार्क मिंडा के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर आकाश मिंडा ने इलेक्ट्रॉनिक्स, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और ईवी मोबिलिटी में निवेश का ऐलान करते हुए 3000–4000 रोजगार सृजन की बात कही।

टोक्यो में हुआ आत्मीय स्वागत

टोक्यो आगमन पर प्रवासी भारतीयों ने पारंपरिक परिधानों में मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। यामानाशी प्रांत के वाइस गवर्नर जुनिचि इशिदरा ने मुख्यमंत्री की अगवानी की। यह दृश्य भारत-जापान के गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों की झलक था।

कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, जापान में भारत की राजदूत नगमा एम. मलिक सहित जापान के उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जिनकी प्रवृत्ति डकैती की थी उन्होंने यूपी को अंधेरे में रखा

टोक्यो में प्रवासी भारतीयों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान की राजधानी टोक्यो में भारतीय समुदाय से संवाद करते हुए उत्तर प्रदेश के अंधेरे से उजाले तक के परिवर्तन को बेबाक शब्दों में रखा। उन्होंने कहा कि पहले यूपी में सड़कें नहीं थीं, बिजली नहीं आती थी, क्योंकि अंधेरे में काम करने वालों को उजाला रास नहीं आता। जिनकी प्रवृत्ति डकैती की थी, उन्होंने प्रदेश को भी अंधेरे में रखा। लेकिन हमने तय किया कि उत्तर प्रदेश को भय और भ्रष्टाचार से मुक्त करना है, तो उसे उजाले में लाना होगा। हम सूर्यपुत्र हैं और हमें सूर्य जैसी रोशनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को डकैती और भय से मुक्त करने का संकल्प लिया और उसके लिए बिजली, सड़क और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दी। आज इसका परिणाम सबके सामने है। योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश दंगे, कर्फ्यू और अंधेरे की खबरों से आगे बढ़कर दीपोत्सव, महाकुंभ और वैश्विक निवेश की पहचान बन चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज दुनिया भर के निवेशक उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन हाइड्रोजन, लॉजिस्टिक्स पार्क और अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जैसे क्षेत्रों में निवेश कर रहे हैं। यह वही प्रदेश है, जहां कभी उद्योग आने से कतराते थे।

प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जापान में रह रहे करीब 55 हजार भारतीयों से अपील की कि वे एकजुट होकर भारत और जापान दोनों के विकास में योगदान दें।

इस अवसर पर वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', वरिष्ठ अधिकारी और जापान में भारत की राजदूत नगमा मलिक भी उपस्थित रहीं।

टोक्यो में भारतीय समुदाय के लोगों से मिलते मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

होली पर निर्बाध रात्रिकालीन बस सेवाएं होंगी संचालित

अमृत विचार, लखनऊ : होली पर्व (2 व 4 मार्च) पर संभावित भीड़ को देखते हुए यूपीएसआरटीसी ने 28 फरवरी से 9 मार्च तक विशेष संचालन योजना लागू की है। लखनऊ क्षेत्र के चारबाग, अवध, कैसरबाग, रायबरेली, हैदरगढ़, उपनगरीय, बाराबंकी व आलमबाग डिपो से कुल 1003 बसें संचालित होंगी, जबकि 50 बसें आकस्मिकता के लिए आरक्षित रहेंगी। लखनऊ से दिल्ली (कौशांबी/आनंद विहार), जयपुर, हरिद्वार, देहरादून, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, प्रयागराज समेत प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। दिल्ली मार्ग पर 47 और गोरखपुर मार्ग पर 50 अतिरिक्त बसें लगेंगी। लंबी दूरी की बसों में जरूरत पड़ने पर दो चालक तैनात कर रात्रिकालीन सेवा निर्बाध रखी जाएगी। विशेष अवधि में अधिकारियों व कर्मचारियों के अवकाश निरस्त रहेंगे।

2017 में चली गई थी उमाशंकर सिंह की विधानसभा सदस्यता

लोकायुक्त की रिपोर्ट के बाद राज्यपाल ने की थी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बसपा के विधायक उमाशंकर सिंह, जिनके यहां पर बुधवार को आयकर विभाग ने छापा मारा है, उनकी सदस्यता वर्ष 2017 में चली गई थी। यह राज्य के इकलौते विधायक ऐसे हैं, जिनकी सदस्यता निर्वाचित होने की तारीख से समाप्त की गई थी।

उमाशंकर सिंह

उमाशंकर सिंह वर्ष 2012 में वह पहली बार बसपा के टिकट पर बलिया के रसड़ा विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़कर विधायक बने थे। इसी बीच सुभाष चंद्र एडवोकेट ने 18 दिसंबर, 2013 को शपथपत्र देकर उनके खिलाफ लोकायुक्त के यहां शिकायत कर दी। आरोप लगाया था कि विधायक चुने जाने के बाद भी उमाशंकर सिंह सरकारी ठेके लेकर सड़क निर्माण करते आ रहे हैं। तत्कालीन लोकायुक्त न्यायमूर्ति एनके मेहरोत्रा ने शिकायत की जांच में उमाशंकर सिंह को दोषी पाते हुए अपनी रिपोर्ट सरकार को भेजी दी थी। प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल राम नाईक ने जनवरी 2017 में लोकायुक्त की रिपोर्ट के आधार पर उमाशंकर सिंह की विधानसभा की सदस्यता समाप्ति करने का आदेश दिया था। उमाशंकर की सदस्यता उनके विधायक निर्वाचित होने की तारीख यानी छह मार्च, 2012 से समाप्त करने का निर्णय दिया गया था।

विधान सभा 2022 के चुनाव में उमाशंकर सिंह को छोड़कर बसपा का एक भी विधायक चुनकर नहीं आया। इसके बाद बसपा प्रमुख मायावती के साथ उनकी निकटता हो गई। उमाशंकर के नजदीकियों का कहना हैं कि उमाशंकर छात्र राजनीति से निकले। उन्होंने छात्र राजनीति में वर्ष 1990 में कदम रखा। उसके बाद वर्ष 2000 बलिया के जिला पंचायत अध्यक्ष बने। वर्ष 2011 में बसपा में शामिल हो गए।

11 महीने पहले ही लिख गई थी छापे की पटकथा

विधायक उमाशंकर सिंह के यहां भले ही छापा अब पड़ा है, लेकिन इसकी पटकथा 11 महीने पहले ही लिख गई थी। एक व्यक्ति ने विजीलेंस में उमाशंकर सिंह, उनकी पत्नी, बेटे और बेटी द्वार आय से अधिक संपत्ति होने की शिकायत की थी। विजीलेंस ने गोपनीय तरीके से जांच की तो प्रथमदृष्टया आरोप सही पाए गए। उसके बाद यह मामला आयकर विभाग के संज्ञान में आया। वहां से पड़ताल के बाद छापेमारी की कार्रवाई हुई।

विवादों से है विधायक का पुराना नाता

विधायक उमाशंकर सिंह का विवादों से पुराना नाता रहा है। बीते साल एक वीडियो वायरल हुआ था। उसमें बलिया में बनाए गए पुल को पीडब्ल्यूडी ने खोल दिया था। इस पर मंत्री दयाशंकर सिंह ने बगैर नाम लिए उमाशंकर सिंह पर तल्ख टिप्पणी कर दी थी। उसके बाद उमाशंकर सिंह ने बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस करके दयाशंकर सिंह के लिए कहा था कि हम आरोप लगाने लगें और साक्ष्य देने लगें तो फिर कहीं छुपने की जगह नहीं मिलेगी। इसके अलावा सड़कों के निर्माण में कथित फर्जीवाड़े करके भुगतान लेने के भी आरोप लगते रहे हैं।

छापे पर छलक पड़ा मंत्री का दर्द

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के समधी हैं। समधी के यहां आयकर विभाग की कार्रवाई पर योगी सरकार के मंत्री का दर्द छलक पड़ा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि उमांशकर सिंह के बेटे से उनकी बेटी ब्याही है। सभी को पता है कि उमाशंकर सिंह दो साल से अधिक समय से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। वर्तमान समय में उमाशंकर सिंह के लिए धनार्जन नहीं सांसें बचाने में सारा समय और धन का व्यय हो रहा है। उनके सभी व्यवसाय लगभग बंद हो गए हैं। आज अपने आवास में आइसोलेशन में रह रहे हैं। विधान सभा सत्र एक विधायक के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन वह एक घंटे लिए भी नहीं जा सके। उन्होंने लिखा कि इस समय उनके घर पर नर्स या डाक्टर को भी जाने की अनुमति नहीं हैं। यदि उनके जीवन की कोई हानि होती है तो ये संवेदनहीन संस्थाएं ही जिम्मेदार होंगी।

22 मई से शुरू होगी जनगणना

पहली बार मोबाइल ऐप से स्व-गणना का विकल्प, पूछे जाएंगे 33 सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में जनगणना की शुरुआत 22 मई से होगी। इस बार जनगणना को पूरी तरह डिजिटल स्वरूप दिया गया है और पहली बार नागरिकों को मोबाइल ऐप व पोर्टल के जरिए स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) का विकल्प मिलेगा। पहले चरण में 33 सवाल पूछे जाएंगे। बाद में वर्ष 2027 में दूसरे चरण के दौरान जाति आधारित आंकड़े जुटाए जाएंगे।

जनगणना-2027 देश की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना होगी। इसके आंकड़े 1 मार्च 2027 की स्थिति के अनुसार दर्ज किए जाएंगे। जनगणना दो चरणों में होगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण व मकान गणना और दूसरे चरण में वर्ष 2027 में जनसंख्या के साथ जाति आधारित आंकड़े जुटाए जाएंगे। प्रदेश में जनगणना कार्य के लिए लगभग छह लाख फील्ड कर्मी लगाए जाएंगे।

क्या है स्व-गणना

- नागरिक मोबाइल ऐप या नागरिक पोर्टल पर लॉगिन कर जानकारी भर सकेंगे
- 7 से 21 मई तक ऑनलाइन प्रश्नावली भरने का अवसर
- फील्ड कर्मी आने से पहले ही डेटा दर्ज करने की सुविधा
- 33 प्रश्नों की डिजिटल प्रश्नावली
- गलतियों की संभावना कम, समय और पारदर्शिता दोनों में सुधार
- सभी जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रहेंगी

पहला चरण :

- मकान सूचीकरण और मकान गणना
- 33 प्रकार की जानकारियां जुटाई जाएंगी

दूसरा चरण:

- 9 से 28 फरवरी 2027
- जनसंख्या के साथ जाति संबंधी आंकड़े

27-28 को लखनऊ में मीन महोत्सव: निषाद

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में मत्स्य पालन को आधुनिक, लाभकारी और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मीन महोत्सव (एक्वा एक्सपो) का आयोजन 27 व 28 फरवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया जाएगा।

यह जानकारी प्रदेश के मत्स्य विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री संजय कुमार निषाद ने प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि एक्सपो में देश व प्रदेश के प्रख्यात मत्स्य वैज्ञानिक, उद्यमी तथा प्रदेश के विभिन्न जनपदों से लगभग 1000 मत्स्य पालक भाग लेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों का प्रसार, उद्यमिता संवर्धन तथा मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि के लिए एक समन्वित मंच उपलब्ध कराना है। एक्सपो में लगभग 50 प्रतिष्ठित कंपनियों के स्टॉल, औद्योगिक प्रदर्शनी, तकनीकी सत्र, पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन, वेबकास्टिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी 75 जनपदों में सीधा प्रसारण, फिश फूड कोर्ट और प्रोटीन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

महोत्सव की जानकारी देते संजय निषाद।

समीक्षा बैठक | महीने में एक बार भी लॉगिन न करने वाले कर्मियों का वेतन रोकने के निर्देश

अनिवार्य रूप से लागू हो ई-ऑफिस प्रणाली : मुख्य सचिव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 5 मार्च से पहले सभी विद्यालयों में बालिका शौचालय क्रियाशील करने के निर्देश

अमृत विचार: मुख्य सचिव एसपी गोयल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रदेश की सभी तहसीलों और ब्लॉक मुख्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली अनिवार्य रूप से लागू की जाए। उन्होंने कहा कि जो कार्मिक पूरे माह में एक बार भी ई-ऑफिस पर लॉगिन नहीं करते हैं, उनका वेतन आहरित न किया जाए।

मुख्य सचिव ने यह निर्देश बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में प्रदेश के सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ ई-ऑफिस की प्रगति, खेल अवसंरचना, विद्यालयों में बालिका शौचालय, आंगनबाड़ी भर्ती और पंचायत उत्सव भवन निर्माण की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आवश्यक आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, इंटरनेट कनेक्टिविटी और कार्मिकों का प्रशिक्षण पूर्ण हो तथा फाइलों का संचालन केवल ई-ऑफिस के माध्यम से किया जाए। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि 5 मार्च से पहले यू-डायस और प्रेरणा पोर्टल के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त, राजकीय और परिषदीय विद्यालयों में क्रियाशील बालिका शौचालय उपलब्ध हों।

मुख्य सचिव एसपी गोयल।

10 मंडलों में खुलेंगे स्पोर्ट्स कॉलेज

खेल अवसंरचना की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि अयोध्या, बरेली, आगरा, मिर्जापुर, देवीपाटन, झांसी, बस्ती, मुरादाबाद, मेरठ और अलीगढ़ मंडलों में एक-एक स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना के लिए 50-50 एकड़ भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव शीघ्र खेल विभाग को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स कॉलेजों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा और उन्हें स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी से संबद्ध किया जाएगा।

पंचायत उत्सव भवन के निर्माण में लाएं तेजी

पंचायत उत्सव भवन निर्माण की समीक्षा में बरेली में कार्य प्रारंभ होने पर संतोष जताते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि शेष जनपदों में भी कार्य शीघ्र शुरू कराया जाए। जिन 27 जनपदों में निविदा प्रक्रिया चल रही है, उन्हें तत्काल पूरा किया जाए, जबकि 44 जनपदों को अगले दो दिनों में टेंडर प्रकाशित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर मुख्य सचिव महिला कल्याण लीना जोहरी, प्रमुख सचिव पंचायतीराज अनिल कुमार, महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

विज्ञान की परीक्षा में 22 परीक्षार्थी नदारद

कानपुर देहात। श्याम लाल आदर्श जनता इंटर कॉलेज दया का पुरवा अकबरपुर इंटर कॉलेज के हाई स्कूल तथा कविता इंटर कॉलेज गौरा नगर व अर्जुन दास इंटर कॉलेज मुरीदपुर के इंटर का परीक्षा केंद्र है। केंद्र व्यवस्थापक ने बताया कि बुधवार सुबह पाली में हाईस्कूल विज्ञान प्रश्न पत्र की परीक्षा में 22 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। 378 ने परीक्षा दी। शाम पाली में इंटरमीडिएट रसायन विज्ञान व समाजशास्त्र के पेपर में 368 छात्र पहुंचे। 15 अनुपस्थित रहे।

मारपीट की घटना में जुड़ी एक और धारा

कानपुर देहात। शिवली कोतवाली क्षेत्र के नुनारी बहादुरपुर (औनहां) में 17 फरवरी को हुई गालीगलौज व मारपीट में धारा 109(1) बीएनएस की बढोत्तरी की गई है। वीरेंद्र कुमार की ओर से रज्जाक पुत्र सहाबुद्दीन, गोलू उर्फ साहिल पुत्र रज्जाक, भोलू उर्फ ताहिर मोहम्मद पुत्र रज्जाक निवासी बैरी सवाई को उनके घर के पास से गिरफ्तार किया गया। पहले हनीफ, जाकिर मोहम्मद व आरिफ को गिरफ्तार किया गया था।

कृषि यंत्रों के लिए शुरू हो गई बुकिंग

कानपुर देहात। उप कृषि निदेशक हरिशंकर भार्गव ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि यंत्र दिए जाएंगे, इसके लिए बुधवार से बुकिंग प्रारंभ हो गई है। यह चार मार्च तक चलेगी। जनपद स्तर पर पुनः बुकिंग के लिए पोर्टल खोला गया है। किसान विभागीय पोर्टल पर पंजीकृत मोबाइल नंबर से ओटीपी प्राप्त कर योजना का लाभ उठा सकते हैं।

विद्यार्थियों की होगी टेली काउंसिलिंग

कानपुर देहात। सीएमओ डॉ. एके सिंह ने बताया कि हाईस्कूल, इंटरमीडिएट एवं अन्य परीक्षाओं के समय मानसिक विकारों के निदान के लिए टेली काउंसिल की सुविधा रहेगी। विद्यार्थियों में तनाव, चिंता और डर के अलावा अच्छे अंक लाने का दबाव रहता है, इस कारण परीक्षा से पहले याद की हुई बातें भूलने लगते है। नींद न आना, सिर दर्द या पेट दर्द जैसी समस्याए हो जाती है। टेली मानस टोल फ्री नंबर 14416 एवं 1800 89 14 416 का उपयोग कर विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से बचाया जा सकता है।

खिलाड़ियों को बांटी गई प्लेइंग किट

कानपुर देहात। जिला क्रीड़ाधिकारी नीलम सिद्दीकी ने बताया कि एथलेटिक्स प्रशिक्षक विजय कुमार गुप्ता की देखरेख में खेलो इंडिया एक जिला एक खेल योजना के अंतर्गत एथलेटिक्स खेल का संचालन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिले के 30 खिलाड़ी पंजीकृत है। पंजीकृत खिलाड़ियों को इस योजना में बुधवार को प्लेइंग किट आदि क्रीड़ाधिकारी द्वारा वितरित किए गए।

प्रशिक्षण के लिए पांच दर्जन किसान रवाना

कानपुर देहात। जनपद से पांच दर्जन किसानों का दल बुधवार को पूसा नई दिल्ली एवं सरसों अनुसंधान केंद्र राजस्थान में छह दिवसीय प्रशिक्षण के लिए रवाना हुआ। उप कृषि निदेशक हरीशंकर भार्गव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। किसानों को रबी फसलों में उपज के अलावा सरसों उत्पादन व तिलहन क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर, राजस्थान में होगा। इसी तरह पूसा नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर के मेले में किसानों को गेहूं सहित अन्य फसलों, कृषि विविधीकरण व कृषि के साथ अन्य विधाओं को अपनाकर आय दोगुनी करने के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी।

भाजपा के 8 मंडल अध्यक्षों की घोषणा

रनियां। जिले के आठ भाजपा मंडल अध्यक्षों की घोषणा बुधवार को हो गई। प्रदेश पंकज चौधरी की संस्तुति पर क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल की ओर से नए मंडल अध्यक्ष की सूची जारी की गई है। जिला मीडिया प्रभारी विकास मिश्रा ने बताया कि रसूलाबाद मंडल में अटल बाजपेई अध्यक्ष बनाए गए हैं। कहिजरी से राजेश सिंह, रनियां से धर्मेन्द्र कुशवाहा, मैथा से पवन राजपूत, अकबरपुर से आशीष दीक्षित, सिठमरा से विवेक शुक्ला, गजनेर से जय सिंह और पुखरायां में मुकुल पांडेय अध्यक्ष बने हैं। ओमकार सिंह, दीपक सोनी, सुनील शर्मा, मनीष सैनी, शिव विलास मिश्रा, अवधेश कमल, शुभम सिंह चौहान को जिला प्रतिनिधि के रूप में जगह मिली है।

दुकान चलाते मिले हेड मास्टर सस्पेंड किए गए

संवाददाता, रनियां

- राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने किया था स्कूल का औचक निरीक्षण

अमृत विचारः राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला के मंगलवार को प्राथमिक विद्यालय शुक्लनपुरवा के औचक निरीक्षण में प्रधानाध्यापक अमित कुमार अग्निहोत्री रनियां बाजार में निजी दुकान चला रहे थे। राज्यमंत्री की शिकायत पर बीएसए ने बुधवार को उन्हें निलंबित कर दिया।

राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला को शुक्लनपुरवा के प्राथमिक विद्यालय के हेडमास्टर अमित कुमार अग्निहोत्री अनुपस्थित मिले थे। स्थानीय लोगों ने जो फोटो उपलब्ध कराई, उसमें वो रनियां बाजार में कपड़े की दुकान चला रहे थे। इसकी शिकायत बीएसए अजय मिश्रा से करते हुए उन्होंने कठोर कार्रवाई की मांग की थी। आपके अपने अखबार 'अमृत विचार' ने 'स्कूल में पढ़ाते नहीं, कपड़े की दुकान चलाते मिले हेड मास्साब' शीर्षक से प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी।

राज्यमंत्री की शिकायत और 'अमृत विचार' अखबार की खबर का संज्ञान लेते हुए बुधवार को हेडमास्टर अमित कुमार अग्निहोत्री को निलंबित कर दिया गया। निलंबन पत्र जारी करते हुए बीएसए ने आदेश जारी किया कि निलंबन अवधि में अमित कुमार अग्निहोत्री प्राथमिक विद्यालय मिर्जापुर लकोठिया रसूलाबाद में नियमित उपस्थिति दर्ज कराएंगे। मामले की जांच खंड शिक्षा अधिकारी अमरौधा ईश्वर चंद्र मिश्रा को सौंपी गई है। इस संबंध में बीएसए डा अजय मिश्रा ने बताया कि आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दूसरी जगह संबद्ध किया गया है।

ट्रैक्टर से गिरने पर युवक की गई जान

रसूलाबाद। मंगलवार रात ट्रैक्टर से अपने गांव जा रहा एक युवक ट्रैक्टर से फिसलकर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे सीएचसी लाए, जहां से डॉक्टर ने हैलट कानपुर रेफर कर दिया। चौबेपुर के पास दम तोड़ दिया फिर भी परिजन उन्हें हैलट ले गए। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

औरैया के मन्यौड़ा निवासी सत्येंद्र उर्फ कल्लू (45) ट्रैक्टर से अपने गांव जा रहे थे। रसूलाबाद लहरापुर मार्ग से गांव के संपर्क मार्ग पर जेपी इंटर कॉलेज कठारा के समीप वह ट्रैक्टर से फिसलकर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें तत्काल सीएचसी रसूलाबाद ले गए, जहां डॉक्टर ने उनकी गंभीर दशा के चलते उन्हें हैलट कानपुर रेफर कर दिया। किंतु चौबेपुर के निकट ही उन्होने दम तोड़ दिया। उनकी असामायिक मौत पर उसकी पत्नी पूजा देवी, पुत्र गौरव, आयुष एवं पुत्री का रो रोकर बुरा हाल है।

व्यापारियों ने कोतवाली के पास सर्विस रोड मांगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- कलेक्ट्रेट सभागार में हुई जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक
- उद्यमियों की समस्याओं, सुझावों पर मिला समाधान का भरोसा

अमृत विचारः बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम कपिल सिंह की अध्यक्षता में जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक हुई। इसमें जनपद के उद्यमियों एवं व्यापारियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न समस्याओं, सुझावों एवं मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि उद्यमियों एवं व्यापारियों की समस्याओं का समयबद्ध एवं संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

कलेक्ट्रेट में व्यापारियों और उद्यमियों के साथ बैठक करते डीएम। अमृत विचार

उन्होंने निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था नियमित रूप से कराई जाए तथा रोस्टर के अनुरूप निर्वाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे उद्योगों का संचालन सुचारु रूप से किया जा सके। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों की सड़कों एवं नाले-नालियों की समय-समय पर मरम्मत एवं साफ-सफाई कराए जाने के निर्देश भी दिए गए। अतिक्रमण से संबंधित शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के कारण औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। बैठक में आईटीआई पास प्रशिक्षुओं को अप्रेंटिसशिप से जोड़ने के विषय पर भी चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण एवं अप्रेंटिसशिप की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अधिकाधिक अवसर प्राप्त हो सकें। इस अवसर पर प्रधानाचार्य आईटीआई द्वारा अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष लगभग 600 अप्रेंटिसशिप को विभिन्न कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराया गया है। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी रनियां को निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्र में साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक गतिविधियों के लिए रोस्टर तैयार कर निरंतर कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाए। बैठक के दौरान व्यापारियों द्वारा अकबरपुर कोतवाली के पास सर्विस रोड निर्माण, कानपुर, अकबरपुर, रूरा के मध्य रोडवेज एवं सीएनजी बसों के संचालन, सहित अन्य स्थानीय समस्याएं एवं सुझाव प्रस्तुत किए गए, जिन पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मंत्री फिर बोले, बिना नोटिस दिए नहीं काटे जाएं बिजली कनेक्शन

विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान दिए सख्त निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- बोले, अधिकारी जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें

अमृत विचारः प्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग के मंत्री और जिले के प्रभारी डा संजय निषाद की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन स्थित सभागार में कानून व्यवस्था एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। इसमें राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, एमएलसी अविनाश सिंह चौहान, विधायक रसूलाबाद पूनम शंखवार आदि शामिल हुए।

विकास भवन सभागार में प्रभारी मंत्री ने अफसरों के साथ बैठक की। अमृत विचार

बैठक में प्रभारी मंत्री द्वारा विद्युत विभाग को विद्युत बिल राहत योजना की जानकारी जनप्रतिनिधियों को समय पर न उपलब्ध कराने के संबंध में असंतोष व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना की जानकारी जनप्रतिनिधियो को समय अन्तर्गत अवश्य दी जाए, जिससे योजना का प्रचार आमजन तक पहुंच सके। मंत्री द्वारा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देश दिये कि बिना पूर्व नोटिस दिये विद्युत कनेक्शन का विच्छेदन न किया जाए। साथ ही शासन द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं विद्युत से सम्बन्धित समस्याओं का तय समय-सीमा में निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए।

कृषि विभाग को किसानों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिलाने, खाद व बीज की उपलब्धता केन्द्रों पर सुनिश्चित करने तथा विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये गए। डा निषाद ने केसीसी, फसल बीमा आदि से सम्बन्धित कैंप आयोजित कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को जिला चिकित्सालय में सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने एवं आने वाले मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य केन्द्रों में स्थित शौचालयों की साफ-सफाई कराने व सभी व्यवस्थाऐं दुरूस्त रखने के निर्देश दिए गए। नगर निकायों को नगरीय क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई कराने, सार्वजनिक शौचालयों एवं मलिन बस्तियों में नियमित स्वच्छता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

रनियां पीएचसी के शौचालयों में गंदगी देख प्रभारी मंत्री झल्लाए

संवाददाता, रनियां

- जिले के दौरे पर आए प्रभारी मंत्री ने जांचीं वृद्धाश्रम की व्यवस्थाएं

अमृत विचारः जिले के प्रभारी मंत्री संजय कुमार निषाद ने मंगलवार देर रात रनियां स्थित वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद पीएचसी रनियां का भी निरीक्षण किया। इस दौरान परिसर में बने शौचालय में गंदगी मिलने पर प्रभारी मंत्री नाराज हो गए। उन्होंने शौचालय की नियमित साफ-सफाई को लेकर निर्देश दिए।

वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं की जानकारी लेते प्रभारी मंत्री। अमृत विचार

वृद्धाश्रम पहुंच कर वृद्धजनों से सीधा संवाद कर भोजन, स्वास्थ्य सुविधाओं और देखभाल की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उन्होंने समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण और दवाओं की उपलब्धता को लेकर भी पूछताछ की। प्रभारी मंत्री ने सभी को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद प्रभारी मंत्री ने रनियां स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। वहां मौजूद चिकित्साधिकारी डॉ. विशाल भसीन से प्रतिदिन आने वाले मरीजों की संख्या और उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने दवाइयों के स्टाक, जांच मशीनों की स्थिति और ओपीडी रजिस्टर का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान परिसर में बने शौचालय में गंदगी मिलने पर मंत्री नाराज हो गए। प्रभारी मंत्री डॉ.संजयनिषाद ने नगर पंचायत के अधिकारियों को निर्देशित किया कि रोस्टर बनाकर शौचालय की नियमित सफाई सुनिश्चित कराई जाए, ताकि मरीजों और तीमारदारों को असुविधा न हो।

चौपाल में ग्रामीणों के आने से पहले ही अधिकारी गए

संवाददाता, रसूलाबाद

- गोपालपुर तालुका गांव में लगाई गई चकबंदी ग्राम चौपाल

अमृत विचारः डीएम एवं चकबंदी आयुक्त के निर्देशानुसार तहसील के गोपालपुर तालुका में चकबंदी ग्राम चौपाल का आयोजन हुआ। चौपाल का उद्देश्य किसानों की भूमि संबंधी समस्याओं को सुनकर संतोषजनक समाधान करना था, किंतु चौपाल औपचारिकता ही बन गई।

ग्राम प्रधान मानवेंद्र पाल ने बताया कि चौपाल में ग्रामीण जब तक पहुंचते, उसके पहले ही अधिकारी चले गए। उन्होंने कहा कि चकबंदी अधिकारी वरासत दर्ज करने के नाम पर वसूली कर रहे हैं। ग्राम प्रधान ने बताया कि चौपाल की सूचना पर वे भी पहुंचे थे, किंतु तब तक चौपाल समाप्त हो चुकी थी। चौपाल लगाने की केवल औपचारिकता निभाई गई। यही बात अनेक ग्रामीणों ने भी बताई। चकबंदी अधिकारी कमलेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस चौपाल में सहायक चकबंदी अधिकारी शैलेन्द्र कुमार, चकबंदी लेखपाल अखिलेश कुमार सहित चकबंदी विभाग के कई कर्मचारी मौजूद रहे। चौपाल में उपस्थित किसानों ने चकबंदी से संबंधित विभिन्न शिकायतें प्रस्तुत कीं। इनमें भूमि सीमांकन, खातेदारी, आपसी विवाद, रास्तों की समस्या और अभिलेखों में त्रुटियां शामिल थीं। चकन्दी अधिकारी कमलेश कुमार शर्मा ने दावा किया कि उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनी और उनके निस्तारण का आश्वासन दिया है। चकबंदी प्रक्रिया के लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई है। बताया गया कि चकबंदी से भूमि विवादों का स्थायी समाधान संभव है।

गांजा तस्करी के रैकेट का खुलासा महिला समेत तीन लोग गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- बारा स्टैंड में तस्करों के पास मिला 37 किलो गांजा

अमृत विचारः सदर कोतवाली पुलिस ने गांजा तस्करी के बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक महिला समेत तीन तस्करों को धर दबोचा। उनके पास से 37 किलोग्राम से अधिक गांजा बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए गांजे की कीमत करीब पौने 19 लाख रूपए है।

सदर कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में आए गांजा तस्कर। अमृत विचार

होली के त्योहार पर अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और तस्करी होती है। इसकी रोकथाम के लिए कानपुर देहात पुलिस द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बुधवार को थाना अकबरपुर पुलिस टीम ने संदिग्ध मार्गों पर वाहनों और संदिग्ध गतिविधि वाले लोगों की चेकिंग शुरू की। इसी दौरान मुखबिर द्वारा सूचना दी गई कि बारा जोड के पास बने बस स्टैंड पर कुछ संदिग्ध लोग मौजूद हैं। आशंका जताई गई कि यह लोग मादक पदार्थो के तस्कर हो सकते हैं। इस सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच एक महिला और दो पुरूषों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि उनके कब्जे से 37 किलो 40 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है। लवकुश चौहान पुत्र पप्पू सिंह, बादल सिंह पुत्र जगदीश सिंह दोनों निवासी ग्राम रठे थाना किशनी जनपद मैनपुरी व सुधा पत्नी स्व0 हरीओम सिंह पकड़े गए। सुधा हरिओम मौहल्ला शाहीसराय कस्बा फरह, फतेहा थाना फरह जनपद मथुरा की है। गांजा की बरामदगी व आरोपियों की गिरफ्तारी के आधार पर थाना अकबरपुर में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा कायम किया गया है।

भाजपा विधायक ने मंदिर संवारने का दिया भरोसा

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः बैरीसाल के मजरा चिता निवादा स्थित काली माता मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम संखवार मौके पर पहुंची और व्यास पीठ का आशीर्वाद लिया। उन्होंने इस अवसर पर काली माता मंदिर के जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

कथा सुनाते कौशल किशोर पांडेय।

इस अवसर पर विधायक ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक स्थल समाज की सांस्कृतिक पहचान होते हैं इनके संरक्षण और विकास में सरकार तथा गणपति जनप्रतिनिधि सदैव सदैव साथ खड़े हैं। मंदिर के जीर्णोद्धार की घोषणा पर लोगों में उत्साह देखा गया। विधायक के आने पर भाजपा कार्यकर्ताओं सुरेश सक्सेना, राम मनोहर अस्वस्थी, दीपक कुशवाहा, राजा तिवारी, विपिन पाल भोलू गुप्ता श्री देव आस्वस्थी, ललित पांडेय आदि लोगों ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। श्रीमद् भागवत कथा में कथावाचक आचार्य कौशल किशोर पांडेय ने भक्ति कर्म और ज्ञान के महत्व को बताते हुए मानव जीवन को धर्ममय बनाने का आह्वान किया। बुधवार को कथा का समापन आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

भरी मांग | सिकंदरा के नुमाइश मैदान पर आयोजित हुआ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्मेलन

जोड़ों ने लिए फेरे, राज्यमंत्री ने बरसाए फूल

संवाददाता, सिकंदरा

अमृत विचारः समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में सिकंदरा कस्बे में बुधवार को कुल 52 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया। नुमाइश ग्राउंड नगर निकाय सिकंदरा में आयोजित समारोह में अलग-अलग नगर पंचायत के वर-वधुओं ने प्रतिभाग किया। शासन की ओर से प्रदत्त उपहार जोड़ों को प्रदान किए गए।

मांग में सिंदूर भरकर चुना जीवनसाथी।

वर-वधुओं पर पुष्प वर्षा करते मंत्री अजीत सिंह पाल। अमृत विचार

बताया गया कि कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत राजपुर से तीन, सिकंदरा से एक, शिवली से एक, अकबरपुर से नौ, रूरा से 10 जोड़े आए। दूसरी तरफ, विकास खंड मैथा से पांच, रसूलाबाद से 10 और झींझक से 13 के जोड़ों को सम्मिलित किया गया। जोड़ों का विवाह गायत्री परिवार के पुरोहितों द्वारा हिंदू रीति रिवाज के अनुसार विधि-विधान से सम्पन्न कराया गया। विवाह स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम में सरकार के राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल मुख्य अतिथि थे। उन्होंने वर-वधू को आशीर्वाद दियां गया। कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देशन व मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल के मार्गदर्शन में एवं अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) दिग्विजय सिंह के पर्यवेक्षण में संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में सम्बन्धित उप जिलाधिकारी सिकन्दरा, जिला समाज कल्याण अधिकारी, उपायुक्त मनरेगा, एसएन द्विवेदी उप निदेशक, समाज कल्याण कानपुर मण्डल कानपुर व सम्बन्धित खंड विकास अधिकारी व अधिशासी अधिकारी नगर निकाय उपस्थित रहे।

शिक्षा एवं डिजिटल साक्षरता पर संवाद

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः तहसील क्षेत्र के आरजी महाविद्यालय बाघपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पांचवें दिन के कार्यक्रमों का मुख्य केंद्र शिक्षा एवं डिजिटल साक्षरता विषय रहा। इसमें स्वयंसेवकों ने समाज को जागरूक करने के विभिन्न गुर सीखे।

एनएसएस कैंप में जानकारी देते कार्यक्रम अधिकारी। अमृत विचार

कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियों में शुरुआत एनएसएस लक्ष्य गीत के साथ हुई। कार्यक्रम अधिकारी अंकित कुमार द्विवेदी के निर्देशन में स्वयंसेवकों ने शिक्षा एवं डिजिटल साक्षरता विषय पर चर्चा की। जानकारी देते हुए बताया कि आज के समय में पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ डिजिटल उपकरणों का ज्ञान होना प्रगति के लिए अनिवार्य है। कार्यक्रम में सहयोगी शिक्षक देवेंद्रनाथ शुक्ला, संगीता कुमारी, प्रतीक जायसवाल, राघव दीक्षित एवं अविनाश अग्निहोत्री स्वयंसेवकों को तकनीकी कौशल और शिक्षण सहायता के प्रति प्रेरित किया।

बुधवार के सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बृज बिहारी द्विवेदी व विशिष्ट अतिथि एडवोकेट रणविजय सिंह चंदेल उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने अपने संबोधन में शिक्षा के गिरते स्तर को सुधारने और डिजिटल क्रांति का लाभ गाँव-गाँव तक पहुँचाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि ने स्वयंसेवकों के मनोबल को बढ़ाते हुए अंशिका को उनकी उत्कृष्ट सेवा भावना के लिए श्वॉलिंटियर ऑफ द डेश् के अवार्ड से नवाजा। शिविर में जिया, वैष्णवी, अंशिका, शिवांगी, निधि, सोनम, हर्षिता, काजल, पूजा आदि मौजूद रही।

न्यूज ब्रीफ

विधान परिषद सदस्य ने सुनीं कार्यकर्ताओं की समस्याएं

बिल्हौर। सड़कों के उद्घाटन में आए एमएलसी अरुण पाठक ने शिलान्यास के बाद बिल्हौर कस्बे में अपना कैंप लगाकर स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ उनकी समस्याओं को सुना। उनकी समस्याओं का निदान का आश्वसन भी दिया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के तमाम पदाधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे जिसमें प्रमुख रूप से रोहित सिंह चौहान, एडवोकेट अतुल शुक्ला, जे पी कटियार आदि लोग प्रमुख रूप से शामिल हैं। एमएलसी द्वारा स्थानीय समस्याओं को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

नकली गुटखा बनाने वाले दो युवक गिरफ्तार

शिवराजपुर। बुधवार को पुलिस ने नकली गुटखा बनाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। पुलिस ने उनके पास से 30 हजार पाउच नकली गुटखा बरामद किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर के निवासी बलदेव सिंह पुत्र बलवीर सिंह की तहरीर पर टीम गठित कर जनपद कानपुर नगर बाबूपुरवा टीपीनगर निवासी फैज आलम और थाना महाराजपुर के नौगवा निवासी रामसागर को शिवराजपुर थाना क्षेत्र के काकूपुर जाने वाले अंडरपास के नीचे से गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 197 पैकेट तुलसी सिल्वर रंग और 397 पैकेट तुलसी गोल्डन रंग के नकली गुटखा के पाउच बरामद हुए हैं। दोनों युवकों को कॉपीराइट एक्ट के तहत जेल भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट और बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

एक दर्जन ओवरलोड ट्रकों पर हुई कार्रवाई

मौदहा। अवैध खनन और ओवर लोडिंग के खिलाफ चलाए गए अभियान से खनन माफिया सकते में आ गए जबकि एक दर्जन ओवरलोड ट्रकों को पकड़ कर स्थानीय गल्ला मण्डी में खड़ा कराया गया है। मंगलवार देर रात उपजिलाधिकारी कर्णवीर सिंह और क्षेत्राधिकारी राजकुमार पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान में पुलिस ने नेशनल हाईवे से एक दर्जन ओवरलोड ट्रकों का चालान किया है। जबकि पुलिस ने सभी ट्रकों को पकड़ कर स्थानीय गल्ला मण्डी में खडा कराने के बाद खनिज विभाग और सम्भागीय परिवहन विभाग को सूचना दे दी है।

कार्यकत्री पर राशन नहीं देने का आरोप

हमीरपुर। सुमेरपुर ब्लाक के ग्राम सहजना की आंगनबाड़ी कार्यकत्री पर बच्चों के पोषाहार एवं गर्भवती महिलाओं का राशन वितरित न करने का आरोप लगा महिलाओं ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया है। सहजना निवासी रंजना पत्नी देवी, सोनी पत्नी सुरेन्द्र, पुष्पांजली पल्ली गोविन्द, रीता पत्नी सवेंद्र, अनारकली पत्नी भरत, नक्को पत्नी झंडू, शान्ती पत्नी साजन, अंजना पत्नी ज्ञान सिंह, अंजना पत्नी रजनेश व सोनम पत्नी विपिन ने आरोप लगाया कि उन्हें राशन नहीं दिया गया है। मांगने पर अभद्र भाषा का प्रयोग कर रही है।

सड़क चौड़ीकरण से वाहन भरेंगे फर्राटा, हुआ शिलान्यास

संवाददाता, शिवराजपुर/ बिल्हौर

अमृत विचार। विधानसभा क्षेत्र में विकास की रफ्तार को तेज करते हुए बुधवार को दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। चौड़ीकरण का भूमि पूजन सांसद अशोक रावत, विधायक राहुल बच्चा सोनकर एवं शिक्षक एमएलसी अरुण पाठक ने किया।

शिवराजपुर शिवली संपर्क मार्ग पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है जिससे बड़े वाहनों के आवागमन के चलते कस्बावासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कस्बे से शिवली जाने वाला शिवराजपुर शिवली मार्ग अति व्यस्ततम होने के कारण आए दिन जाम की समस्या से जूझ रहा है। जनता की मांग पर सांसद, विधायक एवं एमएलसी के प्रयासों से 33 करोड़ 32 लाख रुपए के बजट से लगभग 12 किलोमीटर मार्ग का चौड़ीकरण और सुंदरीकरण पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जाएगा। चौड़ीकरण के बाद बड़े वाहन बिना जाम के इस रोड पर भी फर्राटा भरेंगे।

कार्यक्रम के संबोधन में विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने बताया कि शिवराजपुर से शिवली जाने वाले मार्ग पर नाला टूटने एवं रोड संकरी होने के कारण अक्सर जाम लगने की समस्या हो रही है। क्षेत्रीय लोगों ने कई बार इसकी शिकायत की। सांसद जी के सहयोग से

भूमि पूजन करते सांसद अशोक रावत, विधायक राहुल बच्चा सोनकर शिक्षक एमएलसी अरुण पाठक।

पीडब्ल्यूडी को इस सड़क के बारे में अवगत कराया। समस्या को देखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा 33 करोड़ 32 लाख रुपए का बजट पास किया गया। इस सड़क में कस्बे के अंदर सीसी रोड बनेगी। कल्याणपुर शिवली शिवराजपुर मार्ग के चौड़ीकरण व सुंदरीकरण करने के लिए यह बजट पास किया गया है। रोड बन जाने के बाद जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी। वहीं क्षेत्रीय सांसद अशोक रावत ने कहा डबल इंजन की सरकार में कई सड़कों का चौड़ीकरण हो रहा है। क्षेत्र की जनता को समस्या न हो इसके लिए विधानसभा क्षेत्र की कई सड़कें बनवाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी की सरकार इसी प्रकार की कई योजनाएं गरीबों के हित में चला रही हैं। इस मौके पर शिक्षक एमएलसी अरुण पाठक, सांसद प्रतिनिधि रवि बाजपेई, ललित बच्चा सोनकर, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र प्रताप, जेपी कटियार, बिरजू मिश्रा, सूरज कटियार, नागेंद्र सिंह, ध्यानु ठाकुर, विक्रम मिश्रा, रवि प्रताप सिंह, नीलकमल चौहान, गौरव कटियार, दीपू शुक्ला, अनुज मिश्रा, शोभित दीक्षित, शिवम तिवारी, अमित कटियार आदि रहे।

इन प्रमुख सड़कों का होगा कायाकल्प

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने बताया कि इन सड़कों के बनने से न केवल यातायात सुलभ होगा, बल्कि स्थानीय व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। जीटी रोड से ग्राम गदनपुर आहार (प्राथमिक विद्यालय के पास) तक जाने वाले इस मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। 3 .350 किमी लंबी इस परियोजना पर 1439 .57 लाख की लागत आएगी।

प्लांट से बैटरी व डीजल चोरी

चौबेपुर। क्षेत्र के चंपतपुर गांव स्थित इंटरलॉकिंग प्लांट में मंगलवार रात चोरों ने मौका पाकर जनरेटर की बैटरी व डीजल पार कर दिया। सुबह मामले की जानकारी पर प्लांट मालिक ने घटना की सूचना थाना पुलिस को दी।

कस्बे के ब्रह्म नगर मोहल्ला निवासी अमित मिश्रा पुत्र स्व महेश मिश्रा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि क्षेत्र के चंपतपुर गांव में उनका इंटरलॉकिंग प्लांट लगा हुआ है। मंगलवार को चोरों ने मौका पाकर प्लांट में रखे जनरेटर की बैटरी व डीजल पार कर दिया। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि मामले की पड़ताल कराई जा रही है।

विधायक के गैस गोदाम से लाखों के सिलेंडर चोरी

विधायक अमिताभ बाजपेई का दीपपुर गांव में है गैस गोदाम

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के दीपपुर गांव में मंगलवार रात सपा विधायक की गैस एजेंसी के गोदाम के ताले तोड़कर चोरों ने करीब 5 लाख रुपये कीमत के गैस सिलेंडर पार कर दिए। सुबह घटना की जानकारी पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच पड़ताल किए जाने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

चोरी के मामले की जांच-पड़ताल करती पुलिस। अमृत विचार

मालूम हो कि आर्य नगर विधान सभा क्षेत्र से सपा विधायक अमिताभ बाजपेई की चौबेपुर गैस एजेंसी के नाम से एचपी गैस की एजेंसी है। एजेंसी का कार्यालय कस्बा चौबेपुर में, जबकि सिलेंडर गोदाम क्षेत्र के दीपपुर गांव में स्थित है। मंगलवार देर रात मौका पाकर चोरों ने गोदाम के ताले तोड़े। यहां रखें 127 भरे हुए घरेलू सिलेंडर, 7 खाली सिलेंडर और तीन भरे हुए कामर्शियल सिलेंडर पार कर दिए। सुबह सिलेंडर लोड करने के लिए पहुंचे डिलीवरी बॉय अनुराग अवस्थी व गोदाम इंचार्ज उमेश सविता गोदाम के ताले टूटे देख हैरान रह गए और मामले की सूचना एजेंसी प्रबंधक शशिकांत पांडे को दी। जिसके बाद घटना की सूचना थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस को एजेंसी प्रबंधक शशिकांत पांडे ने बताया कि चोरी की घटना में करीब 5 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने छानबीन किए जाने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, लेकिन चोरों का कोई सुराग हाथ नहीं लग सका। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बिठूर महोत्सव आज से होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

कानपुर। सनातन एवं संस्कृति का उत्सव थीम पर तीन दिवसीय बिठूर महोत्सव 26 फरवरी से 28 फरवरी तक नानाराव पेशवा स्मारक, बिठूर में आयोजित होगा। आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के साथ बिठूर तीन दिन तक उत्सवधर्मी वातावरण में रहेगा। महोत्सव तक पहुंचाने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से प्रातः 10 बजे से रात 10 बजे तक निःशुल्क बसें उपलब्ध रहेंगी। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और मंचीय कार्यक्रमों के समन्वय को लेकर संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। महोत्सव में रक्षा मंत्रालय के ग्लाइडर्स इंडिया एवं ऑर्डिनेंस इक्यूपमेंट फैक्ट्री की प्रदर्शनी, उद्यान विभाग का फ्लावर शो, आईआईटी कानपुर की एआई व वीआर आधारित प्रदर्शनी, सीएसजेएमयू के फाइन आर्ट्स विभाग की कलाकृतियां, कठपुतली और कच्ची घोड़ी जैसे लोक कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण रहेंगे। बिठूर थीम गीत की प्रस्तुति और भोपाल कथक समिति का कथक नृत्य होगा।

मिलावटखोरों पर प्रशासन का डंडा पुरा में बूंदी निर्माण इकाई सील की

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। आगामी होली के त्यौहार को देखते हुए आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में जिलाधिकारी कानपुर नगर के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने उत्तरी तहसील, बिल्हौर में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

सहायक आयुक्त (खाद्य) के नेतृत्व में सचल दल ने सुशील कुमार गुप्ता की बूंदी निर्माण इकाई का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां मौजूद खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता पर संदेह होने के कारण टीम ने कुल 5 नमूने एकत्र किए हैं, जिनमें रिफाइंड सोयाबीन तेल ,बेसन ,सूजी ,वनस्पति ,तैयार बूंदी शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान उस वक्त स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब निर्माण इकाई के सामने स्थित एक तीन मंजिला

सैंपल सील करती टीम। अमृत विचार

मकान की जांच करने की कोशिश की गई। खाद्य सुरक्षा दल को संदेह था कि इस मकान में असुरक्षित खाद्य पदार्थ भारी मात्रा में भंडारित किए गए हैं।

सचल दल द्वारा सुशील कुमार गुप्ता को बार-बार मकान खोलकर निरीक्षण कराने के निर्देश दिए गए। मालिक द्वारा सहयोग न करने और

- **5 नमूने एकत्र किए हैं, जिनमें रिफाइंड सोयाबीन तेल ,बेसन सूजी, वनस्पति, तैयार बूंदी शामिल है**

ताला खोलने से मना करने पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया। खाद्य सुरक्षा दल ने साक्ष्यों को छिपाने के प्रयास की आशंका जताते हुए जनहित में उस तीन मंजिला परिसर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया है।

टीम में शामिल अधिकारी : इस छापेमारी में खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष कुमार सिंह, अजय कुमार सिंह, नागेश कुमार, रश्मि प्रभा और अमित कुमार सिंह सहित पूरा सचल दल शामिल रहा। अधिकारियों का कहना है कि जब तक परिसर का पूर्ण निरीक्षण नहीं हो जाता, तब तक सील नहीं खोली जाएगी। होली के त्यौहार तक खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी क्षेत्र में लगातार नकली मिलावटी खाद्य पदार्थों को रोकथाम के लिए गश्त पर रहेंगे।

होली और ईद पर हुड़दंगियों की खैर नहीं, थाना प्रभारी ने दी चेतावनी

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। आगामी त्योहारों के मद्देनजर कस्बे में सांप्रदायिक सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में ककवन थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत की अध्यक्षता में थाना परिसर में शांति कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों के गणमान्य नागरिकों और कमेटी के सदस्यों ने भाग लिया।

थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत ने बैठक को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि होली और ईद के दौरान शासन द्वारा जारी गाइडलाइंस का सख्ती से पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि त्योहार खुशी और भाईचारे का प्रतीक हैं, इसमें किसी भी प्रकार की नई परंपरा डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी दी है। बैठक में कहा गया कि शराब पीकर हुड़दंग करने वाले, जबरन रंग डालने वाले या सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। ईद की नमाज के दौरान किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो, इसके लिए कमेटी के सदस्यों से रूट और समय पर चर्चा की गई। त्योहारों के दौरान संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती रहेगी और पुलिस लगातार गश्त करेगी।

थाना प्रभारी ने शांति कमेटी के सदस्यों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में युवाओं को जागरूक करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। कमेटी के सदस्यों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने और त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा यदि कोई भी शांति भंग करने की कोशिश करेगा, तो पुलिस उससे पूरी सख्ती से निपटेगी।

घाटमपुर में भिड़े दो डंपर, चालक घायल, हाईवे पर फैला ऑयल

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर कानपुर–सागर हाईवे पर टेनापुर मोड़ के पास दो डंपर आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक डंपर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया। पुलिस ने चालक को निकालकर घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में कानपुर के उर्सला अस्पताल रेफर कर दिया।

नौबस्ता गल्ला मंडी निवासी 35 वर्षीय रवि पुत्र रामप्रकाश ने बताया कि वह डंपर लेकर कानपुर से वापस लौट रहा था, तभी घाटमपुर थाना क्षेत्र कानपुर सागर हाईवे पर स्थित टेनापुर मोड़ के पास सामने से आ रहे डंपर से भिड़ंत हो गई। हादसे में चालक केबिन में फंस गया। सूचना मिलते ही

क्षतिग्रस्त ट्रक। अमृत विचार

पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल चालक को बाहर निकालकर एंबुलेंस के जरिए घाटमपुर सीएचसी भेजा, जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में कानपुर के उर्सला अस्पताल रेफर कर दिया।

हादसे के बाद एक डंपर से बड़ी मात्रा में मोबिल ऑयल हाईवे पर फैल गया, जिससे सड़क पर फिसलन बढ़ गई। इस दौरान यहां से गुजर रहे कई बाइक सवार असंतुलित होकर हाईवे पर गिर पड़े। हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन कुछ लोगों को हल्की चोटें आईं। राहगीरों ने हाईवे पर फैले ऑयल का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए ट्वीट किया, जिसके बाद संबंधित विभाग हरकत में आया। मामले का संज्ञान लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) के अधिकारियों ने पेट्रोलिंग टीम को मौके पर भेजा। टीम ने तत्काल हाईवे पर ऑयल के ऊपर मिट्टी डालकर साफ-सफाई करवाकर यातायात को बहाल कराया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त डंपरों को सड़क किनारे हटवाया, जिसके बाद आवागमन पूरी तरह बहाल हो सका। घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। घायल चालक को तत्काल अस्पताल भेजा गया है। दोनों वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू करा दिया गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दंत चिकित्सकों पर कसा शिकंजा

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र में बीते दिनों उपचार के दौरान हुई तीन लोगों की मौत को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दंत चिकित्सकों पर शिकंजा कसा। छापेमारी के दौरान कोई दस्तावेज न दिखा पाने पर क्लीनिक संचालकों को दो दिन के अंदर कागजात प्रस्तुत करने की नोटिस दी गई।

कस्बा समेत क्षेत्र के भौसाना गांव में बीते दिनों उपचार के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई थी। घटनाओं में परिजनों द्वारा गलत उपचार किए जाने का आरोप लगाया था। घटनाओं को लेकर सक्रिय हुई स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मंगलवार को कस्बा व भट्ठा कोठी गांव स्थित चार दुकानों पर छापेमारी कर कार्रवाई की थी। इधर बुधवार को भी सीएचसी अधीक्षक डॉ यशोवर्धन सिंह के नेतृत्व में टीम ने कस्बे में दंत चिकित्सा क्लीनिक चला रहे खुशी डेंटल क्लीनिक, सत्येंद्र दातों

कस्बे में डेंटल क्लीनिक की जांच-पड़ताल करती स्वास्थ्य टीम। अमृत विचार

का दवाखाना व अंबे भवानी डेंटल क्लीनिक पर जांच पड़ताल की। इस दौरान क्लीनिक संचालक किसी भी तरह के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। जिस पर सीएचसी अधीक्षक ने नोटिस देकर उन्हें 2 दिन के भीतर कागजात प्रस्तुत करने के लिए कहा। डॉ यशोवर्धन सिंह ने बताया कि अवैध ढंग से संचालित क्लीनिक व मेडिकल स्टोर संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई का अभियान निरंतर जारी रहेगा।

कार्यक्रम

5 से 12 हजार हुईं एमबीबीएस सीटें, 40 से बढ़कर 81 हुए कॉलेज

भाजपा सरकार में स्वास्थ्य क्षेत्र में हुआ बड़ा विस्तार :बृजेश पाठक

संवाददाता, सैफई

अमृत विचार। भाजपा सरकार में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक विस्तार हुआ है। एमबीबीएस सीटों की संख्या 5000 से बढ़ाकर 12 हजार से अधिक की जा चुकी है और सरकारी-निजी मिलाकर मेडिकल कॉलेजों की संख्या 40 से बढ़कर 81 हो गई है। यह बात प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री बृजेश पाठक ने सैफई स्थित उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई के स्थापना दिवस समारोह में संबोधित करते हुए कही है।

जन औषधि केंद्र का उद्घाटन करते डिप्टी सीएम साथ में कुलपति व अन्य।

डिप्टी सीएम ने कहा कि वर्ष 2017 में प्रदेश में 17 सरकारी और 23 निजी मेडिकल कॉलेज थे, यानि कुल लगभग 40 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे थे। पिछले 9 वर्षों में यह संख्या बढ़कर 81 हो गई है और ये संस्थान पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही पैरामेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार का जोर केवल संख्या बढ़ाने पर नहीं, बल्कि गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर भी है। नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर उन्होंने पूर्व की व्यवस्था पर सवाल उठाए। बताया कि जब 3000 नर्सिंग पदों के लिए लोक सेवा आयोग के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई तो एक लाख से अधिक आवेदन आए, लेकिन परिणाम में केवल 2100 अभ्यर्थी ही उत्तीर्ण हो सके। इस स्थिति की समीक्षा कराई गई तो सामने आया कि कई नर्सिंग कॉलेजों में न तो पर्याप्त फैकल्टी थी और न ही अस्पताल की सुविधा, केवल प्रमाणपत्र देकर छात्रों को उत्तीर्ण दिखाया गया था। यह संस्थान केवल इटावा ही नहीं, बल्कि आसपास के जनपदों और पड़ोसी राज्यों तक के मरीजों को चिकित्सा सुविधा दे रहे हैं। विश्वविद्यालय में 200 एमबीबीएस सीटें हैं और हाईवे पर नया ट्रॉमा सेंटर शीघ्र स्थापित किया जाएगा, जिसका संचालन सैफई आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इटावा की धरती ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही है और यहां चिकित्सा शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार पूरे क्षेत्र के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को बेहतर चिकित्सा सुविधा और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध हो।

शंकराचार्य मामले में टिप्पणी करने से किया परहेज

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर दर्ज मुकदमे को लेकर पूछे गए सवाल पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है, ऐसे में इस विषय पर किसी प्रकार की टिप्पणी करना उचित नहीं है। अदालत में लंबित मामलों पर सार्वजनिक चर्चा से बचना चाहिए। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव के उस बयान, जिसमें 100 विधायक लाकर मुख्यमंत्री बनाने की बात कही गई थी पर प्रतिक्रिया देते हुए बृजेश पाठक ने कहा कि इस तरह के सवालों का कोई अर्थ नहीं है। उन्होंने इसे राजनीतिक बयानबाजी करार देते हुए संकेत दिया कि प्रदेश की सरकार जनादेश के आधार पर स्थिरता के साथ कार्य कर रही है।

ट्रक ने बारातियों की कार में मारी टक्कर, एक की थम गई सांसें

संवाददाता, पौथिया (हमीरपुर)

अमृत विचार। महेरा गांव से शादी समारोह से लौटते समय राठ हाईवे में ललपुरा थाने से महज 200 मीटर दूर कार में अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे एक कार सवार बंजारा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची ललपुरा पुलिस ने घायल को छानी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कानपुर देहात जनपद के गजनेर थानाक्षेत्र के टड़वारा मुक्तापुर निवासी छुन्नू नायर उर्फ बंजारा (32) पुत्र स्व.मेवालाल मंगलवार को अपने दोस्त रामकुमार पुत्र अशोक की बारात में शामिल होने बिवांर थाना क्षेत्र के महेरा गांव शादी समारोह में आया था। मंगलवार रात करीब दो बजे इको कार से कुछ बारातियों के साथ गांव लौट रहा था,

छुन्नू नायर।

- **कानपुर देहात के गजनेर क्षेत्र के टड़वारा मुक्तापुर का था युवक**

तभी राठ हाईवे पर ललपुरा थाने के करीब 200 मीटर दूर तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी और तेज गति से निकल गया। हादसे में छुन्नू सहित अन्य लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची ललपुरा पुलिस के उपनिरीक्षक हरिप्रताप सिंह, हमराही अनुरुद्ध यादव, कांस्टेबल अशोक ने घायल छुन्नू को छानी अस्पताल भेजा, जहां डाक्टरों ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। बुधवार को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। छुन्नू के चचेरे भाई जयबीर सिंह ने बताया दुर्घटना के बाद कार में बैठे अन्य बराती घायल अवस्था में उसे छोड़कर भाग गए थे। भतीजे बिपिन ने बताया कि छुन्नू की मौत से पत्नी आरती देवी, पुत्री मांसी (8), बेटा बिनय (5), बेटा बिष्णु (3), मां ओमवती रोती-विलखती रहीं। उधर ललपुरा थाना प्रभारी राकेश कुमार सरोज ने बताया कि तहरीर प्राप्त होने पर रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

इफ्तार
गुरुवार शाम
सुन्नी : 6:11
शिया : 6:20

सहरी
शुक्रवार सुबह
सुन्नी : 5:13
शिया : 5:07

हजरत मोहम्मद साहब ने फरमाया : रमजान-उल-मुबारक में खूब इबादत किया करो और खजूर से इफ्तार किया करें।

पीएसआईटी में बवाल के दौरान पहुंची पुलिस। अमृत विचार

छात्रों ने की तोड़फोड़। अमृत विचार

छात्रों ने खिड़की-दरवाजे तोड़ डाले। अमृत विचार

पीएसआईटी में भारी बवाल-तोड़फोड़, पुलिस ने भांजी लाठी

साथी बीसीए छात्र की मौत से भड़का गुस्सा, हंगामा और उपद्रव के बाद पीएसी तैनात

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भौंती स्थित पीएसआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में बुधवार को जमकर बवाल हुआ। मंगलवार को हादसे में साथी की मौत से उत्तेजित छात्रों ने पहले शांति मार्च निकाला, जो कॉलेज प्रबंधन के विरुद्ध नारेबाजी के बीच उग्र हो गया। इसके बाद सैकड़ों छात्रों ने कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। उत्तेजित छात्रों की भीड़ ने गमले, खिड़की, दरवाजे और कुर्सी-मेज तोड़ दीं। छात्रों का उपद्रव रोकने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिससे हालात और बिगड़ गए। पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हो गई। पुलिस ने छात्रों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठियां भांजी, इसमें कई छात्र गिरकर घायल हो गए। आंदोलित छात्र मृतक छात्र के परिजनों के साथ मुआवजे, घटना की जांच तथा कॉलेज के समय में निर्माण कार्य रोकने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। प्राणवीर सिंह इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी (पीएसआइटी) कालेज परिसर में निर्माण कार्य चल रहा है। सोमवार शाम धूल का गुबार उड़ने से रतनलाल नगर निवासी प्रभाकर सिंह का पुत्र बीसीए फाइनल वर्ष का छात्र प्रखर जेसीबी से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। वह अपनी बाइक से कॉलेज के पीछे वाले गेट से बाहर निकल रहा था। इसी दौरान उसके आगे एक कार तेज रफ्तार में गुजरी और धूल के कारण प्रखर को सामने खड़ी जेसीबी दिखाई नहीं दी थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसकी किडनी, फेफड़े और पैंक्रियाज क्षतिग्रस्त हो गया। उसे रीजेंसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां देर रात उसकी मौत हो गई थी। बुधवार सुबह बड़ी संख्या में छात्र कॉलेज पहुंचे। मुआवजे तथा जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों ने कॉलेज प्रशासन पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि परिसर में निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाने से यह हादसा हुआ। अभी छात्रों का कॉलेज के गेट पर प्रदर्शन चल ही रहा था कि मृतक छात्र के परिजन भी आ गए। इसी बीच सुरक्षा गार्डों पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए छात्रों ने हंगामा तेज कर दिया।

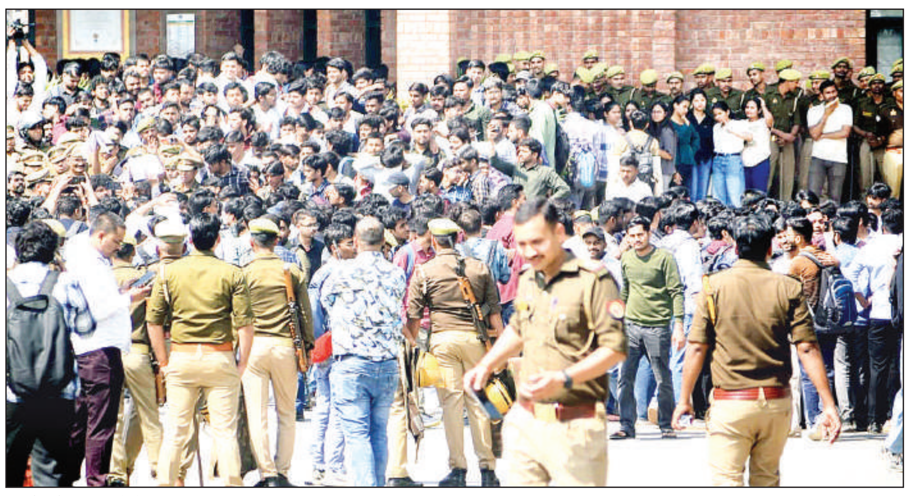

छात्रों को पुलिस ने घेरकर शांत कराया। अमृत विचार

कॉलेज प्रबंधन ने कैंपस के बाहर हुई घटना बताई

- कॉलेज प्रबंधन ने घटना को कैंपस के बाहर का मामला बताया है। पीएसआईटी के ग्रुप डायरेक्टर प्रो. मनमोहन शुक्ला ने कैंपस के अंदर घटना होने से इनकार किया है। उनका दावा है कि एक्सीडेंट कॉलेज से करीब 200 मीटर की दूरी पर कैंपस के बाहर हुआ था, जिसका कॉलेज के अंदर के निर्माण कार्य से कोई लेना-देना नहीं है।

पुलिस के साथ हुई झड़प में कई छात्र गिरकर हुए घायल

- उतेजित छात्र कॉलेज के भीतर घुस गए और तोड़फोड़ शुरू कर दी। गमले, दरवाजे, खिड़की, टेबल-कुर्सी तोड़ दी। बवाल की सूचना पाकर मौके पर सचेंडी, पनकी, अरमापुर, कल्याणपुर सहित 7-8 थानों की फोर्स और पीएसी पहुंची। दोपहर एक बजे बवाल काफी बढ़ गया। पुलिस और छात्रों में जमकर झड़प हो गई। पुलिस ने छात्रों को हटाने के लिए दौड़ा-दौड़ाकर लाठियां मारीं। इसमें कई छात्र गिरकर घायल हो गए।

सारी मांगें मानी गईं आठ मार्च तक संस्थान हुआ बंद

- बवाल के बाद पुलिस अधिकारियों और कॉलेज प्रबंधन के बीच हुई वार्ता में छात्रों की सारी मांगे मान ली गईं। निर्माण कार्य की टाइमिंग को लेकर छात्रों को आश्वाशन दिया गया कि जल्द ही इसे भी बदला जाएगा। फिलहाल बवाल को देखते हुए कॉलेज को आठ मार्च तक बंद कर दिया गया है। कॉलेज में पीएसी तैनात है। दोपहर तीन बजे के बाद सभी छात्र कॉलेज परिसर से चले गए।

टाइमलाइन

- 9:00 बजे : सुबह छात्र-छात्राओं ने कैंपस गेट पहुंच कर शुरू की नारेबाजी।
- 9:17 : परिसर में घुसने का प्रयास कर रहे छात्र-छात्राओं की गार्ड से हुई धक्का-मुक्की।
- 9:20 : सचेंडी थाना की फोर्स मौके पर पहुंची
- 10:08 : बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं परिसर में हुए दाखिल।
- 10:20 : मृतक छात्र के परिजन कैंपस पहुंचे
- 10:35 : एडमिन रूम के बाहर छात्रों ने निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप लगा हंगामा काटा।
- 11:00 : कानपुर वेस्ट के कई थानों समेत रिजर्व पुलिस मौके पर पहुंची।
- 11:20 : डीसीपी पश्चिम कैंपस में पहुंचे।
- 12:35 : अपराह्न कॉलेज प्रबंधन, मुआवजे समेत अन्य मांग कर रहे छात्रों से बात करने पहुंचे।
- 1:00 बजे : डायरेक्टर ने मांगों पर विचार करने का छात्रों को दिया आश्वासन।
- 1:30 : लिखित आश्वासन की मांग पर अड़े छात्रों ने दोबारा हंगामा काटते हुए तोड़फोड़ शुरू कर दी।
- 1:50 : पुलिस ने लाठियां पटकते हुए हंगामा काट रहे छात्रों को तितर बितर किया।
- 2:20 बजे : पुलिस ने पूरी तरह स्थिति पर काबू पाया।

एडमिन आफिस का किया घेराव, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस बुलाईं

- डीसीपी पश्चिम एसएस कासिम आबिदी, डीसीपी कपिलदेव, एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार तथा एसीपी अमरनाथ यादव ने उपद्रव के दौरान कई बार छात्रों को समझाया। गुस्साए छात्रों ने एडमिन ऑफिस घेर रखा था। उनका कहना था कि उनके तीन साथियों को अंदर रोककर रखा गया है। छात्रों का कहना था कि तीनों छात्रों को छोड़ा जाए, तभी वह लोग यहां से हटेंगे। बवाल थमता नहीं देखकर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और 10 एंबुलेंस भी ऐहतियातन बुला ली गईं।

सिटी ब्रीफ

ऑटो में बैठी महिला से पांच लाख की टप्पेबाजी

कानपुर। ऑटो में बैठी महिला से टप्पेबाजी हो गई। ऑटो में सवार महिलाएं नशीला पदार्थ सुंघाकर करीब पांच लाख रुपये के जेवर पार कर ले गई। पीड़िता को घर पहुंचने पर पता चला तो उसने पुलिस को सूचना दी, लेकिन सीमा विवाद में फंसकर उलझ गई। पीड़िता ने डीसीपी दक्षिण से गुहार लगाई। तब जाकर हनुमंत विहार पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू किए। अभी तक आरोपियों का पता नहीं चला है। घाटमपुर के नौरंगा निवासी किरन सचान ने बताया कि नौबस्ता के सागरपुरी में उनकी बहन ऊषा सचान रहती हैं। मंगलवार सुबह वह ऑटो से बहन के घर आई थीं। रास्ते में जहांगीराबाद के पास ऑटो में दो महिलाएं बैठीं थीं। बगल में बैठी महिला ने पर्स से पान-मसाला निकाला और खाने के बाद ऊपर फूंक दिया। विरोध करने पर माफी मांगी तो शांत हो गई। इसके बाद ही वह बेसुध हो गईं। समाधी पुलिया पहुंचने के बाद चालक ने उन्हें उतरने के लिए कहा तो उनकी आंख खुली। किराया देने के बाद वह ई-रिक्शा से बहन के घर पहुंचीं। वहां पहुंचने के बाद बैग खोला तो उनके होश उड़ गए। बैग में रखा जेवरों का पर्स गायब था। किरन के अनुसार पर्स में तीन तोला की दो चेन, दो अंगुठी, कान के झुमके और टाप्स थे।

धार्मिक संस्थाओं से भुगतान के लिए आवेदन करें

कानपुर। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि जनपद में एन्यूटी भुगतान के लिए पात्र समस्त धार्मिक संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ऐसी संस्थाएं जो जनपद के एन्यूटी रजिस्टर में दर्ज हैं तथा राजस्व परिषद स्तर से डीबीटी प्रणाली के माध्यम से एन्यूटी प्राप्त करना चाहती हैं, वे आगामी दो सप्ताह के भीतर अपना दावा प्रस्तुत करें।

दिल्ली फ्लाइट फुल मुंबई-हैदराबाद के यात्री घटे

कानपुर। बुधवार को दिल्ली से कानपुर आने वाली फ्लाइट में 220 यात्री आए और 186 यात्री ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी। हैदराबाद से 179 यात्री आए और 175 यात्रियों ने हैदराबाद के लिए उड़ान भरा। इसी प्रकार मुंबई की फ्लाइट में 187 यात्री कानपुर पहुंचे और 174 यात्री मुंबई रवाना हुए।

बैंड संचालक के खिलाफ रिपोर्ट

कानपुर। चकेरी के अहिरवां चौकी इंचार्ज जयवीर सिंह ने बैंड संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसके अनुसार 24 फरवरी को संजीव नगर स्थित सत्संग भवन गेस्ट हाउस में देर रात तक डीजे बजाने की सूचना मिली। इस दौरान वह मौके पर पहुंचे तो करीब 11:30 बजे तेज आवाज में डीजे बजता मिला। इस पर उन्होंने तिवारीपुर कालीबाड़ी निवासी बैंड संचालक राहुल कुमार सिंह के खिलाफ कार्रवाई की है।

होमगार्ड की दबंगई बताकर डीसीपी से रोईं महिलाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कहा, दबंग ने जीना दुश्वार कर रखा है

अमृत विचार। होमगार्ड की शिकायत लेकर पहुंचीं महिलाएं डीसीपी साउथ को उसकी दबंगई बताकर रो पड़ीं। कहा, चौकी हो या थाना। उनकी कोई नहीं सुनता। मोहल्ले के होमगार्ड ने जीना दुश्वार कर रखा है।

गुजैनी के जरौली इलाके में रहने वाली महिलाओं का आरोप है कि होमगार्ड घनश्याम मिश्रा और उसका भाई विनय सार्वजनिक पार्क में कब्जा करना चाहता है। होमगार्ड ने दो बार पार्क पर कब्जा करने की कोशिश की, लेकिन लोगों की शिकायत पर केडीए ने कब्जा गिरा दिया। इसी खुन्नस में होमगार्ड ने परेशान करना शुरू किया। गाली-गलौज के साथ अभद्रता करता है। डर के कारण कई परिवार सामने नहीं आ रहे हैं। पार्क में जाना भी मुश्किल हो गया है। दो दिन पूर्व उसने इलाके में रहने वाली एक महिला पर चोरी का झूठा आरोप लगाकर पुलिस बुला ली। गनीमत रही कि सीसीटीवी कैमरे ने उसकी पोल खोल दी। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि जांच के बाद आरोपी होमगार्ड व उसके भाई पर कार्रवाई होगी।

ट्रेन के आगे कूद कर दे दी जान

कानपुर। चकेरी में बीमारी से परेशान इलेक्ट्रीशियन ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी दी। मंगलाविहार निवासी 54 वर्षीय अखिलेश कुमार शुक्ला इलेक्ट्रीशियन थे। परिवार में पत्नी पुष्पा, दो बेटे अभिषेक व अनिकेत हैं। बेटों ने बताया कि पिता करीब छह माह से अस्वस्थ चल रहे थे। कई चिकित्सकों को दिखाया, लेकिन उन्हें खांसी में राहत नहीं मिली। इस कारण वह तनाव में थे।

मंगलवार शाम वह घर से बाहर निकले थे, तभी रेलवे लाइन पहुंचकर ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। शव की शिनाख्त होने पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी।

गैर इरादतन हत्या में मां-बेटी, बेटे को 10 साल कैद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 2016 में तीन फिट रास्ते को लेकर बुजुर्ग पर कुल्हाड़ी से किया था हमला

अमृत विचार। नवाबगंज में तीन फिट रास्ते के लिए बुजुर्ग की गैर इरादतन हत्या में एडीजे-11 सुभाष सिंह की कोर्ट ने मां-बेटे, बेटी समेत आठ को दोषी करार देते हुए 10-10 साल कैद की सजा सुनाई है। जून 2016 में रास्ते के झगड़े में दोषियों ने बुजुर्ग पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। बेटे ने गैर इरादतन हत्या की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पहलवान पुरवा निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग अयोध्या प्रसाद पहलवान के बेटे विनोद कुमार ने बताया कि पिता ने 2014 में शंकर लाल से जमीन खरीदी थी। भूखंड के आगे का हिस्सा मुंशीलाल का था। जब जमीन की रजिस्ट्री हुई तो नक्शे में तीन फिट गली दर्शाई गई। पिता ने रजिस्ट्री के बाद बोरिंग कराई। इसके बाद 17 जून 2016 की रात गली में पाइप लाइन डलवा रहे थे। जिसका मुंशीलाल निषाद व उसके लड़कों राजेंद्र व आनंद ने विरोध किया। शोर शराबा होने पर मुंशीलाल की मां रामश्री व भाई विनोद, कृष्णा, विष्णु, अजय, विष्णु की बहन बीनू आ गए और पिता को घेर लिया। विनोद के अनुसार पता चलने पर वह और उसके भाई छबीले, राकेश, हरिशंकर, शिवकुमार व बहू पिंकी को भी पीटने लगे। विनोद ने बताया कि कुछ देर बाद आरोपी लाठी, डंडे व कुल्हाड़ी लेकर आए और पिता समेत परिजनों पर हमलावर हो गए। आरोपी आनंद ने पिता के सीने व गर्दन पर कुल्हाड़ी से हमला किया। तत्काल उन्हें हैलट ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। विनोद ने नवाबगंज थाने में आरोपी राजेंद्र, आनंद, विष्णु, अजय, रामश्री, बीनू, विनोद, कृष्णा के खिलाफ गैर इरादतन हत्या, घर में घुसकर मारपीट समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एडीजे-11 की कोर्ट में मामला ट्रायल पर रहा।

कोर्ट से जेल ले जाए गए दोषी। अमृत विचार

समस्या ट्रैफिक लाइन में पंजीयन के लिए लाइन में लगे हजारों ई रिक्शा-ऑटो, अब निर्धारित रूट पर कलर के हिसाब से ही चल पाएंगे

हर इलाके के मरीज कैसे पहुंचेंगे हॉस्पिटल, ओला-उबर का क्या होगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ई रिक्शों और ऑटो को निर्धारित कलर रूट पर चलाने के लिए 25 फरवरी से पंजीयन की तिथि निर्धारित की थी। जिसके लिए मंगलवार की रात से से ही विभिन्न आटो स्टैण्डों पर छापेमारी करके ट्रैफिक पुलिस ने ई रिक्शों व ऑटो को पकड़ लिया और पंजीयन के लिए ट्रैफिक लाइन ले गए। अब ऑटो और ई रिक्शा उसी रूट पर चलेंगे जिस रूट का निर्धारण किया गया होगा, ऐसे में यदि किदवई नगर में किसी की तबियत खराब हो जाए तो ऐसे ई रिक्शे, ऑटो हैलट की ओर नहीं आ सकेंगे तो ऐसे में मरीज का क्या होगा।

बुधवार को शहर के थानों के माध्यम से भी आटो, ई रिक्शों को पकड़कर ट्रैफिक लाइन पंजीयन के लिए भिजवाया गया। स्थिति ये रही कि बुधवार को भोर से ही ट्रैफिक लाइन में ई रिक्शों एवं ऑटो की लाइन लग लग गई। पंजीयन का काम 7 मार्च तक चलेगा। बताते चलें कि ई रिक्शा और ऑटो के लिए ट्रैफिक विभाग ने रूट तय कर दिये हैं। हर रूट के कलर अलग अलग हैं। जिस ई रिक्शा या ऑटो को जो रूट दिया जाएगा, उसी पर ही वे चल पाएंगे। इसके लिए 24 फरवरी 2026 तक का समय दिया गया था।

दूसरी ओर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापारी एसोसिएशन के प्रभारी एएस वर्मा पदमेश, संजय तिवारी, सतेंद्र शुक्ला, अरुण सोनी, राकेश सोनी, शुभम कपूर, हरनाम सिंह टोनी मोहित वर्मा ने डीसीपी ट्रैफिक को ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि हजारों की संख्या में ऑटो ने उबर और ओला जैसे कंपनी से टाईअप कर रखा है, ऐसे में कोई ऑटो यात्री नहीं बुक कर पाएगा।

ट्रैफिक लाइन में ई रिक्शा-ऑटो की लाइनें। अमृत विचार

पंजीयन करती ट्रैफिक पुलिस। अमृत विचार

रजिस्ट्रेशन के लिए ये कागजात लेकर आएं

- रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी)
- इश्योरेंस सर्टिफिकेट
- आधार कार्ड
- ड्राइविंग लाइसेंस
- फिटनेस प्रमाण-पत्र

रूट नंबर 1: रेड जोन

- कोतवाली, फीलखाना, मूलगंज, कलक्टरगंज, हरवंश मोहाल, बादशाही नाका, अनवरगंज, चमनगंज, रायपुरवा, बेकनगंज।

रूट नंबर 2: ग्रीन जोन

- नौबस्ता, किदवई नगर, बाबूपुरवा, रेलबाजार, सेन पश्चिम थाना क्षेत्र के पते पर पंजीकृत वाहन स्वामी के ई-रिक्शाई- ऑटो चल सकेंगे तथा रामादेवी चौराहा से नौबस्ता चौराहा तक फ्लाईओवर के नीचे वाली सडक पर चल सकेगे।

रूट नंबर 3: धानी जोन

- बर्रा, गुजैनी, हनुमंत विहार, जूही, गोविन्द नगर थाना क्षेत्र के पते पर पंजीकृत वहन स्वामी के ई-रिक्शा ई-ऑटो।

रूट नंबर 4: ब्लू जोन

- चकेरी, जाजमऊ, छावनी, थाना क्षेत्र के पते पर पंजीकृत वाहन स्वामी को ई-रिक्शा ई-ऑटो चल सकेंगे तथा रामादेवी चौराहा से नौबस्ता चौराहा तक फ्लाईओवर के नीचे वाली सड़क पर चल सकेंगे।

रूट नंबर 5: येलो जोन

- कर्नलगंज, ग्वालटोली, सीसामऊ, बजरिया, कोहना थाना क्षेत्र के पते पर पंजीकृत वाहन स्वामी के ई-रिक्शा/ई-ऑटो।

रूट नंबर 6: बैगनी जोन

- कल्याणपुर, पनकी, अरमापुर, रावतपुर थाना क्षेत्र के पते पर पंजीकृत वाहन स्वामी के ई-रिक्शा/ई-ऑटो।

रूट नंबर 7: पिंक जोन

- काकादेव, स्वरूपनगर, नजीराबाद, फजलगंज, नबावगंज थाना क्षेत्र के पते पर पंजीकृत वाहन स्वामी के ई-रिक्शा/ई-ऑटो

सिटी ब्रीफ

बहन के घर फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

कानपुर। बिधनू में बहन के घर में फंदे से लटककर युवक ने आत्महत्या कर ली। घटना के समय युवक अकेला था, परिवार के लोग शादी समारोह में गए थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मूलरूप से झारखंड के देवघर निवासी 20 वर्षीय गणेश यादव एक साल से बिधनू के ओरियारा में बहन पम्मी के घर रह रहा था। गणेश रंग फैक्ट्री में काम करता था। पिता पूरण व बड़ा भाई मुकेश देवघर में ही रहते हैं। पम्मी के देवर रोशन यादव ने बताया कि मंगलवार को पारिवारिक भतीजी की शादी थी। परिजन शादी समारोह में गए थे। शाम को गणेश घर पर अकेला था। रात करीब सवा दस बजे वह उसके लिए खाना लेकर घर पहुंचे तो उसका शव फंदे से लटका पाया। गणेश ने फांसी क्यों लगाई, इसकी वजह स्पष्ट नहीं है।

मारपीट के वीडियो का पुलिस ने लिया संज्ञान

कानपुर। बर्रा के कर्रही रोड स्थित बंबा मोड़ पर अवैध रूप से संचालित ऑटो स्टैंड पर मंगलवार रात किराए को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई। जिसका वीडियो बुधवार को वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने मौके पर आसपास के लोगों से पूछताछ की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। पुलिस पूछताछ में लोगों ने बताया कि कम-ज्यादा किराए को लेकर विवाद हुआ। दोनों पक्ष उग्र हो गए और उनके बीच दो-तीन बार जमकर मारपीट हुई। जिससे अफरातफरी मच गई। कुछ देर बाद युवक फिर से एकत्र हुए, जिससे तनाव की स्थिति बनी। लोगों का कहना है कि बंबा मोड़ पर ऑटो और ई-रिक्शा चालकों का रोजाना जमावड़ा रहता है, जिससे आए दिन विवाद व अव्यवस्था होती है। राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ती है। मामले में पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है। ऑटो स्टैंड पर अराजकता फैलाने वालों पर भी नजर रखी जा रही है। दोषी मिलने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी जाएगी।

58 धार्मिक स्थल हटेंगे, 20 बार बदली गई डीपीआर

एलिवेटेड रोड की सौगात

- गोल चौराहा से रामादेवी पहुंचने में अभी व्यस्त समय में लगता है डेढ़ घंटा तक समय
- ढाई से तीन साल का समय लग जाएगा एलिवेटेड रोड को बनकर तैयार होने में

10.16 किलोमीटर लंबी बनेगी रोड

04 लेन एलिवेटेड रोड का निर्माण होगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रामादेवी से गोल चौराहा तक जीटी रोड पर बनने वाली 10.16 किलोमीटर लंबी 4-लेन एलिवेटेड रोड के निर्माण में अतिक्रमण के साथ ही 58 धार्मिक स्थल (57 मंदिर और 1 मस्जिद) बाधक पाए गए हैं, जिन्हें हटाया जाएगा। 988.30 करोड़ रुपये लागत वाली इस परियोजना के सर्वे और डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट में इन धार्मिक स्थलों को चिह्नित किया गया है।

बीच में आएंगे कई धार्मिक स्थल। अमृत विचार

शहर को यातायात जाम से निजात दिलाने वाली इस बहुप्रतीक्षित एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को मंजूरी प्रदान करने के साथ बजट उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। अब पीडब्ल्यूडी-एनएच खंड इसकी टेंडर प्रक्रिया शुरू कराएगा। इस रोड को बनने में करीब ढाई से तीन साल का समय लगने की संभावना जताई जा रही है।

जीटी रोड पर एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इसे सैद्धांतिक सहमति मिलने के बाद भी काम बीते दो वर्षों से आगे नहीं बढ़ पा रहा था। इसकी बड़ी वजह डीपीआर को अंतिम रूप नहीं मिल पाना था। जानकारी के अनुसार डीपीआर बनाने वाली हेक्सा कंपनी को अलाइमेंट, रैंप डिजाइन और यातायात विश्लेषण को लेकर पिछले 21 माह में 20 बार बदलाव करने पड़े। सबसे ज्यादा दिक्कत झकरकटी बस अड्डा, जरीब चौकी और सीओडी क्रासिंग पर आ रही थी। यहां बनने वाले रैंप को लेकर बार-बार तकनीकी रिपोर्ट बदलनी पड़ी।

कभी रैंप की ऊंचाई अनुपयुक्त मिली तो कभी मोड़ यातायात के परिप्रेक्ष्य में तकनीकी रूप से असुरक्षित पाए गए, तो कभी जाम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए नए विकल्प देखने पड़े। इन सभी सुधारों के कारण ही पूरा प्रोजेक्ट लटका पड़ा था। अंतिम रूप से मंजूर हुई डीपीआर के मुताबिक एलिवेटेड रोड सिंगल पिलर पर बनाया जाएगा। इससे मौजूदा जीटी रोड पर भी यातायात अबाध गति से चलता रहेगा और जीटी रोड के दोनों ओर स्थित मोहल्लों और बाजार में आवाजाही के लिए कोई परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। एलिवेटेड रोड को श्याम नगर तिराहा के बाद कांशीराम अस्पताल के पास उतारे जाने की योजना बनी है।

जरीब चौकी पर पुल का औचित्य सवालों के घेरे में

- पूर्व की योजना के अनुसार जरीब चौकी रेलवे क्रासिंग पर बनने वाला सेतु निगम का फ्लाईओवर और एलिवेटेड रोड एक दूसरे को क्रॉस करेंगी। इससे जरीब चौकी पर शहर का पहला एलिवेटेड चौराहा बनेगा। लेकिन अब जबकि गोल चौराहा से रामादेवी तक एलिवेटेड रोड और मंधना से अनवरगंज के बीच एलिवेटेड रेल ट्रैक बनना है, तो जरीब चौकी फ्लाईओवर के औचित्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

जीटी रोड से हटाया जाएगा अतिक्रमण

- एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य में जीटी रोड से कब्जे हटाए जाएंगे। बीते वर्ष सितंबर माह में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की टीम ने सर्वे के बाद पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिया था कि प्रस्तावित एलिवेटेड रोड की डिजाइन में नीचे सरकारी जमीन के किनारे जो भी मकान-दुकान आएंगे, उन्हें हटाया जाएगा। सरकारी जमीन पर जो भी कब्जे हैं, उनको चिह्नित करें और हटाएं।

गोल चौराहा से आईआईटी तक सिक्सलेन भी

- गोल चौराहा से आईआईटी तक जीटी रोड को सिक्सलेन करने की परियोजना का भी सर्वे हो चुका है। हालांकि अभी इसे मंजूरी नहीं मिली है। यह काम स्वीकृत होने पर रामादेवी से आईआईटी तक 21 किमी जीटी रोड पर जाम की समस्या पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। अभी गोल चौराहा से रामादेवी तक 10 किमी से ज्यादा लंबे मार्ग पर व्यस्त समय में औसतन डेढ़ घंटे समय लग जाता है। इस रास्ते पर टाटमिल, झकरकटी बस अड्डा, अफीम कोठी चौराहा, जरीब चौकी, गुमटी क्रासिंग, कोकाकोला क्रासिंग पर लोगों को सर्वाधिक जाम का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा जीटी रोड पर जगह-जगह बनाए गए कट भी वाहन सवारों का रास्ता रोकते हैं।

राजरतन समूह के 11 ठिकानों पर आयकर छापा, टैक्स चोरी की जांच

अफसरों की 12 टीमों ने खंगाले अभिलेख, छापे में 70 से अधिक अधिकारी शामिल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आयकर की टीम की ओर से बुधवार को राजरतन समूह के 11 ठिकानों पर छापेमारी की गई। आयकर विभाग की 12 टीमें कर्रवाई में रहीं। जिनमें लगभग 70 अधिकारी शामिल रहे। छापेमारी में अभिलेखों के साथ ही टीम की ओर से इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के भी खंगालने की बात सामने आ रही है।

आयकर विभाग की टीम की ओर से दोपहर में एक साथ समूह के 11 ठिकानों में छापेमारी की। इनमें नयागंज, दालमंडी, गुमटी, स्वरूप नगर, पीरोड, लाल बंगला शामिल हैं। इन स्थानों में समूह के शोरूम और कार्यालय मौजूद हैं। यह समूह कपड़ों के साथ ही रियल एस्टेट और डिटर्जेंट पाउडर और साबुन का भी कारोबार करता है। सूत्रों के अनुसार छापेमारी के

राजरतन के शोरूम के बाहर मौजूद फोर्स। अमृत विचार

दौरान कार्यालयों में कड़ी सुरक्षा बरती गई। किसी को भी कार्यालय व शोरूम के भीतर व बाहर आने नहीं दिया गया। अधिकारियों की ओर से इन स्थानों में बिल, स्टॉक रजिस्टर, बैंक लेनदेन सहित अन्य भुगतान का ब्योरा खंगाला गया। अधिकारियों की ओर से समूह के अधिकारियों से पूछताछ भी की गई। इस पूछताछ में आय व व्यय के साथ ही स्टॉक के बारे में सवाल किए गए। उधर टीम की ओर से कार्यालयों में डिजिटल डिवाइस को भी परखा गया। छापेमारी में शहर के साथ ही उन्नाव में भी कार्यालयों को जद में लिया गया। फिलहाल कार्रवाई के दौरान करअपवंचना की पुष्टि नहीं हो सकी है।

मधुरम स्वीट्स पर एसजीएसटी की छापेमारी

- **कानपुर।** कल्याणपुर स्थित मधुरम स्वीट्स में राज्य कर विभाग की टीम ने छापेमारी की। अधिकारियों ने रॉ मटेरियल और पक्के बिलों में अंतर पाया है। सूत्रों के मुताबिक कच्चे माल की मात्रा बिलों में दर्शाई गयी खरीद से कहीं अधिक पायी गयी। वहीं, फर्म द्वारा दूसरी संबंधित इकाई को माल सप्लाई किये जाने की बात सामने आयी है, लेकिन मौके पर उस सप्लाई से जुड़े कोई वैध इनवॉइस अधिकारियों को नहीं मिले। एसजीएसटी की टीम इलेक्ट्रॉनिक डाटा की गहन जांच कर रही है। कंप्यूटर, बिलिंग सॉफ्टवेयर और अन्य डिजिटल अभिलेख खंगाले जा रहे हैं।

जहर खाकर पिता से कहा बाय-बाय, मैं जा रहा हूं...

- सेवानिवृत्त सीबीसीआईडी इंस्पेक्टर के एकलौते बेटे ने की आत्महत्या
- नौकरी न लगने व तीन माह पहले मां की मौत से तनाव में था युवक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बाय-बाय, मैं जा रहा हूं, मां बुला रही है। चकेरी में यह कहते हुए जीने में लड़खड़ाए युवक ने बताया कि उसने जहर खा लिया है। परिजन तत्काल कांशीराम ट्रामा सेंटर ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत बता दिया। सीबीसीआईडी से इंस्पेक्टर के पद से सेवानिवृत्त पिता के अनुसार तीन माह पहले मां की मौत और नौकरी न लगने से बेटा दुखी था। 300 रुपये मोबाइल रिचार्ज के लिए लिया था, लेकिन जहर लाकर खा लिया। एकलौते बेटे की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

अमर सिंह। अमृत विचार

चकेरी के घाऊखेड़ा निवासी मुन्नीलाल सिंह सीबीसीआईडी में इंस्पेक्टर थे, तीन साल पहले सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि बीती नवंबर माह में पत्नी मायादेवी की मौत हो गई थी। बेटी मीनू की शादी हो चुकी है। परिवार में एकलौता बेटा 38 वर्षीय अमर सिंह, बहू नेहा व पौत्री कृतिका है। मुन्नीलाल के अनुसार अमर ने बी-फार्मा किया था, लेकिन नौकरी नहीं लगी। बेटे ने साथियों के साथ मिलकर नौकरी के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसकी जल्द सुनवाई होनी है।

बेरोजगार होने के कारण उसने फूड डिलीवरी का काम शुरू किया था। नौकरी की चिंता इसी बीच मां की मौत के कारण वह करीब तीन माह से बहुत तनाव में रह रहा था। शराब भी पीने लगा था। पिता ने बताया कि मंगलवार सुबह बेटे ने उनसे कहा कि बिजली का बिल ठीक नहीं आया है। सब स्टेशन जाकर ठीक कराउंगा उसके बाद जमा करना। इसके बाद उसने कहा कि उसका मोबाइल रिचार्ज नहीं है। उसने रिचार्ज के लिए 300 रुपये लिए और चला गया।

दोपहर बाद घर लौटा और छत पर चला गया। कुछ देर बाद उसे सीढ़ियों से उतरते दिखा। लड़खड़ाते हुए कहा कि बाय-बाय, अब मैं जा रहा हूं, मां बुला रही है। परिजन आनन-फानन में अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने मृत बता दिया। चकेरी थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि परिजनों ने बताया कि मां की मौत के बाद से युवक को परेशान होने की बात बताई है। तनाव के चलते युवक ने जहरीला पदार्थ खाया है।

युवक की मौत पर शव रखकर हंगामा

कानपुर। गुजैनी में युवक की अस्पताल में मौत के बाद परिजनों ने इलाके की एक महिला के घर के बाहर शव रखकर हंगामा किया। आरोप लगाया कि महिला की इलाज में लापरवाही से उसकी हालत बिगड़ी और जान गई। पुलिस ने परिजनों को शांत कराकर शव पोस्टमार्टम भेजा।

सड़क पर शव रखकर हंगामा करते परिजन। अमृत विचार

गुजैनी निवासी लाली गौतम के अनुसार 45 वर्षीय उनका भाई विष्णु गौतम अविवाहित था और लंबे समय से टीबी की बीमारी से पीड़ित था। आरोप है कि वह करीब छह साल से इलाके में रहने वाली एक महिला के घर पर रह रहा था। परिजनों के अनुसार विष्णु ने मकान बेचा था, जिससे उसे करीब 3.6 लाख रुपये मिले थे। आरोप है कि उसी पैसों के लालच में महिला ने उसे अपने पास रखा था। दो दिन पहले विष्णु की हालत बिगड़ने पर महिला ने उसे मुरारीलाल चेस्ट हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां बुधवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल से शव लेकर आए परिजन महिला के घर के बाहर रखकर हंगामा करना शुरू कर दिया। रुपये हड़पने का आरोप लगाया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने किसी तरह लोगों को शांत कराया। थाना प्रभारी रिकेश कुमार सिंह ने बताया कि समझाने के बाद परिजन माने और शव पोस्टमार्टम भेजा गया है।

बैक लगने पर ग्यारहवीं की छात्रा ने दे दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर में ग्यारहवीं की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। परिजनों के अनुसार दो विषय में छात्रा की बैक लगी थी। जिसका 26 व 28 फरवरी को रीपेपर था। इसी तनाव में छात्रा ने यह कदम उठाया है।

वर्शालीधर।

मकड़ीखेड़ा के चेतनविहार निवासी सुनील कुमार धर पीडब्ल्यूडी एनएच में ड्राइवर हैं। परिवार में पत्नी सुषमा, 16 वर्षीय बेटी वर्शालीधर व बेटा निवेदन है। पिता ने बताया कि वर्शाली मरियमपुर स्कूल से ग्यारहवीं की छात्रा थी। अर्थशास्त्र व गणित में उसके कम नंबर आए थे, जिसका रीपेपर होना था। बेटी उसी की तैयारी में लगी थी, इसलिए अलग कमरे में देर रात तक पढ़ाई करती थी। उन्होंने बताया कि बुधवार सुबह वह रोज की तरह गंगा स्नान के लिए गंगाबैराज स्थित अटल घाट गए थे। पत्नी बेटे को स्कूल छोड़ने वुडवाइन स्कूल गई थीं। वहां से लौटने के बाद बेटी को जगाने उसके कमरे में गई तो पंखे के कुंडे से दुपट्टे के सहारे उसका शव लटका देखकर चीख पड़ी। आवास सुनकर वह कमरे में पहुंचे, लेकिन बेटी का शरीर ठंडा पड़ चुका था।

ट्रैक किनारे मिला शव, हत्या का आरोप

- मोबाइल स्विचऑफ बताने पर तलाश में जुटे परिजनों को शव मिलने का पता चला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पनकी में फैक्ट्री के लिए घर से निकले युवक का दूसरे दिन रेलवे लाइन किनारे शव मिला। मां से फोन पर बात हुई, उसके बाद मोबाइल स्विचऑफ बताने लगा। चौकी पहुंचने पर पुलिस ने फोटो दिखाकर शव की शिनाख्त कराई तो कोहराम मच गया। युवक का मोबाइल व बाइक का पता नहीं है। परिजनों ने हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया है।

पनका के बहादुरनगर निवासी स्व. केशव सविता का 22 वर्षीय बेटा कृष्णा पनकी स्थित फैक्ट्री में नौकरी करता था। परिवार में मां सुनीता, भाई रामजी व श्यामजी और एक शादीशुदा बहन कामिनी है। रामजी ने बताया कि कृष्णा सोमवार सुबह बाइक से ड्यूटी के लिए निकला था। देर शाम तक उसके वापस न आने पर रात सवा दस बजे मां ने उसे फोन किया। घर न आने का कारण पूछा। इस पर उसने बताया कि नाइट ड्यूटी कर रहे हैं। जब कृष्णा मंगलवार सुबह तक घर नहीं आया तो मां ने फिर फोन किया। इस पर उसका मोबाइल स्विचऑफ मिला। वहीं दोनों भाइयों को जब पता चला कि कृष्णा सोमवार से घर नहीं आया है तो वह भी अपने मित्रों के साथ उसे खोजने निकले।

कृष्णा।

मोबाइल व बाइक का पता नहीं

- रामजी के अनुसार कृष्णा का मोबाइल व उसकी बाइक दोनों उसे नहीं मिले हैं। न ही इस बारे में पुलिस ने उन्हें जानकारी दी। अगर वह हादसे का शिकार हुआ होता तो बाइक मौके पर मिलनी चाहिए। उसने बताया कि कृष्णा के सिर व दाएं गाल से गर्दन तक कटा व फटा है। पीठ व कमर पर रगड़ के साथ कटे का निशान हैं।

मंगलवार शाम को उसकी तलाश करते हुए एलएमएल चौकी पहुंचे। घटना का पता चलने पर चौकी इंचार्ज ने भाइयों को दादानगर रेलवे लाइन के किनारे मिले शव की फोटो दिखाई तो उन्होंने कृष्णा के रूप में पहचान की। परिजनों ने रंजिश, होने से मना किया।

समस्या — कूड़ों के अंबार पर बैठे रहते दर्जनों आवारा जानवर, रमजान में टूटी सड़कों से होकर गुजरते हैं रोजेदार

रेलबाजार-फेथफुलगंज में कई दिन नहीं उठता कूड़ा

रेल-बाजार में सड़कों पर कूड़ों का ढेर। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रमजान-उल-मुबारक के महीने में हर मुसलमान पाक व साफ रहना चाहता है लेकिन फेथफुलगंज और रेलबाजार में गंदगी के ढेर लगे हैं। यहां रोजाना कूड़ा नहीं उठाया जाता है जिससे कूड़े के पास ही दर्जनों आवारा जानवर बैठे रहते हैं।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन से रेलबाजार जाने वाले मुख्य मार्ग पर कूड़े का कंटेनर कूड़ों से भरा पड़ा है। यहां कूड़ा अधिक होने के कारण काफी कूड़ा सड़क पर बिखरा हुआ है और इसी कूड़े में आवारा जानवर बैठे थे। इसी प्रकार पुलिस चौकी के पीछे सड़क पर ही कूड़े का अंबार लगा हुआ है, यहीं सड़क भी टूटी हुई है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है शिकायत पर सुनवाई नहीं होती।

क्या बोले क्षेत्रीय लोग

कई कई दिन कूड़ा नहीं उठता है, कई बार कूड़ा उठाने की गुहार लगाई गई लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। चौबीस घंटे इसी कूड़े के अंदर बड़ी संख्या में आवारा जानवर बैठे रहते हैं और क्षेत्र में गंदगी फैली रहती है।

-फैसल

कूड़े के अंबार में कुत्ते खाना तलाशते रहते हैं और इस चक्कर में कूड़ा फैला देते हैं। मक्खियों और मच्छर ने पूरे क्षेत्र को अपना निशाना बना रखा है। रात मे सोना दूभर है, गंदगी के कारण लोगों ने इस रास्ते से चलना छोड़ दिया है।

-राहुल

कूड़ाघर की दुर्गंध से रमजान के महीने में लोग परेशान हैं। हालांकि कैंट विधायक रुमी हसन टूटे कूड़ाघर का जीर्णोद्धार करा रहे हैं, सड़क भी टूटी हुई है जिससे रात के अंधेरे में मस्जिद तक पहुंचने में दिक्कत होती है।

-शेखू

कई वर्षों से गंदगी की समस्या है। फेथफुलगंज के कई क्षेत्रों में गंदगी रहती है, स्टेशन का कूड़ा भी यहीं पड़ता है जिससे गंदगी फैली रहती है। गर्मी के दिनों में यहां इतनी ज्यादा दुर्गंध रहती है कि इस मार्ग से निकलना दूभर है।

-अवधेश

महिला दुकानदार से अभद्रता, वीडियो वायरल

कानपुर। कल्याणपुर में चाय की दुकान चलाने वाली एक महिला के साथ इलाके के युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर गाली-गलौज और धक्का-मुक्की करते हुए अभद्रता की। घटना के कई वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे हैं,जिनमें युवक का उग्र व्यवहार साफ दिखाई दे रहा है।वही पीड़ित महिला ने थाने में तहरीर भी दी है। पुलिस ने जांच के आधार पर कार्यवाही की बात कही है। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी युवक और उसके साथी अक्सर नशेबाजी करते हैं और दुकानों से मुफ्त में सामान मांगते रहते हैं। मंगलवार रात सामने स्थित एक ढाबे में शराब पीने के बाद आरोपी युवक नशे की हालत में महिला की दुकान पर पहुंचा और गाली-गलौज शुरू कर दी। महिला के विरोध पर आरोपी ने धक्का-मुक्की व अभद्र हरकतें कीं। मौजूद लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन युवक और उसके साथी हंगामा करते रहे।

इंटक के प्रदेश मंत्री उमेश कुमार का स्वागत करते क्षेत्रीय निदेशक केसी झा।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने 75 वां स्थापना दिवस मनाया

कानपुर। कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने अपने क्षेत्रीय कार्यालय में अपना 75 वां स्थापना दिवस मनाया जिसमें निगम की सेवा पर विचार रखे गये।

केंद्रीय श्रम आयुक्त केंद्रीय गौतम झा, अपर केंद्रीय भविष्यनिधि आयुक्त के सी झा, क्षेत्रीय निदेशक कर्मचारी राज्य बीमा निगम उत्तर प्रदेश संजय कुमार, संयुक्त निदेशक ईएसआईसी एवं राकेश रंजन सहायक निदेशक एनसीडीए द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि विशाल कुमार खरे उप मुख्य श्रम आयुक्त ने विचार रखे। अपर निदेशक केसी झा ने कहा कि ईएसआईसी निरंतर आधुनिक तकनीक एवं पारदर्शी सेवाओं के माध्यम से लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं एवं व्यापक सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उद्यमी बलराम नरूला एवं राष्ट्र मजदूर कांग्रेस उत्तर प्रदेश के सचिव उमेश शुक्ला एवं बीएम यस के महामंत्री अनिल उपाध्याय एवं आरके शुक्ला सेवानिवृत अपर आयुक्त को शाल एवं पुष्प देकर कर्मचारी राज्य बीमा निगम के निदेशक कैसी ध्यान द्वारा सम्मानित किया गया।

सिटी ब्रीफ

सिग्नलिंग कार्य के चलते कई ट्रेनें बदले रूट से चलीं

कानपुर। लखनऊ मंडल के ब्लॉक हट बी-वैस नगर-काशी स्टेशनों के बीच स्वचालित सिग्नलिंग कार्य के कारण कानपुर समेत कई रूटों से होते हुए कई गाड़ियां चलाई गईं। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि बुधवार को गाड़ी संख्या 19045 ताप्ती एक्सप्रेस वाराणसी, जाफराबाद, जौनपुर के बजाए भीमसेन, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर होते चली। गाड़ी संख्या 18201 दुर्ग एक्सप्रेस भी इसी रुट बदले रुट से चलाई गई। गाड़ी संख्या 13240 कोटा पटना एक्सप्रेस कानपुर, प्रयागराज, चुनार होते हुए चलाई गईं।

एनएसयूआई को जमीनी स्तर पर मजबूत करेंगे

कानपुर। कृषि छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के नेता सौरभ सौजन्य ने नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ से दिल्ली में भेंट की और छात्र राजनीति, युवाओं के मुद्दों और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती देने पर रणनीति बनाई गई। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य छात्रों के अधिकारों की रक्षा करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है, जिसमें सभी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इसके लिए संगठन को आगे आना होगा। सौरभ सौजन्य ने संगठन के विस्तार और छात्र-हितैषी नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

अभी तक 'पल्सर' की दूरी का अंदाजा लगाना अंधेरे में तीर चलाने के जैसा था, अब होगी आसानी

ब्रह्मांड की दूरी मापने का भारतीय वैज्ञानिकों ने खोजा नया तरीका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। घने कोहरे वाली सड़क पर कार चलाना कितना मुश्किल है, आपकी कार की लाइट ही धुंध के कणों के कारण वापस लौटती प्रतीत होती है। ऐसे में सामने से आ रही गाड़ी की हेडलाइट कितनी दूर है, इसका अंदाजा लगाना कठिन हो जाता है। अंतरिक्ष में भी जब वैज्ञानिक 'पल्सर' जैसे तारों को देखते हैं, तो ठीक इसी तरह की मुश्किल आती है। आईआईटी कानपुर के भौतिकी विभाग तथा स्पेस, प्लैनेटरी एंड एस्ट्रोनॉमिकल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग (स्पेस) इकाई और नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स पुणे के खगोल वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष के इन 'लाइटहाउस' की सटीक दूरी मापने का तरीका खोज निकाला है। इस भारतीय शोध ने खगोलीय समस्या का सरल समाधान दिखा दिया है।

अंतरिक्ष में कुछ ऐसे 'लाइटहाउस' हैं जो एक सेकेंड में दर्जनों बार चमकते हैं। इन्हें ही 'पल्सर' कहते हैं। अभी तक वैज्ञानिकों के लिए यह बताना मुश्किल था कि कोई पल्सर हमसे कितना दूर है। इसका सटीक समाधान निकालने के लिए आईआईटी के शोधकर्ताओं ने तरंगों के बिखराव और समयावधि जैसे दो प्रमुख तथ्यों का विश्लेषण किया। जैसे कोहरे में लाइट फैल जाती है, वैसे ही अंतरिक्ष के मुक्त इलेक्ट्रॉनों (धूल के कणों) के कारण पल्सर की रेडियो तरंगें भी फैल जाती हैं, इसे तरंगों का बिखराव कहते हैं। इसी तरह जैसे ट्रैफिक ज्यादा होने पर गाड़ी की रफ्तार धीमी हो जाती है, वैसे ही ये तरंगें इलेक्ट्रॉनों से टकराकर पृथ्वी तक पहुंचने में थोड़ा समय लेती हैं। इसी समयावधि का अध्ययन किया गया। वैज्ञानिकों ने इन दोनों चीजों तरंगों के बिखराव और समयावधि को आपस में जोड़ दिया। उन्होंने पता लगाया कि अगर तरंग इतनी 'धुंधली' है और इतनी 'देर' से पहुंची है, तो वह कितनी दूर से आ रही होगी।

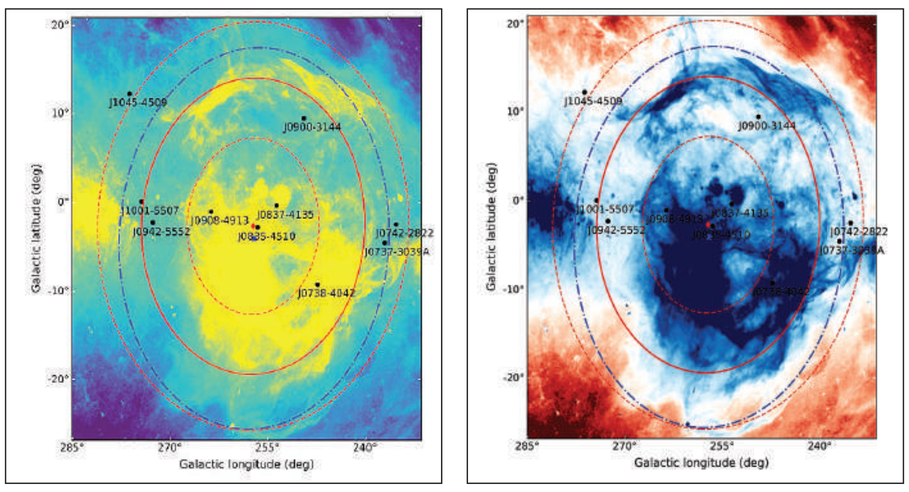

खगोल विज्ञान की सबसे बड़ी चुनौती का मिला समाधान

- आवधिक रेडियो तरंगें उत्सर्जित करने वाले तारों जैसे पल्सर की दूरी मापने वाले नई और प्रभावी शोध को आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के प्रतिष्ठित जर्नल मंथली नोटिसेज आफ द रायल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी में प्रकाशित किया गया है। इस अध्ययन को डॉ. आशीष कुमार (वर्तमान में एनसीआरए पुणे में), प्रो. अविनाश ए. देशपांडे और प्रो. पंकज जैन (आईआईटी कानपुर) ने संयुक्त रूप से किया है। खगोल वैज्ञानिकों के अनुसार तारों की सही दूरी मापना खगोल विज्ञान की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। आकाश में किसी तारे की दिशा ज्ञात करना अपेक्षाकृत सरल है, लेकिन उसकी वास्तविक दूरी निर्धारित करना कठिन होता है। दूरी मापने का सबसे विश्वसनीय तरीका त्रिकोणमितीय पैरालैक्स है, किंतु यह केवल निकटवर्ती तारों पर ही प्रभावी रूप से लागू होता है। अन्य विधियों, जैसे न्यूट्रल हाइड्रोजन आधारित तकनीकों में त्रुटि की संभावना ज्यादा रहती है। शोधकर्ताओं ने नई तकनीक आकाशगंगा के दक्षिणी भाग में स्थित विशाल गैसीय क्षेत्र गम नीहारिका की दिशा में मौजूद पल्सरों पर लागू कर दिखाई है। यह विधि उन सैकड़ों ज्ञात पल्सरों पर भी लागू की जा सकती है, जिनके प्रेक्षणीय आंकड़े पहले से उपलब्ध हैं।

क्या होते हैं पल्सर?

- पल्सर वास्तव में मरे हुए विशाल तारों के अवशेष होते हैं, जो काफी तेजी से घूमते हैं। इनसे रेडियो तरंगें निकलती हैं जो पृथ्वी तक 'टिक-टिक' की आवाज की तरह पहुंचती हैं। इसीलिए इन्हें अंतरिक्ष का 'लाइटहाउस' कहा जाता है। माना जाता है कि पल्सर इतने घने होते हैं कि उनके एक चम्मच पदार्थ का वजन किसी बड़े पहाड़ जितना हो सकता है।

यह खोज क्यों है खास

- इससे हमारी आकाशगंगा का सटीक 3-डी नक्शा तैयार करने में मदद मिलेगी।
- पल्सर की सही दूरी पता होने से गुरुत्वाकर्षण तरंगों और ब्लैक होल के बारे में बेहतर जानकारी मिलेगी।
- इस पद्धति के व्यापक उपयोग से आकाशगंगा के इलेक्ट्रॉन घनत्व मॉडल अधिक सटीक बनाए जा सकेंगे।
- पल्सरों की वास्तविक गति, स्थिति और रेडियो चमक का बेहतर अनुमान संभव होगा।
- यह तरीका बाह्य-आकाशगंगीय तीव्र रेडियो फ्लैश जैसे फास्ट रेडियो बर्स्ट की दूरी और उनके परिवेश को समझने में भी सहायक सिद्ध होगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मिले बागी पार्षद। अमृत विचार

चौधरी से फिर आश्वासन की पोटली लेकर लौटे

विशेष संवाददाता

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से फिर मिले पांच पार्षद, कहा 60 दिन पहले जहां था मामला, अभी भी वहीं है
- न तो निष्काषन वापस हुआ और न ही उनके वार्ड क्षेत्र में काम हो रहे

कानपुर। महापौर प्रमिला पांडे और उनके बेटे बंटी के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले छह में पांच पार्षदों ने बुधवार को फिर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से मुलाकात कर अपनी मांगें दोहराईं। ये पार्षद लखनऊ में पंकज चौधरी से मिले और बताया कि जब आपसे दिल्ली में मुलाकात हुई थी तो आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ। अब सब्र का बांध टूट रहा है। चौधरी ने फिर आश्वासन दिया कि विवाद खत्म कराएंगे और किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होने दिया जाएगा।

चौधरी ने यह भी कहा कि इस बाबत वह विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से भी बात करेंगे और होली से पहले हल निकल आएगा। गौरतलब है कि दो महीने पहले नगर निगम सदन की बैठक के दौरान इन पार्षदों ने विकास कार्यों में मनमानी का आरोप लगाकर हंगामा किया था और इसके बाद दो पार्षदों को अगली दो बैठकों के लिए निष्काषित कर दिया गया था। तब से भाजपा के छह पार्षदों ने मेयर के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है।

अब तक वे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह सहित कई बड़े नेताओं से मिल चुके हैं। बुधवार को चौधरी से फिर गुहार लगाने वाले पार्षद पवन गुप्ता, विकास जायसवाल, लक्ष्मी कोरी, आलोक पांडे मौजूद रहे।

नवीन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक लेते डीएम। अमृत विचार

होली पर सभी डॉक्टर ड्यूटी पर रहें मुस्तैद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सभी चिकित्सा अधीक्षकों को स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश

अमृत विचार। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सभी सरकारी हॉस्पिटल के जिम्मेदारों को निर्देशित किया है कि होली पर्व को देखते हुए सभी हॉस्पिटल में डॉक्टरों एवं स्टाफ रहना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत जेके कैंसर इंस्टीट्यूट और कार्डियोलॉजी विभाग में जन औषधि केंद्र खोले जाने के प्रस्ताव को बैठक में सर्वसम्मति से संस्तुति प्रदान की गई।

बुधवार को सरसैयाघाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई जिसमें जिलाधिकारी ने समस्त नगरीय स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पतालों में चिकित्सकों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान यदि किसी भी केंद्र पर चिकित्सक या स्टाफ अनुपस्थित मिला तो कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। सभी चिकित्सा अधीक्षकों को भी पूर्ण स्टाफ उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

डीएम ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा की। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा में नगरीय इकाइयों में वैक्सीनेशन उपलब्धि बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी हरि दत्त नेमी सहित समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे जबकि संबंधित एमओआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

चकेरी में दुकान व क्लिनिक में चोरी

कानपुर। चकेरी चौकी से 200 मीटर की दूरी पर अंकित साड़ी और शगुन डेंटल क्लिनिक में चोरी हो गई। कैमरे में एक आरोपी कैद हुआ है। स्वरूप नगर निवासी अंकित गुप्ता की लाल बंगला में अंकित साड़ी दुकान है। बुधवार सुबह 11 बजे जब वह दुकान पहुंचे तो सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। कैश काउंटर भी खुला पड़ा हुआ था। चोर कैश काउंटर में रखा 1.75 लाख लेकर फरार हो गए. ऐसे ही चोरों ने बगल की शकुन डेंटल क्लीनिक में भी दाखिल होकर करीब गुल्लक से 12 हजार रुपये पार कर दिए। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि एक शातिर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। जो हाथ में कुछ सामान लिए नजर आ रहा है।

शंकराचार्य के समर्थन में सड़कों पर उतरे कांग्रेसी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कहा, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर लगाया मुकदमा झूठा

अमृत विचार। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के ऊपर लगाए गए मुकदमे को झूठा और द्वेषपूर्ण बताते हुए कानपुर महानगर कांग्रेस ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। शंकराचार्य पर अत्याचार बंद करो के नारे लगाए।

कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुवाई में कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन अधिकारी को सौंपा। महानगर अध्यक्ष ने शंकराचार्य के खिलाफ दर्ज मुकदमों को आधारहीन और फर्जी बताते हुए एसआईटी से निष्पक्ष जांच की मांग की। हरीश बाजपेई, सैमुअल सिंह लकी, अजय श्रीवास्तव शीलू, पदम मोहन मिश्रा, राम शंकर राय, रमा कांत मिश्रा, राकेश साहू, मुकेश दुबे, रवि तिवारी, राज किशोर वर्मा, मालिक अहमददुल्ला, मनोज दुबे, नीरज पांडे, आसिफ इकबाल आदि थे। दूसरी ओर कानपुर नगर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला की अगुवाई में भी डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में कांग्रेसी हाथों में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के बड़े बड़े पोस्टर लिए हुए थे, कुछ कांग्रेसी घंटा घड़ियाल शंख लेकर पहुंचे और बजाना शुरू कर दिया। उमेश दीक्षित, आनंद वर्मा, सतीश दीक्षित, इख़लाक अहमद डेविड, तुफैल अहमद, अमित शुक्ला मोनू, राजीव द्विवेदी, बाबू राम सोनकर, राजलक्ष्मी, देवी प्रसाद निषाद, ममता तिवारी, वीरेंद्र चतुर्वेदी, चंद्रमौली बाजपेई, मनोज दुबे आदि मौजूद रहे।

शंकराचार्य के मुद्दे पर कांग्रेसियों ने किया जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन। घंटा-घड़ियाल लेकर नारेबाजी की। अमृत विचार

तहसील में धूल खाते मिले बस्ते, डीएम नाराज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सीसीटीवी फुटेज 20 दिन तक सुरक्षित रखने के निर्देश
- जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा

अमृत विचार। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने तहसील सदर के अभिलेखागार का निरीक्षण किया तो बस्तों पर धूल जमी मिली जबकि अभिलेखागार में गंदगी फैली हुई थी जिसपर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने के साथ ही सीसीटीवी फुटेज 20 दिनों तक सुरक्षित रखने और अनुशासन नियम प्रदर्शित करने के निर्देश दिये।

बुधवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने तहसील सदर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण की शुरुआत कलेक्ट्रेट स्थित अभिलेखागार से की गई। यहां सात सीसीटीवी कैमरे लगे पाए गए जिसपर उन्होंने निर्देशित किया कि सभी कैमरों की रिकॉर्डिंग न्यूनतम 20 दिन तक सुरक्षित रखी जाए और उसकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो। इस अवसर पर एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ. विवेक चतुर्वेदी, प्रभारी एडीएम सिटी आलोक कुमार गुप्ता, तहसीलदार विनय द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी को अभिलेखागार में बस्तों पर धूल जमी मिली जिसपर वे नाराज हुए और संबंधित आरआरके से स्पष्टीकरण तलब किया। जमुई ग्राम पंचायत की खतौनियों की जांच की। अधिष्ठान संबंधी अभिलेख, कृषक दुर्घटना योजना तथा निर्वाचन से संबंधित अभिलेखों की भी समीक्षा की। तहसीलदार न्यायालय, महाराजपुर सभागार तथा शौचालय की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने अधिवक्ताओं एवं आमजन से संवाद कर तहसील की कार्यप्रणाली के संबंध में फीडबैक भी लिया और लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

चकबन्दी ग्राम चौपाल की संशोधित तिथियां जारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ग्रामों में व्यापक प्रचार-प्रसार के उपरांत जनपद में उप संचालक चकबन्दी, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी एवं चकबन्दी अधिकारियों द्वारा 23 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 के मध्य विभिन्न ग्रामों में ग्राम चौपाल आयोजित किए जाने के लिए पूर्व निर्धारित कार्यक्रम को संशोधित किया गया है।

बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी मोहम्मद असलम ने बताया कि चकबन्दी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार चकबन्दी प्रक्रिया के अंतर्गत संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 26 फरवरी को चकबन्दी अधिकारी बिल्हौर एवं बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, कानपुर नगर की संयुक्त उपस्थिति में ग्राम कीरतपुर में प्रातः 11 बजे से पंचायत भवन में ग्राम चौपाल आयोजित की जाएगी।

राजनीति

शंकराचार्य का सम्मान होना चाहिए लेकिन सरकार अपमानित कर रही

डिप्टी सीएम को कुर्सी छोड़ देनी चाहिए : अखिलेश यादव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर।

अमृत विचार। बटुक हमारे पूजनीय हैं, उनकी चोटी पकड़कर अपमानित किया गया। डिप्टी सीएम ने कहा कि उन्हें महापाप पड़ेगा, लेकिन डिप्टी सीएम की चलती ही नहीं है, ये किसी लायक नहीं। ऐसे डिप्टी सीएम को कुर्सी छोड़ देनी चाहिए। शंकराचार्य का सम्मान होना चाहिए, लेकिन सरकार उनको अपमानित करने में लगी है। यह सरकार का लोकतांत्रिक व्यवहार नहीं हो सकता। यह बात बुधवार को यहां एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने आए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेशवरानंद विवाद में सरकार को घेरते हुए कही।

अखिलेश यादव का कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। अमृत विचार

सपा प्रमुख ने पत्रकारों से बात करते हुए एसआईआर को लेकर कहा कि उन्नाव में 3 लाख से ज्यादा लोगों को नोटिस दिया गया। भाजपा के लोग तो एनआरसी लाकर मुस्लिमों से कागज ढुंढ़वा रहे थे। लेकिन एसआईआर के बाद तो हिंदू भाई ही कागज खोजने में जुटे हैं, क्योंकि अगर आप भारत के नागरिक है तो वोटर हैं और अगर वोटर हैं तो भारत के नागरिक हैं।

कानपुर के विकास के लिए नई सरकार बनाएं: सीएम योगी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिंगापुर देख आए हैं। अब कानपुर को खोदकर सिंगापुर बनाएंगे। जापान में एमओयू साइन कर रहे हैं। कहीं मुख्यमंत्री जी जापान जिसका एक नाम निप्पॉन है, को बदलकर उगते हुए सूरज का पर्यायवाची आदित्यपुर या आदित्यपुरम करके न आ जाएं। उन्होंने कहा कि आइए, हम आप मिलकर नई सरकार बनाएं, कानपुर का विकास करें, सड़कों पर आवारा पशु न घूमें और यूपी की अर्थव्यवस्था में कानपुर की साझेदारी हो। अभी तो गंगा भी गंदी हैं। समाजवादी सरकार बनने पर मां गंगा की सफाई के साथ वर्ल्ड क्लास और देखने में अच्छा लगे, ऐसा कानपुर बनाएंगे।

एआई समिट को लेकर भी कसा तंज : अखिलेश यादव ने कहा कि एआई को लेकर भाजपा ने कोई इकोसिस्टम तैयार नहीं किया। न ही कोई इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया। आयोजन में सब कुछ नकली चीजें दिखा रहे थे। जब आप दूसरे देश में बना रोबोट दिखाएंगे तो सवाल उठना स्वाभाविक है। नाराजगी भी स्वाभाविक है, लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि यह सिक्योरिटी फेलियर है। अखिलेश यादव के साथ आई उनकी बेटी अदिति ने सीसामऊ से सपा विधायक नसीम सोलंकी के साथ स्वरूप नगर स्थित घंटाघर में एक रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया। इसके बाद अखिलेश, अदिति और नसीम के साथ 'मुन्ना समोसा' की दुकान भी पहुंचे।

अव्यवस्था की शिकार महिला फूट-फूट कर रोई

कानपुर में पुत्री के साथ पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश की सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस प्रशासन द्वारा अव्यवस्था इस कदर हुई कि अखिलेश यादव भी कार्यकर्ताओ की भीड़ में दबे दिखे। कार्यकर्ता धक्का मुक्की में गिरे तो पार्टी की महिला कार्यकर्ता के साथ अभ्रदता हुई। वह रोने लगी। रोती हुई महिला ने अखिलेश यादव की पुत्री से अपना दर्द बयां किया तो चलते चलते अखिलेश यादव ने महिला से मुखातिब होकर महिला को ढाढ़स बंधाया। अखिलेश यादव की कार के आगे कार्यकर्ता भीड़ की शक्ल में खड़े रहे जिनको हटाने में पुलिस नाकाम दिखी। ● मनोज तिवारी

सिटी ब्रीफ

टेबल टेनिस में वैभव पटेल रहे प्रथम

कानपुर। डॉ अंबेडकर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी का दिव्यांगजन कानपुर के खेलकूद कार्यक्रम आवेग के अंतिम दिन परिणाम जारी हुए। इनमें टेबल टेनिस बॉयज में वैभव पटेल प्रथम तथा विनोद कुमार द्वितीय स्थान पर रहे। टेबल टेनिस गर्ल्स में आफरीन प्रथम तथा मोनिका राठौड़ द्वितीय स्थान पर रही। बैडमिंटन बॉयज में विशाल कुमार प्रथम तथा आकाश शर्मा द्वितीय स्थान पर रहे बैडमिंटन गर्ल्स में श्रुति शुक्ला प्रथम तथा शिल्प मिश्रा द्वितीय स्थान पर रहे। इंडोर गेम्स में चेस बॉयज में अभिषेक कुमार प्रथम तथा अनुभव दीक्षित द्वितीय स्थान पर रहे। गर्ल्स में पायल प्रथम तथा मोनिका राठौर द्वितीय स्थान पर रही।

फसल अवशेष प्रबंधन बताया

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर फसल अवशेष प्रबंधन बताया गया। किसानों के बीच हुए कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा परली प्रबंधन, मिट्टी स्वास्थ्य प्रबंधन, रोग की प्रबंधन आदि विषयों पर चर्चा की गई। प्रगतिशील कृषक चरण सिंह ने किसानों को परली के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों से इसे अपनाने की अपील की। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने नवोन्मेषी कृषि यंत्र हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, मल्चर, बेलर आदि के उपयोग के लिए प्रेरित किया। किसानों ने कहा गया कि फसल अवशेष मिट्टी की सेहत को अच्छा करते हैं। इनका उपयोग जानकर प्रयोग करना चाहिए।

सिद्रा ने पूरा किया मां का सपना वैभव शहर में ही करेंगे प्रैक्टिस

कंपनी सचिव परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ, सफल होने वाले युवाओं में रहा उत्साह

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कंपनी सचिव परीक्षाओं का परीक्षा परिणाम बुधवार को जारी हुआ। दिसंबर महीने में हुई परीक्षा में ग्रुप वाइज परिणाम जारी हुए। इनमें प्रोफेशनल और एक्जिक्यूटिव दोनों ही शामिल रहे। प्रोफेशनल प्रोग्राम में मॉड्यूल वन का परीक्षा परिणाम 31.82 व मॉड्यूल टू का परीक्षा परिणाम 24.06 फीसदी रहा। एक्जिक्यूटिव प्रोग्राम में ग्रुप वन का 22 फीसदी व ग्रुप टू का परीक्षा परिणाम 23.05 फीसदी रहा। परीक्षा पास कर सीएस बनने वाले मेधावियों में सिद्रा ने अपनी बहन के साथ बेहतर प्रदर्शन कर अपनी मां का सपना पूरा किया। इसी तरह वैभव ने ठाना कि वे हमेशा शहर में ही रहकर अपनी प्रैक्टिस जारी रखेंगे।

परीक्षा परिणामों के बारे में पूर्व चेयरमैन कानपुर चैप्टर रीना जाखोदिया ने बताया कि प्रोफेशनल प्रोग्राम परीक्षा में शहर में 240 युवाओं ने परीक्षा दी थी। इनमें 67 युवा पास हुए। इनमें 35 युवा पहले मॉड्यूल व 18 युवा दूसरे मॉड्यूल में शामिल रहे।

इसी तरह एग्जिक्यूटिव में 502 युवा परीक्षा में बैठे जिनमें 113 युवा पास हुए। चेयरमैन कानपुर चैप्टर सीएस आशीष बंसल ने बताया कि अगली कंपनी सचिव परीक्षा प्रोफेशनल और एक्जिक्यूटिव प्रोग्राम 1 जून को आयोजित की जाएंगी।

पास होने के बाद खुशी का इजहार करतीं छात्राएं। अमृत विचार

सिद्रा जीशान और युसरा जीशान। अमृत विचार

दो बहनों ने मारी बाजी

- कंपनी सचिव परीक्षा में इस बार दो सगी बहनों ने एक साथ बाजी मारी है। उन्होंने बताया कि यह मुकाम हासिल कर अपनी मां शबनम परवीन का सपना पूरा किया है। परीक्षा में सीएस बनी सिद्रा जीशान और युसरा जीशान ने एक्जिक्यूटिव की परीक्षा पास की है। बांसमंडी में रहने वाली दोनो बहनों ने बताया कि उनके पिता जीशान व्यापारी हैं। उनकी मां का यह सपना था कि दोनों बहने सीएस बनकर अपने परिवार का नाम रौशन करें। वह सपना अब पूरा हो गया है। सिद्रा जॉब के बजाय खुद की प्रेक्टिस करेंगी।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

शहर में रहकर भी हो सकती तरक्की

सीएस बने वैभव गोकलानी ने बताया कि वे तरक्की के लिए शहर नहीं छोड़ सकते।

उन्होंने बताया कि उनका मानना है कि कानपुर में भी बड़े शहरों की ही तरह बहुत से अवसर हैं। जरूरी है उन अवसरों को पहचानने की। बर्रा निवासी वैभव अब शहर में ही रहकर नौकरी करेंगे। उनके पास जॉब ऑफर भी मौजूद हैं। उनका यह भी मानना है कि बड़े शहरों में भीड़ में खो जाने से बेहतर अपने शहर में ही नाम कमाया जाए। वैभव अपनी मां किरन गोकलानी के साथ रहते हैं। उनके पिता का देहांत 2018 में हुआ था। 2018 में ऑल इंडिया रैंकिंग 5 हासिल की थी।

मां के साथ तुषार। अमृत विचार

टॉपर बने तुषार

कंपनी सचिव परीक्षा में तुषार मिश्रा ने ऑल इंडिया 13वीं रैंक लाकर एक्जिक्यूटिव परीक्षा पास की है। शिवाला निवासी तुषार ने बताया कि उन्होंने इससे पहले एसएससी सीजीएल की भी परीक्षा दी थी। उन्होने बताया कि 2019 में वे सीए परीक्षा भी क्वालिफाई कर चुके हैं बावजूद इसके सीएस की ओर रुझान अधिक होने से वे इस ओर मुड़ गए। सीए परीक्षा का भी अनुभव उन्हें इस परीक्षा में मिला। यही वजह रही कि अपने पहले ही प्रयास में वे एक्जिक्यूटिव परीक्षा पास करने वाले बने। तुषार पिता अजय मिश्रा व मां कामिनी मिश्रा को आदर्श बताया है।

भाजपा कार्यालय में सांसद का स्वागत किया गया। अमृत विचार

एलीवेटेड ट्रैक स्वीकृत कराने पर सांसद का अभिनंदन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा रामादेवी चौराहा से गोल चौराहा तक प्रस्तावित एलिवेटेड ट्रैक परियोजना को 988.30 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिलने से शहर को जाम से बड़ी राहत मिलेगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति दिलाने पर भारतीय जनता पार्टी कानपुर उत्तर ने सांसद रमेश अवस्थी का किया भव्य अभिनंदन किया।

बुधवार को भाजपा कानपुर उत्तर जिला इकाई द्वारा नवीन मार्केट स्थित पार्टी कार्यालय में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित की अगुवाई में पुष्प वर्षा, माल्यार्पण एवं तिलक करके उनका स्वागत किया गया। एमएलसी सलिल विश्नोई, विधायक नीलिमा कटियार ने सांसद का आभार व्यक्त किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने भी विचार रखे। क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी, अनुराग शर्मा, अवधेश सोनकर, संतोष शुक्ला, जितेंद्र विश्वकर्मा, उमेश निगम, अभिनव दीक्षित, श्रीकृष्ण दीक्षित बड़े जी, शिवांग मिश्रा, राम लखन रावत, जन्मेजय सिंह, प्रमोद त्रिपाठी, आशा पाल, सतेंद्र पांडेय आनंद मिश्रा, रोहित साहू, सरदार रमिंदर सिंह आदि रहे।

बाबूपुरवा महेलिया मैदान में तरावीह मुकम्मल

कानपुर। रमजान उल मुबारक के पाक महीने में महेलिया मैदान बाबूपुरवा में तरावीह मुकम्मल होने पर शानदार और रूहानी प्रोग्राम किया गया। इस मुबारक मौके पर बड़ी तादाद में नमाजी मौजूद रहे। देर रात तरावीह की नमाज में मौलाना हाफिज तनवीर बिलाल कादरी ने कुरआन शरीफ सुनाने की सआदत हासिल की। नमाजियों ने अकीदत के साथ कलाम-ए-पाक सुना। मुअज्जिन की जिम्मेदारी सैयद आमिर रजा ने निभाई। शहरकाजी डॉ. यूनुस रजा ओवैसी एवं मुफ्ती इरफान मिस्बाही ने तकरीर की। मौलाना आसिफ इकबाल, सूफी लाल मोहम्मद, मुन्ना खान, उमर सलमानी, परवेज, फिरोज खान, गुड्डू मिस्त्री, कैंट विधायक रुमी हसन आदि थे।

एनकोष किसान एआई से खेतों तक पहुंचेगी स्मार्ट तकनीक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के छत्रपति शाहू जी महाराज इनोवेशन फाउंडेशन (सीएसजेएमआईएफ) और एग्रीटेक कंपनी एनकोष ने संयुक्त रूप से 'एनकोष किसान एआई' प्लेटफॉर्म की लांचिंग की है। बुधवार को सेंटर फॉर एकेडमिक में हुई लांचिंग के दौरान इसकी खासियतें बताई गईं। 11 भाषाओं में किसानों को सहायता देने वाला यह एप बोवाई से कटाई तक एआई आधारित मार्गदर्शन किसानों को देता है।

विश्वविद्यालय में हुई वार्ता के दौरान कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने बताया कि यह किसान-केंद्रित डिजिटल पहल खेत-स्तर पर त्वरित, सटीक और व्यवहारिक सलाह उपलब्ध कराने का दावा करता है। यह भी कहा कि यह संयुक्त पहल छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व मॉडल को मजबूत करती है। इस दौरान विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा, एन कोष के संस्थापक आशुतोष तिवारी, सीएसजेएम इनोवेशन फाउंडेशन से मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ दिव्यांश शुक्ला, प्रोग्राम ऑपरेशन मैनेजर प्रभाकर सिंह, इनक्यूबेशन मैनेजर अनिल त्रिपाठी, इनोवेशन ऑफिसर शैलेंद्र यादव मौजूद रहे।

जानकारी देते कुलपति प्रो. विनय पाठक, शैलेंद्र यादव, प्रोग्राम मैनेजर प्रभाकर सिंह, अनिल त्रिपाठी, प्रति कुलपति प्रो सुधीर अवस्थी आदि।

बोवाई से कटाई तक मार्गदर्शन

- यह एआई प्लेटफॉर्म फसल चयन, बीज बोवाई, उर्वरक एवं कीटनाशक की उचित मात्रा, रोग एवं कीट पहचान, मौसमी रणनीति और कटाई योजना तक संपूर्ण मार्गदर्शन देगा। इसके साथ ही मंडी भाव और बाजार अपडेट की सुविधा भी उपलब्ध होगी, जिससे किसान बेहतर मूल्य निर्धारण कर सकेंगे।

50 हजार आंकड़ों पर तैयार

- विशेषज्ञों ने बताया कि मॉडल को वास्तविक खेतों में परीक्षण और किसानों के फीडबैक के आधार पर विकसित किया गया है। डेयरी, बागवानी, फ्लोरिकल्चर और गार्डनिंग जैसे क्षेत्रों में भी इसके उपयोग की संभावनाएं हैं। इनमें 50 हजार किसानों के आंकड़े शामिल हैं। यह आंकड़े 35 से 45 वर्ष के किसानों से बातचीत के आधार पर 32 जिलों से शामिल किया गया है।

जल्द जुड़ेंगी उन्नत सुविधाएं

- डेवलपर्स के अनुसार आगामी चरण में व्हाट्सएप इंटीग्रेशन, वॉइस कॉल सपोर्ट, कैमरा आधारित फसल रोग पहचान, मिट्टी जांच इंटीग्रेशन और विशेषज्ञ एग्रोनॉमिस्ट परामर्श जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।

50 हजार किसानों तक पहुंचने का लक्ष्य

- एआई आधारित सटीक सलाह से खेती की लागत में 20 से 30 प्रतिशत तक कमी और उत्पादन में 15 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। प्रारंभिक चरण में 50 हजार से अधिक किसानों तक इस तकनीक को पहुंचाने की योजना है।

11 भाषा में सलाह

- यह भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। इससे विभिन्न राज्यों के किसान अपनी मातृभाषा में फसल प्रबंधन, उर्वरक उपयोग, रोग नियंत्रण और बाजार रणनीति जैसी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि भाषा बाधा हटने से तकनीक की पहुंच गांव-गांव तक सुनिश्चित होगी।

कानपुर जोन द्वितीय बना विजेता

कानपुर। राज्य कर विभाग के स्थापना दिवस पर बुधवार को जोन प्रथम व जोन द्वितीय की ओर से एक मैत्री किकेट मैच का आयोजन हुआ। ग्रीन पॉर्क स्टेडियम में हुए टी20 मैच की शुरुआत सांसद रमेश अवस्थी व मंडलायुक्त के विजयेन्द्र पाण्डियन व अपर आयुक्त ग्रेड वन सैमुअल पाल एन ने की। मैच में कानपुर जोन द्वितीय की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम ने 20 ओवर में 146 रन 5 विकेट पर बनाये। कानपुर जोन द्वितीय की ओर से दुर्गेश यादव ने सर्वाधिक 53 रन बनाये। धनंजय सिंह सहायक आयुक्त, जोन प्रथम द्वारा 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिये। 146 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कानपुर जोन प्रथम की टीम ने 20 ओवर में 118 रन 7 विकेट पर बनाये।

कानपुर जोन प्रथम की ओर से ओम गुप्ता ने 32 रन बनाये। कानपुर जोन द्वितीय के खिलाड़ी शोभित अग्रवाल ने 4 ओवर में 20 रन देकर के 2 विकेट लिए। इस प्रकार कानपुर जोन द्वितीय की टीम ने 28 रन से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दुर्गेश यादव को मिला और सबसे बेहतरीन गेंदबाज का खिताब कानपुर जोन प्रथम के गेंदबाज धनंजय सिंह को दिया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत बहपुर विकास खण्ड गोहाण्ड. (हमीरपुर)

पत्रांक :– मेमो / विज्ञप्ति/2025–26 दिनांक:–25–02–2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय की ओर से लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा एवं लघु सिंचाई विभाग, एवं जी0एस0टी0 विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से राज्य वित्त आयोग/पन्द्रहवाँ वित्त आयोग/मनरेगा योजना के अन्तर्गत **ग्राम पंचायत बहपुर** में निम्नलिखित निर्माण कार्यो हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित किये जाते है जो दिनांक 04–03–2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक **ग्राम पंचायत बहपुर** के कार्यालय में आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन अपरान्ह 3:30 बजे अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा कार्यालय दिवस में दिनांक 26–02–2026 से दिनांक 04–03–2026 तक कार्यालय में प्राप्त किये जायेंगे। बिना कारण बतायें किसी भी निविदा को आंशिक अथवा पूर्ण रूप से अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में सुरक्षित रहेगा। कार्यालय अवधि में कार्य का सम्पूर्ण विवरण देखा जा सकता है।

क्रमांक	योजना का नाम	कार्य का नाम	स्वीकृत लागत /सामग्री	धरोहर धनराशि 2%	निविदा का मूल्य + टी0टी0	कार्य पूर्ण होने की अवधि
1.	मनरेगा	कछवा कला रोड से राजू भगत जी के मकान तक सी0सी0 निमार्ण कार्य	5,65632.69 लाख रू0	11312 रु0	500+98 रू0	03 माह
2.	मनरेगा	केसरी के मकान के पास सी0सी0 निर्माण कार्य	3,38276.17 लाख रू0	4765 रु0	250+50 रू0	03 माह
3.	मनरेगा	प्रमोद के मकान से गौशाला तक सी0सी0 निर्माण कार्य	4,00135.95 लाख रू0	8002 रु0	250+50 रू0	03 माह

1. सशर्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी।
2. प्रतिशत में अंकित दरें मान्य नही होगी।
3. सामग्री की मांग आवश्यकतानुसार घट–बढ़ सकती है।
4. आपूर्तिकर्ता टेन्डर डालने के पूर्व कार्य स्थल का निरीक्षण कर लें।
5. रायल्टी सम्बन्धी प्रपत्र एम0एम0–11 अन्तिम भुगतान के समय कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, अन्यथा कि स्थिति में नियमानुसार रायल्टी की कटौती बिल से काट ली जायेगी।
6. कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण किया जायेगा।

ग्राम पंचायत /विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बहपुर, वि0 ख0 गोहाण्ड (हमीरपुर)

कार्यालय ग्राम पंचायत इछौरा वि0ख0 सरीला (हमीरपुर)

पत्राक: मेमो/ मनरेगा/विज्ञप्ति/ 2025–26 दिनांक: 25/02 /2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, एवं लघु सिचाई विभाग एवं व्यापार कर विभाग में पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं से मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्यो हेतु निविदायें **दिनांक 05.03.2026** तक **कार्यालय ग्राम पंचायत इछौरा वि0ख0 सरीला** में आमत्रित की जाती है। जो **दिनांक 26.02.2026** से **दिनांक 05.03.2026** तक बेची जाएगी तथा **दिनांक 05.03.2026** को 2.00 बजे तक सीलड बाक्स में डाली जाएगी. तथा **दिनांक 05.03.2026** को समय 3.00 बजे निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र निर्धारित मूल्य देकर **कार्यालय ग्राम पंचायत इछौरा वि0ख0 सरीला** से प्राप्त की जा सकती है। निविदा के साथ रसीदी टिकट पर हस्ताक्षर युक्त 100.00 रु0 मूल्य का स्टाम्प पेपर संलग्न करना अनिवार्य है। बिना कारण बताए किसी भी निविदा को आंशिक अथवा पूर्ण रूप से अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा। कार्यालय दिवस में कार्य का समस्त विवरण देखा जा सकता है।

क्रमांक	योजना	कार्य का नाम	सामग्री लागत (लाख रू0 में	धरोहर राशि 2 प्रतिशत)	निविदा का मूल्य + टी.टी	कार्य पूर्ण होने की अवधि	ग्राम पंचायत का पता
1	मनरेगा	सी.सी. रोड निमार्ण माता मन्दिर से देवेन्द्र के बाड़े तक	486018.00	9720.00	250+45	3 माह	ईछौरा
2	मनरेगा	सी.सी. रोड निमार्ण राजकिशौर के बाड़े से बाघराज की दुकान तक	496018.00	9920.00	250+45	3 माह	ईछौरा

अन्य शर्ते–
1. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। 2. प्रतिशत में अंकित दरें मान्य नहीं की जाएगी। 3. किसी भी दशा में अग्रिम भुगतान नहीं किया जाएगा। 4. आपूर्तिकर्ता निविदा डालने के पूर्व कार्य स्थल को निरीक्षण कर लें। 5. सामग्री की आपूर्ति निर्धारित अवधि में पूर्ण न करने पर अनुबन्ध की शर्तो के अनुसार कार्यवाही की जाएगी। 6. नियमानुसार स्टाम्प ड्यूटी एवं अन्य देयकर आपूर्तिकर्ता द्वारा वहन किया जाएगा। 7. रायल्टी से सम्बन्धित प्रपत्र एम0एम0–11 अन्तिम भुगतान के समय कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार रायल्टी की कटौती बिल से कर ली जाएगी। 8. किसी भी निविदादाता को जिसका आपराधिक रिकार्ड हो निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अनुमति नहीं दी जा सकती है। यदि ऐसा पाया जाता है तो निविदा अस्वीकार की जाएगी। 9. निविदा की वैधता निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि से 90 दिवस होगी। एक बार प्रस्तुत की गई निविदा वापिस नहीं ली जा सकती है। 10. किसी भी प्रकार का वाद मात्र हमीरपुर न्यायालय में ही मान्य होगा।

ग्राम प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत
ग्राम पंचायत – इछौरा , वि0ख0 सरीला (हमीरपुर)

कारोबार

10 करोड़ से अधिक का नमकीन का व्यापार होने की उम्मीद

होली पर आई इंडोनेशिया की नमकीन जलेबी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इस बार होली पर शहर में विदेशी नमकीन भी शहरियों की प्लेट पर सजेगी। इनमें खासतौर पर इंडोनेशिया की नमकीन जलेबी की मांग सबसे अधिक है। इंडोनेशिया की ही जालीदार रंगीन नमकीन भी खरीदारों को आकर्षित कर रही है। कारोबारी मान रहे हैं कि इस बार शहरवासी 10 करोड़ रुपये से अधिक की नमकीन चट कर जाएंगे।

बाजार में पारंपरिक नमकीन के साथ ही विदेशी नमकीन भी अपना जलवा बिखेर रही है। इनमें चिप्स, पापड़, साबूदाने के उत्पाद के साथ ही इंडोनिशिया से आई नमकीन जलेबी व डिजाइनर चिप्स लोगों को लुभा रहीं हैं। कारोबारियों का कहना है कि होली पर अब खरीदार बाजार से डिजाइनर नमकीन की मांग अधिक कर रहे हैं। इसकी एक वजह बच्चों का भी इन उत्पादों को अधिक पसंद करना है।

दूसरी ओर मिठाई से परहेज करने वाले भी नमकीन की ओर अधिक रुझान रखते हैं। पहले के मुकाबले अब घरों में होली पर पापड़, चिप्स सहित अन्य उत्पादों का कम बनाया जाना भी बाजार में खरीदारी को बढ़ा रहा है। नमकीन के थोक कारोबारी व एक्सप्रेस रोड व्यापार मंडल के अध्यक्ष रोशन गुप्ता ने बताया कि होली पर इस बार पिछली बार की तुलना से 20 फीसदी अधिक नमकीन की बिक्री हो रही है। माना जा रहा है कि होली पर्व पर इस बार शहर में 10 करोड़ रुपये के आस-पास का कारोबार होगा।

इंडोनेशिया से आई जलेबी।

बाजार में सजी पिचकारी की दुकान। अमृत विचार

आलू के पापड़ फेवरेट

- कारोबारियों ने बताया कि शहर में अभी भी सबसे अधिक आलू के पापड़ ही फेवरेट बने हुए हैं। पापड़ की बात की जाए तो बाजार में बिकने वाली नमकीन में 60 फीसदी की हिस्सेदारी आलू के पापड़ की ही है। इनमें सादे और मसालेदार पापड़ वैराइटी में मौजूद हैं। इसके अलावा आलू की चिप्स व साबूदाने के आइटम भी खरीदारों को पसंद आ रहे हैं।

चुकंदर के पापड़ भी मौजूद

- बाजार में इस बार चुकंदर के पापड़ भी पिछले वर्ष की तुलना में अधिक बिक रहे हैं। माना जा रहा है कि स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए खरीदार इस पापड़ की ओर रुझान बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा बाजार में व्रत वाले पापड़ भी मौजूद हैं। इन पापड़ की खासियत यह है कि इन्हें पूरे साल रख व्रत में भी खाया जा सकता है। इन पापड़ों में आम नमक के अलावा सेंधा नमक का प्रयोग स्वाद बढ़ाने के लिए किया गया है।

नेपाल तक पहुंच

- शहर में बिकने वाले पापड़ चिप्स सहित अन्य नमकीन नेपाल तक जा रही है। कारोबारियों ने बताया कि शहर की थोक मंडियों से आस-पास के जिलों के अलावा नेपाल भी व्यापारी नमकीन भेज रहे हैं। पूर्वांचल से सबसे नजदीक की थोक मंडी शहर होने के चलते व्यापारियों के पास वहां के ऑर्डर भी मौजूद हैं। दूसरे जिलों, राज्यों व देश में नमकीन जाने की एक वजह शहर के बने नमकीन की क्वालिटी भी है।

आठ लाख लूट के मामले में मुकदमा दर्ज किया

कानपुर। चकेरी थानाक्षेत्र के श्याम नगर में आठ लाख की लूट मामले में नौ दिन बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। हालांकि अभी भी कई अनसुलझे सवाल है। जिसका पुलिस भी जवाब नहीं दे सकी है। घटना के दिन पीड़ित ने लूट की बात से साफ इनकार कर दिया था। लेकिन नौ दिन बाद लूट की ही प्राथमिकी दर्ज हुई है। हालांकि लूट की रकम कितनी थी, यह अभी भी स्पष्ट नहीं हो सका है। सूत्रों के मुताबिक पीड़ित रकम कहा से लाया था। उसका भी पुख्ता सबूत नहीं दे सका है। नौबस्ता थानाक्षेत्र के यशोदा नगर निवासी मो. वासिद की दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक बीते 16 जनवरी को अपने यशोदा नगर के रहने वाले साथी अरशद खान के साथ बाइक से मॉल रोड स्थित एलआईसी बिल्डिंग में मौजूद आईडीबीआई बैंक गए थे। जहां से शाम को वह पैसे लेकर श्याम नगर होते हुए जाजमऊ स्थित अपने परिचित के पास जा रहे थे। इस दौरान श्याम नगर के शताब्दी पार्क के अंधा मोड के पास दो बाइक से चार लोग आये और रोककर मारपीट किया।

न्यूज ब्रीफ

फर्जी पेमेंट का स्क्रीनशॉट दिखा 10 हजार की ठगी

उन्नाव, अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला एबी नगर निवासी प्रतीक सिंह ने 18 फरवरी को ऑनलाइन साइबर पोर्टल पर की शिकायत में बताया कि उनके कैफे में आए युवक ने ऑनलाइन भुगतान करने का फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाकर भरोसे में लेते हुए 10 हजार रुपये नगद ले लिये। बाद में खाते में रकम क्रेडिट न होने पर उन्हें ठगी का अहसास हुआ। इस पर उसने साइबर पोर्टल में शिकायत की थी। सदर कोतवाली की साइबर टीम ने बुधवार को ठगी गई रकम पीड़ित के खाते में वापस करा दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान की गई। आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शंकराचार्य के समर्थन में कांग्रेस का प्रदर्शन

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : नगर कांग्रेस कमेटी गंगाघाट के तत्वावधान में बुधवार को मिश्रा कॉलोनी स्थित गांधी चौक पर प्रदर्शन कर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में आवाज उठाई गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेता मयंक बाजपेयी ने कहा कि प्रदेश की भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस शंकराचार्य के साथ खड़ी है। आरोप लगाया कि सरकार संत समाज का अपमान कर रही है और शंकराचार्य पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। कहा कि जनता सब देख रही है और अंत में सत्य की ही जीत होगी। प्रदर्शन में अनवर खुर्शीद, दयाशंकर शुक्ल, दूधनाथ वर्मा, रामकिशोर पाल, बाबूलाल गुप्ता, संजय सिंह, संजय बाजपेयी, पिंटू तिवारी, महेश मिश्र, तन्मय श्रीवास्तव, मो. रईस व रामचेतन भास्कर आदि मौजूद रहे।

जो भाजपा के खिलाफ बोलेगा, उस पर मुकदमा होगा: अखिलेश

सपा सुप्रीमो ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना, उन्नाव सांसद पर बोले-हमारे साथ मैदान में कूद जाएं

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचारः समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के विरुद्ध दर्ज हुई रिपोर्ट को राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए कहा कि यह सरकार अपने विरोधियों की आवाज दबाने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है।

दिवंगत गंगासागर यादव को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा के विरुद्ध आवाज उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जा रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पहले प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बयान देते हैं कि हम लेटकर उनका अभिनंदन करेंगे और बाद में झूठा मुकदमा दर्ज कराया जाता है। मुकदमा किसने दर्ज कराया यह किसी से छिपा नहीं है। अखिलेश ने अपील की कि अविमुक्तेश्वरानंद के सम्मान को बचाने के लिए सभी को एकजुट होकर आगे आना चाहिए। सांसद साक्षी महाराज द्वारा यूजीसी व ओबीसी आरक्षण को लेकर दिए गए बयान पर चुटकी लेते हुए अखिलेश ने कहा कि अगर उन्हें ऐसा लग रहा है कि उनके बिना सरकार नहीं बनेगी तो वह देर क्यों कर रहे हैं हमारे साथ मैदान में कूद जाएं। यही

सपा पदाधिकारियों से बात करते पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव। ● अमृत विचार

नहीं उन्होंने एक बार फिर अपना पुराना ऑफर दोहराते हुए कहा कि यदि उपमुख्यमंत्री 100 से 110 विधायक लेकर आते हैं तो वह अपने गठबंधन के दलों को समझाकर उन्हें मुख्यमंत्री बनवा देंगे। उन्होंने सरकार के विकास के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि गोसेवा का दंभ भरने वालों ने कन्नौज का मिल्क प्लांट बंद कर दिया। उन्नाव के चमड़ा उद्योग को सरकार से कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। किसान रात-रात भर जागकर फसलों की रखवाली करने को मजबूर हैं। उन्होंने सवाल किया कि हरियाणा में सबसे अधिक स्लॉटर हाउस को मंजूरी क्यों दी गई। चुनौती दी कि सरकार उत्तर प्रदेश के भी सारे स्लॉटर हाउस बंद करवा दे। बीजेपी नेता मनोज तिवारी के गाने बबुआ गर्दा उड़ावे बा पर मजाकिया लहजे में उन्होंने कहा कि मनोज तिवारी पुराने समाजवादी हैं। होली के मौके पर उन्होंने मुझे याद किया इसके लिए धन्यवाद। साथ ही चेतावनी दी कि अगर हम भी कोई गाना बना दें या 'होरिया' गा दें, तो बुरा न मानें, क्योंकि होली है। इस दौरान सपा की राष्ट्रीय सचिव अन्नू टंडन, जिलाध्यक्ष राजेश यादव, पूर्व एमएलसी सुनील यादव, पूर्व मंत्री सुधीर रावत, युवजन सभा जिलाध्यक्ष अमन अंजुम, राजेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

जाजमऊ में सपा विधायकों व कार्यकर्ताओं ने अखिलेश का किया जोरदार स्वागत

शुक्लागंज, उन्नाव : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के स्वागत के लिए जाजमऊ पुलिस चौकी के पास कानपुर विधायक अमिताभ बाजपेई, नसीम इरफान सोलंकी व विधायक हसन रूमी सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। दोपहर करीब 3 बजकर 8 मिनट पर अखिलेश यादव का काफिला आगे बढ़ा। जाजमऊ पुलिस चौकी के पास काफिले की रफ्तार कुछ देर धीमी हुई तो कुछ ही कार्यकर्ता उनसे मुलाकात कर सके। इसके बाद काफिला जाजमऊ के पुराने गंगापुल से होता हुआ बिना रुके सीधे कानपुर रवाना हो गया। पूरे मार्ग पर कहीं भी किसी प्रकार का जाम नहीं लगा और यातायात सामान्य बना रहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोतवाली प्रभारी अजय सिंह, जाजमऊ पुलिस चौकी प्रभारी आदि पुलिस कर्मी पूरी तरह मुस्तैद रहे। वहीं आजाद मार्ग चौराहे पर वीरेंद्र शुक्ला, सुनील सिंह यादव, विक्रम भदौरिया, मुश्ताक नाटे, राजन कनौजिया व यशराज आदि घंटों तक अखिलेश यादव का इंतजार करते रहे। काफिला गुजरने के दौरान अखिलेश यादव ने हाथ हिलाकर कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया।

सुरेश बने गंगाघाट भाजपा के मंडल अध्यक्ष

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचारः भाजपा द्वारा संगठन पर्व के तहत जिले में मंडल अध्यक्षों की सूची जारी कर दी गई है। यह सूची प्रदेश अध्यक्ष की संस्तुति के बाद घोषित हुई। इसमें जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत मंडल अध्यक्षों और जिला प्रतिनिधियों के नाम शामिल हैं।

सदर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गंगाघाट मंडल से शुक्लागंज के गांधी नगर निवासी सुरेश शुक्ला को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। उनके चयन से क्षेत्रीय भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह रहा। पार्टी पदाधिकारियों ने इसे संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम बताया। सुरेश शुक्ला वर्ष 1994 से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े रहे हैं। इसके बाद वर्ष 2014 में उन्हें भाजपा युवा मोर्चा का उपाध्यक्ष बनाया गया था। संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते हुए वे दो बार पार्टी की मुख्य इकाई में उपाध्यक्ष भी रहे। इसके बाद किसान मोर्चा के जिला महामंत्री बनने के बाद उन्हें गंगाघाट मंडल अध्यक्ष बनाया गया। मंडल अध्यक्ष बनने पर विकास मिश्रा, विनय तिवारी, गोपाल मिश्रा, सचिन बाजपेई, अमरेंद्र गुप्ता, उमेश तिवारी, अवनीश शुक्ला, जैनेन्द्र शुक्ला, अंकुर शुक्ला व जय सिंह कुशवाहा समेत अनेक कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए उनका स्वागत किया।

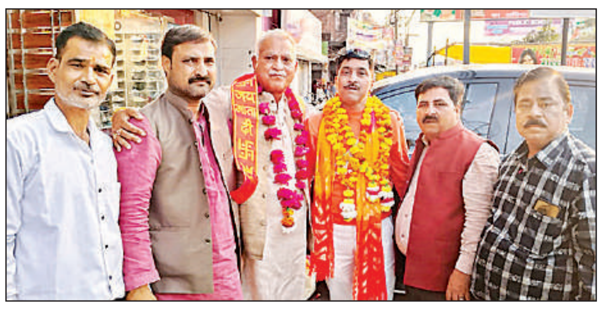

सुरेश शुक्ला को माला पहनाकर स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

बच्चों को सुनाई अपनी सफलता की कहानी

हसनगंज उन्नाव, अमृत विचार : फ्रीडम एंप्लायबिलिटी एकेडमी (एफईए) हर वर्ष करीब 90 हजार से अधिक बच्चों को मुफ्त अंग्रेजी, डिजिटल साक्षरता व व्यक्तिगत कौशल में एक वर्ष का प्रशिक्षण देती है। बुधवार को इसके फाउंडर दीपक चोपड़ा ने क्षेत्र के शाहपुर तोंदा में चल रहे कोचिंग संस्थान का निरीक्षण किया। इसमें उन्होंने शिक्षिका गुडाली यादव की जमकर तारीफ की और वे बच्चों से भी रूबरू हुए। बच्चों ने उनसे उनकी सफलता की कहानी के बारे में जाना। छात्र राज सिंह ने उनसे उनकी सक्सेज के बारे में किसी इंस्पायर होने की बात पूछी तो उन्होंने अपने आसपास के लोगों को देख सीखने की बात कही। कहा कि हमको हर मोड पर कोई न कोई मिल जाता है जिससे हम कुछ न कुछ सीखते हैं। उम्मीद है कि मेरे द्वारा दी गई शिक्षा बच्चों के भविष्य को संवारने के काम आएगी। यही मेरी मेहनत का शुल्क होगा।

सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

- चालक सहित चार सवारियां हुईं गंभीर रूप से घायल
- डंपर की टक्कर से ई-रिक्शे के पलटने से हुई दुर्घटना

अमृत विचारः बिहार थानांतर्गत मुड़ियन खेड़ा गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। इसमें रिक्शा सवार दो महिलाओं की मौत हो गई। वहीं चालक सहित 5 सवारियां गंभीर घायल हो गईं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा। वहीं हादसे में जान वाले वाली एक महिला की पहचान के लिये पुलिस की टीम जुटी है।

बता दें कि बिहार थानाक्षेत्र के सुमेरपुर-बक्सर मार्ग पर 6 सवारियां लेकर जा रहे ई-रिक्शा में बुधवार शाम करीब 4 बजे थानाक्षेत्र के मुड़ियन खेड़ा गांव के सामने तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। इससे रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में पलट गया और उसमें बैठी सवारियों में चीख-पुकार मच गई। हादसा देख आसपास के लोग दौड़े और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लोगों की मदद से घायलों को रेस्क्यू कर सुमेरपुर स्थित स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद दो महिलाओं को मृत घोषित कर दिया। इसमें एक की पहचान बिहार थानाक्षेत्र के कपूरपुर गांव निवासी राजवती (50) पत्नी छविनाथ के रूप में हुई। वह गांव के आंगनवाड़ी केंद्र की सहायिका थी। वहीं हादसे में जान गंवाने वाली दूसरी महिला की अभी शिनाख्त नहीं हुई है। हादसे में ई-रिक्शा चालक लालजी (45) पुत्र हीरालाल पाल निवासी रघुनाथ खेड़ा थाना बारासगवर सहित सवारियों में अजीत (23) पुत्र मान प्रसाद निवासी कलानी सुमेरपुर, इसी गांव के मान प्रसाद (55) पुत्र नाथे, उसकी पत्नी शिवरती (50) गंभीर घायल हो गए। घटना की जानकारी पर सीओ मधुप नाथ मिश्रा ने घटना स्थल की जांच की। एसओ राहुल सिंह ने बताया कि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। दो महिलाओं की मौत हुई है। एक की पहचान नहीं हो सकी है। जिसकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

गैर इरादान हत्या के दोषी को पांच साल की सजा

उन्नाव, अमृत विचारः गैर इरादतन हत्या के आरोपी को कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के बाद दोषी ठहराते हुए 5 साल की सजा सुनाई है।

बता दें कि बिहार राज्य के गया जिला के खीजर सराय थानाक्षेत्र के देवान फतेहपुर गांव निवासी संजय मांझी ने 30 मार्च-2021 को पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि उसकी बहन कस्तूरबा देवी उर्फ खुशबू की शादी बिहार के गया मुफसलिस थानाक्षेत्र के छत्तूबाद गांव निवासी मनोज पुत्र प्रमोद मांझी से हुई थी। वह उसकी बहन व बहनोई सदर कोतवाली क्षेत्र के रघुनाथखेड़ा स्थित कृष्णा ब्रिक फील्ड में ईंट पथाई का काम करता थे। 29 मार्च-2021 को मनोज ने शराब पीकर बहन से मारपीट की। इसमें खुशबू की मौत हो गई थी। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर 31 मार्च को आरोपी को जेल भेजा था। आईओ अखिलेश कुमार ने जांच कर साक्ष्य एकत्र 13 मई-2021 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। तभी से केस एडीजे-9 कोर्ट में विचाराधीन था। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश महेंद्र सिंह ने शासकीय अधिवक्ता यशवंत सिंह की दलीलों व साक्ष्य के आधार पर मनोज को दोषी ठहराते हुए 5 साल की सजा सुनाई है।

नजरी नक्शा रिपोर्ट को घंटों हुई साक्ष्यों की पड़ताल

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचारः गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के सहजनी रेलवे क्रॉसिंग के पास पिता-पुत्री की ट्रेन से कटकर हुई मौत के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। सोमवार रात 9 बजे हुए हादसे से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। बुधवार को पुलिस ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और नजरी नक्शा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की।

बुधवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे मरहला चौकी प्रभारी मूलचंद पाठक पुलिस टीम के साथ कानपुर-लखनऊ रेलमार्ग स्थित सहजनी क्रासिंग से 100 मीटर पहले घटनास्थल पहुंचे। करीब एक घंटे तक चली जांच में पुलिस ने रेलवे ट्रैक, आसपास की झाड़ियों व पटरी के किनारों की छानबीन की। इस दौरान नजरी नक्शा तैयार किया और पूरी कार्रवाई की वीडियो ग्राफी व फोटोग्राफी भी कराई। जांच के समय मृतक विकास गुप्ता का भाई शिवम भी पुलिस के साथ रहा। वहीं मृतक के भाई शिवम

ट्रैक पर जांच करती पुलिस व मौजूद मृतक का भाई।

- पिता-पुत्री की ट्रेन से कटकर हुई मौत का मामला, मृतक के भाई ने पुलिस पर लापरवाही का लगाया आरोप, एसएसपी से शिकायत

की तहरीर पर पुलिस पहले ही आत्महत्या के लिये उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कर चुकी है। आरोप है कि पारिवारिक कलह व मानसिक प्रताड़ना के चलते दोनों ने यह कदम उठाया था। मामले में विकास की पत्नी शैफाली गुप्ता, ससुर राकेश गुप्ता, सास सुमन गुप्ता, साले यश व शशांक गुप्ता को नामित किया गया है। लेकिन अभी तक सभी आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। चौकी प्रभारी ने बताया कि घटनास्थल से संकलित साक्ष्यों के आधार पर तैयार रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। वहीं गंगाघाट कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

घर में पुलिस ने नहीं की जांच

शुक्लागंज : शिवम ने आरोप लगाया कि घटनास्थल की जांच के बाद पुलिस सहजनी स्थित भाई के घर के बाहर पहुंची लेकिन अंदर जांच किए बिना लौट गई। उन्होंने मांग की कि घर के भीतर भी साक्ष्य जुटाए जाएं। कहा कि पुलिस ने पड़ोसी किरायेदारों के बयान भी नहीं लिये और उनका भाई कार में अधिकांश दस्तावेज रखता है। पुलिस ने उसकी भी पड़ताल नहीं की।

वरिष्ठ शिक्षकों पर न लागू हो टीईटी अनिवार्यता

उन्नाव, अमृत विचार : शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्यता के विरोध में सफीपुर ब्लॉक के कंपोजित विद्यालय रनियामऊ में शिक्षक पंचायत का आयोजन हुआ। इसमें शिक्षक अमित तिवारी ने कहा कि जो शिक्षक वर्षों से सेवा दे रहे हैं उन पर नई अहर्ता थोपना अन्यायपूर्ण है। शिक्षकों में टीईटी न पास करने पर अनिवार्य सेवानिवृत्ति का डर बना हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द इस पर निर्णय नहीं लिया गया तो शिक्षक उन्नाव से पैदल मार्च कर लखनऊ में विधानसभा के सामने प्रदर्शन करेंगे। कहा कि नियुक्ति के समय की सेवा शर्तों के अनुसार ही नौकरी जारी रखी जाए व पुरानी नियुक्तियों पर टीईटी को लागू न किया जाए। शिक्षक पंचायत में संजीव संखवार, देवेंद्र त्रिपाठी, ज्ञानेन्द्र कुशवाहा, अनूप साहू, कृपा शंकर, राहुल सिंह, सुधीर कुशवाहा, नीरज प्रजापति, सौरभ वैश्य, राधा देवी, सरोजनी देवी, हेमा मालिनी, सुदेवी आदि मौजूद रहे।

शिक्षक पंचायत में बैठे शिक्षक। ● अमृत विचार

सांसद ने दिया स्मार्ट क्लास टीवी व सोलर पैनल

उन्नाव, अमृत विचार : विकासखंड हिलौली क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बहवा में राज्यसभा सांसद संजय सेठ ने स्मार्ट टीवी व आटोमेटिक सोलर पैनल अपनी सांसद निधि से दी। आदर्श शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के पूर्व जिलाध्यक्ष व राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला उपाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने सांसद का आभार जताते हुए कहा कि स्मार्ट टीवी से बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल पाएगी और बच्चों को मनोरंजन का भी लाभ मिलेगा तथा आधुनिक तकनीक से शिक्षित किया जायेगा और प्रेरणादायक कहानी, कविता, ज्ञान, विज्ञान, गणित के नवीनतम पाठ्यक्रम से अवगत कराया जायेगा। इसमें दीपक सिंह, रंजीत सिंह, कहकसा अंजुम, सीमा व बच्चों ने द्वारा सांसद को धन्यवाद दिया।

स्मार्ट टीवी के साथ शिक्षक अजय प्रताप सिंह व स्टाफ।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

औरास, उन्नाव : बाइक सवार एक युवक किसी काम से औरास जा रहा था। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने एंबुलेंस की मदद से उसे सीएचसी औरास पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसीवन थाना क्षेत्र के हैदराबाद स्थित मोहल्ला जवाहर नगर निवासी पवन शर्मा (23) पुत्र सर्वेश फ्रिज, पंखा और एसी का काम सीख रहा था। बुधवार को वह अपनी मां से औरास जाने की बात कहकर घर से निकला था। जैसे ही वह औरास-चकलवंशी मार्ग पर सिंधूर चौराहे के सामने पहुंचा, तभी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औरास पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मां रानी बदहवास हो गईं और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के पिता आटा चक्की पर काम करते हैं। पवन दो भाइयों में सबसे बड़ा था। बेटे की असमय मौत से परिवार गहरे सदमे में है। औरास थाना प्रभारी संजीव कुशवाहा ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वृंदावन की स्वदेशी पिचकारी की मची धूम

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचारः रंगों के महापर्व होली को लेकर जिले के बाजारों में रौनक दिखने लगी है। रंग के साथ पापड़, चिप्स व पिचकारी की दुकानें सज गई हैं। कपड़ों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। शहर के बड़ा चौराहा, सदर बाजार, सिविल लाइन, गांधीनगर तिराहा क्षेत्र में खरीदारों के लिए दुकाने सज गई हैं। चटक रंगों, विभिन्न डिजाइनों वाली पिचकारियों व पकवानों के सामानों से दुकानें पूरी तरह सज चुकी हैं। इस बार बाजार की सबसे खासियत पूरी तरह स्वदेशी उत्पाद हैं।

दुकानदार विवेक के अनुसार, इस वर्ष रंग, गुलाल व पिचकारियों का स्टॉक वृंदावन से मंगाया गया है। ग्राहक भी विदेशी सामानों की जगह अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं। सेहत के प्रति जागरूक लोग इस बार केमिकल वाले रंगों से दूरी बना रहे हैं। इसके चलते हर्बल गुलाल की मांग अधिक है। इस साल बाजार में बच्चों के आकर्षण का केंद्र पॉपपप हर्बल रंग व पेपर फाम गुलाल बना है। दुकानदारों का दावा है कि यह नया पॉपपप रंग पूरी तरह प्राकृतिक है और बच्चों की कोमल त्वचा को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगा। बाजारों में केवल रंग ही नहीं, बल्कि परंपरा व स्वाद का भी संगम दिख रहा है। लड्डू गोपाल के लिए विशेष रूप से तैयार होली के परिधान दुकानों पर बड़ी मात्रा में उपलब्ध हैं। घरों में मेहमानों के स्वागत के लिए पापड़, चिप्स व कचरी की खरीदारी के साथ ही घर पर भी पकवान व पापड़ बनाए जा रहे हैं।

शहर में सजी रंग व पिचकारी की दुकान। ● अमृत विचार

साइंस के प्रश्नपत्रों ने बढ़ाई मुश्किलें

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचारः बुधवार को प्रथम पाली में हाईस्कूल के परीक्षार्थियों ने विज्ञान का पेपर दिया। जबकि दूसरी पाली में इंटर के छात्रों के लिए रसायन विज्ञान व होम साइंस की परीक्षा हुई। परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही परीक्षार्थियों की भीड़ देखने को मिली।

गंगाघाट क्षेत्र के राजमार्ग स्थित ओम प्रकाश ज्वालादेवी इंटर कॉलेज, कंचन नगर के महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज, पोनी रोड स्थित डॉ. लोहिया इंटर कॉलेज, गंगा नगर के गंगा प्रसाद महते सरस्वती विद्या मंदिर तथा गोपीनाथपुरम के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले परीक्षार्थियों की सघन तलाशी ली गई और कड़ी निगरानी में उन्हें कक्षों में प्रवेश दिया गया। हाईस्कूल में विज्ञान का प्रश्नपत्र अपेक्षाकृत कठिन होने के कारण कई परीक्षार्थी परेशान नजर आए। परीक्षा समाप्त होने के बाद छात्र-छात्राएं प्रश्नपत्र को लेकर चर्चा करते दिखे। दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की होम साइंस और रसायन विज्ञान की परीक्षा हुई। होम साइंस का प्रश्नपत्र सरल होने से परीक्षार्थियों के चेहरे खिले नजर आए, जबकि रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र कठिन आने पर छात्रों के पसीने छूट गए।

परीक्षा से पहले महर्षि में रोल नंबर देखते इंटर के छात्र। ● अमृत विचार

सज गईं रंग-बिरंगी चिप्स व पापड़ की दुकानें

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : होली पर्व को देखते हुए नगर के बाजारों में चिप्स, पापड़, कचरी व चूरी की दुकानों की रौनक बढ़ने लगी है। राजमार्ग से लेकर पोनी रोड, फोरलेन व गली-चौराहों तक अस्थायी दुकानें सज गई हैं। हालांकि अभी होली में कुछ दिन शेष होने से ग्राहकों की संख्या कम दिख है। दुकानदारों का कहना है कि त्योहार के एक-दो दिन पहले खरीदारी चरम पर पहुंचती है। बाजार में साधारण आलू के चिप्स 120 रुपये किलो व जबकि ब्रांडेड चिप्स 180 रुपये किलो तक बिक रहे हैं। अरारोट व मैदा से बने पापड़ 220 से 250 रुपये किलो, उड़द दाल के पापड़ 250 से 300 रुपये किलो बिक रहे हैं। इसके अलावा गार्लिक, जीरा चिप्स, साबूदाना पापड़ 100 से 250 रुपये किलो तक उपलब्ध हैं। आलू व साबूदाने का लच्छा भी ग्राहकों की पसंद बना हुआ है।

बोर्ड परीक्षा

दोनों पालियों में 65129 परीक्षार्थियों में से 3019 रहे अनुपस्थित

संयुक्त शिक्षा निदेशक के सचल दल ने खंगाले परीक्षा केंद्र

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचारः माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाएं दो पालियों में हुईं। प्रथम पाली में हाईस्कूल विज्ञान व द्वितीय पाली में इंटर रसायन विज्ञान व समाज शास्त्र की परीक्षा होने से प्रदेश स्तर के सचल दल के साथ जिला स्तरीय सचल दल केंद्रों के चक्कर लगाते रहे। मगर सीसीटीवी की निगरानी व हर केंद्र में स्टेटिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति होने से कोई नकलची नहीं पकड़ा गया।

संयुक्त शिक्षा निदेशक प्रदीप कुमार सिंह व नोडल अधिकारी योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में दोनों पालियों में जहां एक दर्जन से अधिक केंद्रों का निरीक्षण किया गया। वहीं जिला स्तर के सचल दल डीआईओएस, बीएसए, प्रधानाचार्य परमात्मा शरण, कमलेश कुमार, अदनान हफीज, उपमा त्रिपाठी के नेतृत्व में आधा सैकड़ा परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। प्रथम पाली में जिले के सभी 122 केंद्रों में परीक्षा हुई। इसमें हाईस्कूल विज्ञान में 39373 परीक्षार्थियों में 37431 उपस्थित व 1942 अनुपस्थित रहे। जबकि इंटर संगीत गायन में 22 छात्रों में 20 उपस्थित व दो अनुपस्थित रहे। संगीत वादन में 11 छात्रों में सभी उपस्थित रहे।

कंट्रोल रूम से केंद्रों की निगरानी करते एसडीएम उदयवीर सिंह। ● अमृत विचार

इस प्रकार प्रथम पाली में 39406 छात्रों में 37462 उपस्थित व 1944 अनुपस्थित रहे। वहीं, द्वितीय पाली में जिले के 121 केंद्रों में परीक्षा थी। इसमें इंटर समाज शास्त्र में 5063 छात्रों में 4692 उपस्थित व 371 अनुपस्थित रहे। इंटर रसायन विज्ञान में 20660 पंजीकृत छात्रों में 19956 उपस्थित व 704 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार द्वितीय पाली में 25723 छात्रों में 24648 उपस्थित व 1075 अनुपस्थित रहे। दोनों पालियों में पंजीकृत 65129 छात्रों में 62110 उपस्थित व 3019 अनुपस्थित रहे। संयुक्त शिक्षा निदेशक प्रदीप कुमार सिंह एवं डीआईओएस सुनील दत्त ने कंट्रोल रूम से भी परीक्षा केंद्रों को देखा। एसडीएम उदयवीर सिंह सभी केंद्रों का कंट्रोल रूम से निगरानी करते रहे। कहीं कोई परीक्षार्थी नकल करते नहीं मिला।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न

उन्नाव, अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा 7 दिवसीय विशेष शिविर का समापन प्राथमिक विद्यालय केदारखेड़ा में राष्ट्रगान के साथ हुआ। समापन करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मीता अरोड़ा ने बताया कि सेवा का सार समर्पण भाव से होता है। राष्ट्र के निर्माण में महाविद्यालय के स्वयं सेवकों का समुदाय के साथ मिलकर किया गया सेवा कार्य बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया। विशेष शिविर में योग शिक्षक भरत कुमार को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रितेश सिंह ने 7 दिवसीय विशेष कार्यक्रम की आख्या प्रस्तुत की और सभी का आभार जताया। इसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक, डॉ. राकेश तिवारी, डॉ. केके यादव, डॉ. मनोज त्रिवेदी, डॉ. नीलिमा नागर, डॉ. अयाज खलील, डॉ. प्रियदर्शन पांडेय, डॉ. राबिन विक्रम सिंह, डॉ. अलोक रस्तोगी आदि रहे। संचालन डॉ. विभु प्रकाश सिंह ने किया।

कार्यक्रम प्रस्तुत करते एनएसएस के छात्र।

हे उज्ज्वल तारा, काश मैं भी तेरे समान स्थिर होता।
–जॉन कीट्स, अंग्रेजी कवि

सेवा केंद्रित शासन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक का 'सेवा तीर्थ' परिसर में आयोजन प्रतीक और संदेश दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। यह बैठक ऐतिहासिक कही जाएगी, क्योंकि सरकार ने बैठक के स्थान और संकल्प दोनों को शासन को सत्ता-केंद्रित नहीं, सेवा-केंद्रित बनाने के महत्वपूर्ण वैचारिक फ्रेम में रखा। 'नागरिक देवो भवः' और 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' की तीव्र गति जैसे वाक्यांश प्रशासनिक आचरण के लिए सार्वजनिक प्रतिज्ञा के बतौर स्थापित हुए, हालांकि पूर्ववर्ती सरकारें अपना जो भी निर्णय लेती थीं, जनहित में ही लिया हुआ बताती थीं, किंतु इस तरह का औपचारिक, मूल्य-आधारित संकल्प सार्वजनिक रूप से दोहराना जवाबदेही को संस्थागत रूप देने का आश्वस्तकारी प्रयास लगता है, विशेषकर उस समय जब 2047 तक भारत को शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का लक्ष्य रखा गया हो।

वर्तमान वृद्धि दर, पूंजीगत व्यय, डिजिटलीकरण और विनिर्माण प्रोत्साहन के आधार पर यह लक्ष्य असंभव नहीं, पर बहुत सरल भी नहीं। 6 से 8 प्रतिशत की सतत आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन और उत्पादकता-वृद्धि की निरंतरता इसके लिए अनिवार्य होगी। 'सेवा तीर्थ' को यदि ऐसे गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर अथवा तंत्र का रूप दिया जाए, जहां प्रक्रियाएं सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हों, तो यह गतिशीलता ला सकता है, परंतु प्रतीक से अधिक महत्वपूर्ण क्रियान्वयन है, जिसकी असली कसौटियां सिंगल-विंडो क्लियरेंस, समयसीमा-आधारित सेवा वितरण और डेटा-आधारित फैसले होंगे। सरकार का यह विश्वास दिलाना कि पारदर्शी, उत्तरदायी और नागरिक संवेदनाओं के प्रति सजग गवर्नेंस मॉडल को और अधिक मजबूती दी जाएगी, स्वागत योग्य है। केरल का नाम 'केरलम्' करने के प्रस्ताव का सांस्कृतिक आयाम अधिक है। नाम-परिवर्तन पहचान और भाषा-गौरव से जुड़ा होता है, इसका आर्थिक प्रभाव प्रशासनिक लागत और ब्रांडिंग-संगति का ध्यान रखा जाए तो भी सीमित रहता है। राज्यों के नाम उनकी भाषानुरूप बदलना बेहतर है, पर बुनियादी ढांचे, सुरक्षा व सेवाओं की बेहतरी पर भी ध्यान देना आवश्यक है। इतिहास बताता है कि जिन राज्यों या शहरों के नाम बदले गए, वहां सार्थक आर्थिक परिवर्तन नाम से नहीं, नीतियों से आए। रेलवे की तीन बड़ी परियोजनाओं की मंजूरी से संबंधित क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी, औद्योगिक क्लस्टर जुड़ेंगे और माल ढुलाई बढ़ेगी। रेलवे को यात्री-आधारित आय से आगे बढ़कर माल-राजस्व सुदृढ़ करने का अवसर मिलेगा। पावर सेक्टर सुधार डिस्कॉम दक्षता, स्मार्ट मीटरिंग और ग्रिड आधुनिकीकरण दीर्घकाल में वित्तीय घाटे कम करेंगे और उद्योग को पर्याप्त बिजली देंगे, जो निवेश आकर्षित करने में सहायक होगी। श्रीनगर हवाई अड्डे पर सिविल एनक्लेव और इंटीग्रेटेड टर्मिनल से यात्री-क्षमता, सुरक्षा और कनेक्टिविटी बढ़ेगी। पर्यटन, व्यापार और आपात सेवाओं को लाभ मिलेगा, स्थानीय रोजगार भी सृजित होगा। कच्चे जूट की एमएसपी को 5,925 रुपये करने से पूर्वी भारत, विशेषकर पश्चिम बंगाल, असम और बिहार के जूट किसानों को सीधा लाभ होगा, हालांकि इसका लाभ तभी है जब प्रसंस्करण उद्योग और निर्यात मांग समानांतर बढ़ें; अन्यथा सरकारी खरीद का बोझ और भंडारण-चुनौतियां बढ़ेंगी।

प्रसंगवश

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में मानवीय अस्तित्व

डॉ. सुनिधि मिश्रा
शिक्षाविद्

कुछ साल पहले तक जब हम रोबोट या मशीन इंटेलिजेंस की बात करते थे, तो लोग मुस्कुराते हुए कहते थे, 'यह सब फिल्मों की बातें हैं, लेकिन आज वही कल्पना हमारे घर की दहलीज पर खड़ी है। चैट जीपीटी से लेकर जैमिनी तक, डाले-इ से लेकर सोरा तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने न सिर्फ हमारी दुनिया बदल दी है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि इस तूफान में इंसान की जगह कहां होगी? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोई एक दिन में नहीं आई।

इसकी जड़ें 1950 के दशक में एलन ट्यूरिंग के उस सवाल में हैं, 'क्या मशीन सोच सकती है?' दशकों की मेहनत, असफलताओं और शोध के बाद आज हम उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां मशीन न सिर्फ सोच रही है, बल्कि लिख रही है, बना रही है, संगीत रच रही है, डॉक्टरी कर रही है और कानून समझा रही है। यह सिर्फ तकनीकी क्रांति नहीं, यह एक सभ्यतागत बदलाव है।

एआई लाखों डेटा पॉइंट्स से सीखती है, पैटर्न पकड़ती है और जवाब देती है, लेकिन वह 'महसूस' नहीं करती। एक मां की आंखों में जो ममता है, एक दोस्त की बांहों में जो सुकून है, एक शिक्षक के शब्दों में जो प्रेरणा है, यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कभी नहीं दे सकती। सहानुभूति, रचनात्मकता, नैतिक निर्णय, आध्यात्मिक गहराई ये वो चीजें हैं, जो इंसान को इंसान बनाती हैं। एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कविता लिख सकती है, लेकिन उस दर्द को नहीं जी सकती, जिससे कविता जन्म लेती है।

एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किसी मुकदमे में तर्क दे सकती है, लेकिन न्याय और अन्याय के बीच की वो बारीक रेखा, जो इंसानी विवेक खींचता है, वह उसके बस की बात नहीं है। यही वो जगह है, जहां इंसान अपरिहार्य है, अपूरणीय है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ नौकरियों का ही खतरा नहीं है। डीप फेक के जरिये किसी का भी चेहरा किसी और के शरीर पर लगाया जा सकता है और यह राजनीतिक हथियार बन चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा उत्पन्न ग़लत सूचना यानी झूठी खबरें इतनी तेजी से फैल रही हैं कि सच और झूठ का फर्क करना मुश्किल हो गया है। निगरानी के नाम पर सरकारें और कंपनीज़ हमारी हर हरकत ट्रैक कर रही हैं।

सबसे गहरा खतरा शायद यह है कि हम खुद को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर इतना निर्भर कर लें कि अपनी सोचने की शक्ति खो बैठें। जब गूगल मैप्स से पहले रास्ता याद करना पड़ता था, तब हमारी याददाश्त तेज थी। जब कैलकुलेटर नहीं था, तब हम जोड़-घटाव खुद करते थे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ खतरा यह है कि हम अपना विवेक, अपना निर्णय, अपनी स्वायत्तता सब मशीन को सौंप दें। भारत के पास इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्रांति में एक अनूठा मौका है। हमारे पास दुनिया का सबसे बड़ा युवा वर्ग है, एक विशाल डेटा बाजार है और इसरो, आईआईटी जैसे संस्थान हैं जो तकनीकी नवाचार की नींव रख चुके हैं। सरकार का भारत ए.आई. मिशन और डिजिटल बुनियादी ढाचा, यूपीआई, आधार, डिजिटल इंडिया यह दर्शाते हैं कि हम तैयार हो रहे हैं।

जरूरत है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शिक्षा सिर्फ आईआईटी आईआईएम तक सीमित न रहे। गांव-गांव तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की समझ पहुंचे। किसान आर्टिफिशियल इंटेलिजें से मौसम जानें, मछुआरा समुद्री तूफान से बचे और छोटा दुकानदार अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा दे, यही असली डिजिटल भारत होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक औजार की तरह इस्तेमाल करें।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

होली आई रे... पहाड़ में आशा, आकांक्षा और उमंग के रंग

अमित शर्मा
हल्द्वानी

देवभूमि उत्तराखंड, जैसा नाम वैसा ही स्वरूप। यहां के देवतुल्य निवासी भी हर पर्व और त्योहार को देवी-देवताओं को अर्पण करते हुए चलते हैं। इस पर्वतीय राज्य में पर्वों, त्योहारों और उत्सवों की परंपराएं और मान्यताओं की जड़ें पर्यावरण से भी गहरी जुड़ी हुई हैं। अब रंगों का त्योहार यानी होली पर्व को ही ले लीजिए। ये सतरंगी पर्व तो ऐसा है, जो पहाड़ में आशा, आकांक्षा, उत्साह और उमंग के रंग भर जाता है।

पर्यावरण से जुड़े उत्सवों की बात इसलिए की, क्योंकि यहां तो हर पर्व जीवंत है। उसमें संस्कृति और संस्कारों के निर्दोष रंग भरे होते हैं। अपने आप में जीवन की मधुरता और सरलता को समेटे हुए हैं। फिर चाहे वह हरेला, बसंत पंचमी या फिर उत्तरायणी हो। हर त्योहार के यहां अपने रंग हैं और अपने ढंग हैं, लेकिन समानता एक ही है कि यह प्रकृति और विशुद्ध प्रेम को समर्पित रहते हैं। अब मौका होली पर्व का है, जिसका कुमाऊं और गढ़वाल में अंदाज जुदा है, तो कुमाऊं गढ़वाल में पारंपरिक होली का रंगरूप मैदानी क्षेत्रों से अलग और अनोखा है।

यहां होली का पर्व महज कुछ घंटों का नहीं, बल्कि गीत-संगीत की अमूल्य विरासत को सच्चे मोती की माला की तरह जीवन के रंगों में पिरोए हुए है, दरअसल यहां होली पर्व मुख्य रूप से संगीत, लोक गीत, शास्त्रीय राग-रागिनियों और सामूहिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। अबीर-गुलाल के रंग का प्रचलन सदियों पुराना है और अतीत में पानी से होली खेले जाने की परंपरा देवभूमि में नहीं रही है, इसलिए इस त्योहार को पुराने समय से हम पर्यावरण के हित में मानते आए हैं, हालांकि देवभूमि में इसका प्रारंभ चंद राजाओं के समय से माना है। बसंत पंचमी से होली के रंग बैठकी होली के साथ जमने शुरू हो चुके हैं।

कुमाऊनी होली की बात करें, तो बसंत से इसकी शुरुआत हो चुकी है, जो फागुन की पूर्णिमा तक अपने विविध रंग बिखेरेगी। यहां होली शीतकाल के अंत और नई फसल बोने के मौसम की शुरुआत का प्रतीक भी मानी जाती है। मैदानी इलाकों से कुछ अलग हटकर इसलिए कि कुमाऊंनी होली की विशेषताओं में जहां बैठकी होली शास्त्रीय और अर्ध-शास्त्रीय होती है, जिसमें लोग घर में बैठकर राग-रागिनियों पर आधारित होली गीत गाते हैं। इसमें हारमोनियम, ढोलकी आदि वाद्ययंत्रों से होली गीतों में साज और सुरों का रंग भरता है। इन गीतों में कुमाऊनी लोक रचनाएं खासकर शामिल होती हैं।

बैठकी होली के बाद खड़ी होली का आयोजन शुरू हो जाता है, हालांकि वर्तमान में खड़ी होली का प्रचलन अधिक लोकप्रिय रहा है, जो इस समय बेहद लोकप्रिय है और इसका आरंभ भी हो चुका है। खड़ी होली में होल्यारों के दल में कई लोग शामिल होते हैं। इनकी पोशाक होल्यारों की पहचान कराती हैं, जिसमें सफेद टोपी, सफेद कुरता और पायजामा पहनकर होली गाते हुए होल्यार निकलते हैं और ढोल, दमाऊ, हुड़का और ढोलकी की थाप पर लोक गीत गाते हुए घर-घर जाते हैं। खड़ी होली में नाच और गाना साथ-साथ चलता है। सामूहिक नृत्य भी होली में शामिल होता है।

होली के कई गीतों में ब्रज की झलक मिलती है। दरअसल, होली का प्रचलन तो ब्रज से शुरू हुआ था, जिस कारण ब्रज की झलक रहती है। इसके अलावा स्थानीय देवी-देवताओं, भगवान शिव और रामायण का जिक्र भी किया जाता है। होली पर्व का अंत आशीष वचन यानी आशीर्वाद के साथ होता है, जबकि कुछ हिस्सों में राम नवमी तक यह उत्सव मनाया जाता है। गढ़वाल की बात करें, तो यहां होली का इतिहास और परंपरा कुमाऊं से कुछ अलग और पुराना माना जाता है। गढ़वाल में होली को होरी कहा जाता है।

कुछ स्थानीय मान्यताओं और लेखों में गढ़वाल को होली का जन्म स्थान माना जाता है, खासकर जोशीमठ क्षेत्र से, जहां इसे सतयुग में ब्रह्मा-विष्णु-महेश की होली से जोड़ा जाता है। वर्तमान में शास्त्रीय या संगीतमय रूप में गढ़वाल की होली का अतीत 200 से 300 वर्ष पुराना माना जाता है, हालांकि कुछ दावे इसे कुमाऊं से सैकड़ों साल पुराना बताते हैं। गढ़वाल में होली का स्वरूप पहले सरल हुआ करता था, लेकिन हाल के दशकों में कुमाऊनी बैठकी और खड़ी होली का प्रभाव बढ़ा है।

पर्वतीय संस्कृति ने होली पर्व को संगीत व लोकगीत के जरिए व्यापक रूप प्रदान किया है। होली पर्व मुख्य रूप से प्रह्लाद होलिका कथा से जुड़ा हुआ है, लेकिन पर्वतीय संस्कृति ने होली पर्व को संगीत व लोकगीत के जरिए व्यापक रूप प्रदान किया है। साथ ही, पर्यावरण और कृषि चक्र से जोड़ दिया है। वर्तमान में होली पर्व मनाने के लिए पलायन कर चुके लोग भी पहुंचते हैं। होली का पर्व देवभूमि की सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो रंगों से ज्यादा गीतों और भावों में एकता के साथ मनाया जाता है।

बात पर्यावरण हित की हो रही है, तो यह बताना भी लाजिमी है कि यहां ज्यादातर पक्के रंगों से होली खेलने से बचा जाता है और प्रकृति के अनुरूप हितकारी रंग-गुलाल का प्रयोग किया जाता है। कुमाऊं और गढ़वाल के अधिकांश हिस्सों में होली के प्रमुख रंगों में से एक बुरांश के फूलों से गुलाल बनाया जाता है। इसके अलावा किसमिस के फूलों से गुलाल तो गेंदे और आकरोट के फूलों से बनाया रंग प्रयोग किया जाता है। वहीं, कंडाली बिच्छू घास से बने रंग को शरीर एवं चेहरे पर चमक लाने के लिए गुणकारी बताया जाता है। यह पूरी तरह से हर्बल होता है और इसका कोई साइड इफैक्ट भी नहीं माना जाता।

बात होली की हो और रंगों के साथ जायके का तड़का न लगे। आलू के गुटके, चावल से बने चिप्स, सूजी के सिंगल, भांग की चटनी, गुलथिया, अरसा, रस्मी बड़ी और भरवां गहत चपातियां, ये ऐसे होली व्यंजन हैं जो होली के उल्लास भरे पर्व को यादगार बना देते हैं। घर-घर में आयोजित होने वाली महिला बैठकी होली में आलू और भांग की चटनी होली के स्वांग में स्वाद का खास पहचान है।

> कुमाऊनी होली की बात करें, तो बसंत से इसकी शुरुआत हो चुकी है, जो फागुन की पूर्णिमा तक अपने विविध रंग बिखेरेगी। यहां होली शीतकाल के अंत और नई फसल बोने के मौसम की शुरुआत का प्रतीक भी मानी जाती है।

आमने सामने

मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी अपनी इज़राइल यात्रा पर नेसेट को संबोधित करते हुए गाजा में हजारों बेगुनाह पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के नरसंहार का ज़िक्र करेंगे और उनके लिए न्याय की मांग करेंगे। हमें दुनिया को सच्चाई, शांति और न्याय कीरोशनी दिखाते रहना चाहिए।
–प्रियंका गांधी, कांग्रेस नेता

प्रियंका को सात अक्तूबर को इजराइल में हुए हमलों की याद नहीं है। 1200 से ज्यादा निर्दोष लोगों की हत्या और महिलाओं के अपहरण व अत्याचार की निंदा करने का नैतिक साहस प्रियंका में नहीं है।
–गौरव भाटिया
भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता

खेतों की मेढ़ पर खड़ा 'ग्लोबल वार्मिंग' का सच

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

प्रकृति के कैलेंडर में फरवरी का महीना आमतौर पर गुलाबी ठंड और बसंत की मंद बयार का प्रतीक माना जाता है। यह वह समय होता है, जब रबी की फसलें और आम के बगीचे अपने पूर्ण यौवन पर होते हैं, लेकिन साल 2026 की यह फरवरी डराने वाली है। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर, औरैया और बुंदेलखंड के पठारों से लेकर बिहार के कैमूर और समस्तीपुर तक, सूरज की तपिश ने समय से पहले ही मार्च के अंत वाले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फरवरी के मध्य में ही देश के एक बड़े हिस्से में पारा 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है, जो सामान्य से करीब 5 से 7 डिग्री अधिक है। यह केवल एक मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं है, बल्कि 'ग्लोबल वार्मिंग' का वह क्रूर चेहरा है, जो सीधे हमारी थाली और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रहार कर रहा है। हालिया समाचार और कृषि विश्वविद्यालयों के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि भारत में 'सर्दियों का संकुचन' अब एक स्थायी संकट बनता जा रहा है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे घातक प्रहार हमारी खाद्य सुरक्षा और 'फलों के राजा' आम पर हो रहा है। रबी की मुख्य फसल गेहूं के लिए फरवरी का दूसरा पखवाड़ा 'ग्रैन फिलिंग' यानी बालियों में दाना भरने की अवस्था का होता है। इस नाजुक दौर में अचानक बढ़ी गर्मी 'थर्मल स्ट्रेस' पैदा कर रही है। जब तापमान 30 डिग्री के ऊपर बना रहता है, तो पौधों के भीतर चयापचय की प्रक्रिया असामान्य रूप से तेज हो जाती है और दाना पूरी तरह विकसित होने से पहले ही सख्त होने लगता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'फोर्स्ड मेच्योरिटी' कहा जाता है। परिणाम स्वरूप, दाना छोटा, हल्का और झुर्रियों वाला रह जाता है। कृषि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि तापमान में इसी तरह की वृद्धि जारी रही, तो गेहूं की पैदावार में प्रति हेक्टेयर 15 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। सागर और औरैया के खेतों से आ रही रिपोर्टें बताती हैं कि गेहूं की बालियां समय से पहले सफेद पड़ रही हैं, जो सीधे तौर पर किसान की साल भर की मेहनत पर पानी फेरने जैसा है।

यही संकट बिहार के गौरव, आम के मंजरों पर भी मंडरा रहा है। विशेषज्ञ बताते हैं कि आम का पुष्पन जाड़े के अंत और बसंत की शुरुआत में स्थिर तापमान और मध्यम आर्द्रता में होता रहा है, किंतु तापमान की वर्तमान अनिश्चितता ने इस प्रक्रिया को 'रोलर-कोस्टर' बना दिया है। लगातार 27-30 डिग्री से ऊपर का तापमान मंजर को समय से पहले परिपक्व कर देता है, जिससे फूलों की गुणवत्ता घटती है और वे झड़ने लगते हैं। इसके विपरीत, यदि अचानक तापमान गिरता है, तो फूलों का खुलना असमान हो जाता है। सुबह की अत्यधिक नमी फफूंदजनित रोगों का जोखिम बढ़ा रही है, जबकि दोपहर की शुष्क हवा पराग के अंकुरण को बाधित कर रही है। नतीजा यह है कि या तो फूल गिर रहे हैं, या निषेचन के बाद भी फल टिक नहीं पा रहे हैं। पछिया हवा की बढ़ती तीव्रता ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है, जिससे मंजरों की यांत्रिक गिरावट बढ़ गई है।

बुंदेलखंड और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में इस साल पश्चिमी विक्षोभ की विफलता ने आग में घी का काम किया है। आमतौर पर सर्दियों में होने वाली 'मावट' या बारिश फसलों के लिए अमृत समान होती थी, लेकिन इस साल शुष्कता और बढ़ती गर्मी ने मिट्टी की नमी को सोख लिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में फरवरी के महीने में लू जैसी स्थितियों की आवृत्ति बढ़ी है। यह पैटर्न स्पष्ट संकेत दे रहा है कि भारत के मौसम चक्र से 'बसंत' ऋतु धीरे-धीरे गायब हो रही है और हम सीधे कंपकपाती सर्दी से झुलसाने वाली गर्मी के दौर में प्रवेश कर रहे हैं। इसका असर केवल गेहूं और आम पर ही नहीं, बल्कि सरसों और दलहन पर भी पड़ रहा है। सरसों की फलियों में तेल की मात्रा कम होने की आशंका है और चने के पौधों में फूल समय से पहले ही झड़ रहे हैं।

इस विकट परिस्थिति का निदान अब केवल पारंपरिक खेती के ढर्रे पर चलकर संभव नहीं है। हमें 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर' यानी जलवायु-अनुकूल कृषि की ओर युद्धस्तर पर बढ़ना होगा। मिट्टी की नमी बचाने के लिए गन्ने की सूखी पत्तियों, भूसे या सूखी घास से 'मल्चिंग' करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। यह तकनीक सतह के तापमान को स्थिर रखती है और पानी के वाष्पीकरण को रोकती है। इसके साथ ही, सूक्ष्म-सिंचाई (ड्रिप/स्प्रिंकलर) को अपनाकर 'कम पानी— ज़्यादा असर' के सिद्धांत पर काम करना होगा। बागों की मेढ़ों पर कटहल, बांस या नीम जैसे 'विंडब्रेक' (वायुरोधी अवरोध) लगाने चाहिए, ताकि तेज पछिया हवाओं से फूलों और फलों का बचाव हो सके। यह छोटे-छोटे प्रबंधन ही बड़े आर्थिक नुकसान को रोकने में सक्षम हैं। वैज्ञानिक परामर्श के अनुसार, पुष्पन के दौरान बोरॉन और जिंक जैसे सूक्ष्म-पोषक तत्वों का संतुलित छिड़काव फूलों की जीवन-क्षमता को बढ़ा सकता है। साथ ही, कीटों और रोगों के प्रबंधन के लिए मौसम-पूर्वानुमान आधारित छिड़काव ही कारगर होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

> फरवरी का महीना आमतौर पर गुलाबी ठंड और बसंत की मंद बयार का प्रतीक माना जाता है, लेकिन साल 2026 की यह फरवरी डराने वाली है।

सोशल फोरम

पेन के दिनों की बात

डॉ. शोभा जैन
साहित्यकार

वह दौर था जब प्रश्न लाल रंग से और उत्तर काले रंग से कॉपी में लिखा करते थे। मैंने नीली स्याही का उपयोग बाध्यता होने पर ही किया। सबकुछ सहज उपलब्ध नहीं होता था। महंगे पेन और सुंदर नेमप्लेट सब बहुत जतन से मिलता था.. इसलिए कॉपी के पहले पन्ने सुविचार के साथ शुरू होते थे, जिनकs अक्षर खराब होते थे, वो सुंदर अक्षर वालों से अपना नाम लिखवाते थे।

मुझे याद आता है शार्प बलू रेनॉल्ड (मक्खन जैसी लिखाई के लिए), पारकर (रईसी की अनुभूति), जेटर, जिन्हें परीक्षाओं के लिए ही ख़रीदा जाता था। लोग स्याही वाली पेन भूल चुके। मेरी पहली पसंद वही रही। मैंने नीले रंग से शायद ही लिखा होगा। काली स्याही सदा साथ, लेकिन हमारे आसपास सारी दुकानें मोबाइल की हैं। पेन से अधिक, लेकिन मैं कभी नहीं भूल सकती, इंक पेन मेरा जन्म ही पिताजी को स्याही के पेन से लिखते हुए देखकर हुआ। उनके अंतिम समय में मुझे उनके सारे पेन मिले। खाली रह चुके लाल बहीखातों के साथ।

देश के सबसे बड़े साक्षर प्रदेश केरल में एक महिला ने 'पेन-ड्राइव' अभियान की मुहिम छेड़ दी थी। तब केरल सरकार द्वारा स्कूलों और दफ्तरों में स्याही वाले पेन अनिवार्य करने का विचार जन्मा। मैंने एक पेन में लाल और नीली रिफिल को साथ भी चलाया। शिक्षकीय समय में अक्सर उसे सरकारी बाबू उपयोग करते थे उस समय। अक्सर शिक्षकों की भी पहचान हुआ करता था वह पेन। लाल रंग से गलतियों पर गोल घेरा बनाना और नीले से स्वयं के नोट्स।

डायरी और चिट्ठी में अनुभव लिखे जाते हैं, जैसे इस समूह में मुझसे भी कहा गया अपने अनुभव लिखने के लिए। विचारों का सैलाब बड़ा है, लेकिन कलम की भूमिका घटी है। इस बीच कभी-कभी धूमिल सफेद या ऑफ-वाइट रंग का अपना पुराना फाउंटेन पेन स्मृति में आ जाता है। 'पारकर' कंपनी कभी नहीं भूल सकती। हर अच्छे काम के बदले मुझे केवल पेन और डायरी का ही लालच रहता था उन दिनों।

सुगढ़ और साफ अक्षरों के नजरिए से प्राथमिक स्कूलों में स्याही वाले पेन का इस्तेमाल वर्जित था। पहली कक्षा से पांचवीं तक अधिकतर काम स्लेट-पट्टी पर बर्तने या खड़िया से होते थे, लेकिन पिताजी लेखपाल थे, इसलिए घर पर सुंदर मोटे कागज और बहीखाते के चिकने वाले आकार-प्रकार में अनूठे और स्याही के पेन मुझे बहुत जल्दी नसीब हो गए।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

शादी के बाद समायोजन बनता है बड़ी समस्या

डॉ. मनोज तिवारी
बीएचयू, वाराणसी

अध्ययनों के अनुसार 22.6% महिलाएं और 20.70% पुरुष वैवाहिक समायोजन की समस्या का सामना करते हैं। दुखी वैवाहिक जीवन जीने वाले व्यक्तियों में खुशहाल वैवाहिक जीवन जीने वालों की तुलना में अवसाद से पीड़ित होने की संभावना 25 गुना अधिक होती है। 2-3 वर्ष में जोड़े एक-दूसरे को समझने लगते हैं और अपने जीवन स्थितियों को स्वीकार करने लगते हैं। जो लोग अपने दृष्टिकोण को बदल नहीं पाते या जीवन में बदलाव नहीं ला पाते, वे समायोजन की समस्या का सामना करते हैं। निराशा का दौर आने लगता है, जब 'सपनों का राजकुमार' अपनी चमक खो बैठता है या 'प्रिय पत्नी' उम्मीदों पर खरी न उतरती है। समय की कमी, पैसे की समस्या, संतानोत्पत्ति की समस्या, यौन संबंध में तालमेल बिठाने की चुनौतियां समायोजन के लिए समस्या बनती हैं।

विवाह के बाद समायोजन की समस्याएं होना आम है। घरेलू जिम्मेदारियों के कारण अपने सपनों, कैरियर व व्यक्तिगत रुचियों के लिए समय कम मिलना विवाह के बाद आम बात है। जिम्मेदारियों बढ़ने के साथ साथ स्वतंत्रता बाधित होती जाती है। संयुक्त परिवार में सास-बहू के बीच तालमेल की कमी या निजी मामलों में परिजनों का हस्तक्षेप समायोजन की समस्या खड़ा करता है। मो'बा'इल के कारण आजकल वधू पक्ष के अत्यधिक हस्तक्षेप के कारण भी दिक्कतें आ रहीं हैं।

परिवार के सदस्यों में आपसी बातचीत में कमी के कारण गलतफहमियां उत्पन्न होतीं हैं, जो समायोजन को गड़बड़ करती हैं। अलग-अलग विचारधाराओं के कारण आपसी तनाव व कलह उत्पन्न होता है। ऐसी स्थिति दूसरे धर्म में शादी करने या अन्तर्जातीय विवाह में अधिक होता है। कैरियर व घर (ससुराल) के बीच संतुलन बनाने में कठिनाई के कारण समायोजन की समस्या आती है। दोनो के जॉब करने से अनेक समस्याएं आती हैं। एक का दूसरे पर आर्थिक रुप से निर्भर रहने पर न केवल आर्थिक बोझ एक व्यक्ति पर पड़ता है, बल्कि समायोजन भी प्रभावित होता है। भावनात्मक रूप से अलग-थलग महसूस करने से भी वैवाहिक जीवन में समस्या खड़ी होती है।

समस्या छोटी-मोटी बातों से शुरू होती है। आलोचना की शुरुआत शिकायत से होती है। जीवन साथी में ऐसी कई बातें होती हैं, जो दूसरे को परेशान करती हैं। जो वैवाहिक जीवन में गंभीर समस्याएं पैदा करती हैं। आलोचना में व्यक्ति के व्यक्तित्व व चरित्र पर हमला किया जाता है। आलोचना अक्सर अवमानना में बदलती है। जब साथी को अपमानित व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के इरादा से होता तो इसके पीछे अक्सर साथी के बारे में बेहद नकारात्मक विचार होता है, जैसे कि वह कितना मूर्ख, घृणित, अक्षम है। ऐसे में एक-दूसरे के प्रति प्रेम दिखाना मुश्किल होता है, जिससे समस्याएं घटने के बजाय बढ़ती हैं।

अधिकांशतः अपमान की प्रतिक्रिया में रक्षात्मकता आती है। रक्षात्मकता में ज़िम्मेदारी से इनकार करना, बहाने बनाना, आलोचना को साथी पर थोपना, खुद शिकायत करना, साथी की शिकायत का जवाब शिकायत से देना। ये सभी व्यवहार साथी की शिकायत को समझने व व्यवहार को बदलने की कोशिश करने के विपरीत है। इससे समस्या कभी हल नहीं होती है। जब दंपत्ति अपनी समस्याओं के समाधान की ओर आगे नहीं बढ़ पाते हैं, तो अक्सर एक साथी बातचीत में चुप्पी साधना शुरू करता है। इसका मतलब है कि जब दूसरा साथी उन पर गुस्सा होता है, तो वह कोई प्रतिक्रिया नहीं देता है, जिससे समायोजन की समस्या बढ़ती जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

कैम्पस

वर्ड स्मिथ

कहां से आया रेस्टोरेंट शब्द

रेस्टोरेंट (Restaurant) शब्द की उत्पत्ति 18वीं शताब्दी के मध्य (लगभग 1765) में फ्रांस (पेरिस) में हुई, माना जाता है। यह फ्रेंच शब्द restaurer से निकला है, जिसका मतलब है 'पुनर्स्थापित करना' या 'ताजगी देना'।

मूल रूप से, यह पौष्टिक और शक्तिवर्धक सूप (soup) को संदर्भित करता था, जो थके हुए यात्रियों को ताज़ा करता था।
1765 में, पेरिस में बोलेंजर (Boulanger) नामक एक व्यक्ति ने ऐसा स्थान खोला, जहां स्वास्थ्यवर्धक 'रेस्टोरेंट' (शोरबा) मिलता था। शुरू में, यह 'वह जो शक्ति बहाल करता है' (restoring) के अर्थ में प्रयोग किया जाता था। बाद में, यह उन सभी भोजनालयों के लिए इस्तेमाल होने लगा, जहां बैठकर भोजन किया जाता है। इसका संबंध प्राचीन लैटिन शब्द restaurare से भी जोड़ा जाता है। इसका अर्थ मरम्मत या नवीकरण करना है।
संक्षेप में, रेस्टोरेंट वह स्थान था, जिसे शरीर को 'पुनर्स्थापित' या तरोताज़ा करने के लिए पौष्टिक भोजन परोसने के लिए किया जाता था।

नोटिस बोर्ड

रोजगार मेले का आयोजन

- जौनपुर में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत 28 फरवरी 2026 को राजकीय आईटीआई सिद्दीकपुर, जौनपुर में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में युवाओं को 12 हजार से लेकर 35 हजार रुपये प्रतिमाह तक की नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने बताया कि शासन की मंशा और जिलाधिकारी के निर्देशानुसार यह रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जिले के अधिक से अधिक शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि मेले में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की 60 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा लेंगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

- महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत अंशकालिक कार्यक्रम समन्वयक पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पद से संबंधित शैक्षणिक योग्यता, पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रिया तथा अंतिम तिथि की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत विवरण और आवेदन लिंक के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट अवश्य देखें।

विदेशी विश्वविद्यालय अवसर या असमानता?

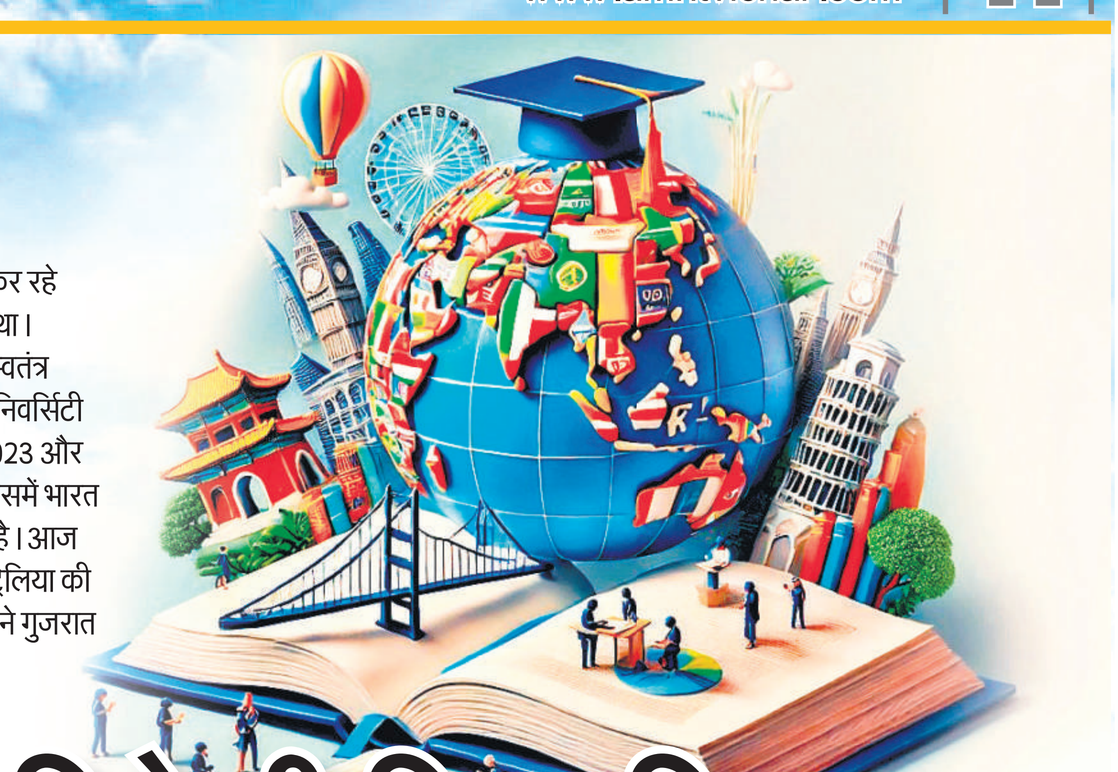

नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय भारत में अपने कैंपस स्थापित करने की तैयारी कर रहे हैं। भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में यह टर्निंग पॉइंट 2023-24 से आया था। तभी से दुनिया के नामी विश्वविद्यालयों ने हमारे देश की जमीन पर अपने स्वतंत्र कैंपस खोलना शुरू किया। यह बदलाव यूं ही नहीं आया। इसके पीछे है यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के फॉरेन हायर एजुकेशनल इंस्टिट्यूशंस रेगुलेशंस- 2023 और नेशनल एजुकेशन पॉलिसी-2020 की वह सोच, जिसमें भारत को 'वैश्विक शिक्षा केंद्र' बनाने का सपना देखा गया है। आज यह सपना धीरे-धीरे हकीकत में बदल रहा है। ऑस्ट्रेलिया की डीकिन यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ़ वोलोंगोंग ने गुजरात में पढ़ाई शुरू करवा दी है। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथैम्प्टन, गुरुग्राम में अपना कैंपस खोल चुकी है। हैंइलिनॉय इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ लिवरपूल, यूनिवर्सिटी ऑफ़ यॉर्क, यूनिवर्सिटी ऑफ़ ब्रिस्टल, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, कोवेंट्री यूनिवर्सिटी और क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट को भारत में कैंपस खोलने के लिए लेटर ऑफ इंटेंट मिल चुका है। सवाल यह नहीं है कि विदेशी विश्वविद्यालय आ रहे हैं। असली सवाल है-इससे भारत को क्या मिलेगा, क्या खो सकता है और इसे कैसे संतुलित किया जाए?

राजेश जैन
लेखक

भारत इसलिए बना विदेशी विश्वविद्यालयों का नया ठिकाना

भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा युवा बाजार है। 30 वर्ष से कम उम्र की आबादी 50 प्रतिशत से ज्यादा है, लेकिन उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात अभी भी लगभग 30 प्रतिशत के आसपास है। यानी करोड़ों युवा ऐसे हैं, जो बेहतर शिक्षा के मौके तलाश रहे हैं। दूसरी ओर, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों के विश्वविद्यालय घरेलू नामांकन में ठहराव और सरकारी फंडिंग में कटौती झेल रहे हैं। हालिया वीजा सख्ती ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या भी प्रभावित की है। ऐसे में भारत उनके लिए हाई-पोटेंशियल मार्केट बनकर उभरा है। यहां अंग्रेजी बोलने वाले छात्र हैं, उभरता मध्यम वर्ग है और अंतर्राष्ट्रीय डिग्री की मजबूत मांग है। आसान शब्दों में कहें, तो यह विन-विन मॉडल है-विदेशी संस्थानों को नया बाजार, भारत को ग्लोबल एजुकेशन का एक्सेस।

घर बैठे मिलेगी विदेशी डिग्री

सबसे बड़ा फायदा है-घर बैठे विदेशी डिग्री। अब भारतीय छात्रों को मास्टर्स या स्पेशलाइज्ड कोर्स के लिए विदेश जाने, लाखों की फीस, वीजा तनाव और महंगे जीवनयापन का सामना नहीं करना पड़ेगा। अनुमान है कि भारत में वही डिग्री 25-30 प्रतिशत कम लागत में मिल सकेगी। इसके साथ उनको अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम, इंडस्ट्री-फोकस्ड ट्रेनिंग, ग्लोबल फैकल्टी एक्सपोजर, बेहतर रिसर्च कल्चर भी मिलेंगे। बिजनेस एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, फिनटेक, कंप्यूटिंग जैसे कोर्स सीधे भविष्य की नौकरियों से जुड़े हैं। इससे स्किल गैप कम हो सकता है और भारतीय ग्रेजुएट्स की ग्लोबल एम्प्लॉयबिलिटी बढ़ सकती है।

प्रतिभा पलायन पर लगेगी रोक

2019 में करीब 5.8 लाख भारतीय छात्र विदेश गए थे। 2023 में यह संख्या 9 लाख तक पहुंच गई। इनमें से 75 प्रतिशत से ज्यादा वहीं बसने की इच्छा रखते हैं। इसका मतलब-देश से प्रतिभा भी जा रही है और अरबों डॉलर विदेशी मुद्रा भी। अगर यही गुणवत्ता भारत में उपलब्ध हो जाए, तो "ब्रेन ड्रेन" की जगह "ब्रेन रिटेंशन" संभव है। विदेशी कैंपस देश के भीतर ही अंतर्राष्ट्रीय माहौल तैयार कर सकते हैं।

रिसर्च और अकादमिक सुधार का मौका

विदेशी विश्वविद्यालय सिर्फ क्लासरूम नहीं लाते-वे साथ लाते हैं रिसर्च कल्चर, गवर्नेंस मॉडल और अकादमिक डिसिप्लिन। संयुक्त रिसर्च सेंटर, फैकल्टी एक्सचेंज और साझा प्रोजेक्ट्स के जरिए भारतीय संस्थानों की क्षमता बढ़ सकती है। पहले से ही भारत के पास मजबूत आधार है-जैसे इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरु और यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली जैसे संस्थान। सही सहयोग हुआ, तो भारत सिर्फ स्टूडेंट-सोर्स देश नहीं रहेगा, बल्कि नॉलेज-प्रोड्यूसर बनेगा।

लचीलापन और जवाबदेही दोनों जरूरी

यूजीसी ने विदेशी विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रम, फीस और प्रवेश में काफी स्वायत्तता दी है ताकि वे तेजी से काम शुरू कर सकें, लेकिन अब जरूरत है स्मार्ट रेगुलेशन की। हमें ऐसा मॉडल चाहिए, जिसमें टॉप-रैंक संस्थानों को ऑपरेशनल फ्रीडम मिले, फीस स्ट्रक्चर पारदर्शी हो, छात्र अधिकार सुरक्षित रहें, न्यूनतम छात्रवृत्ति को अनिवार्य किया जाए और अकादमिक गुणवत्ता की नियमित ऑडिट हो।

देश को इस रणनीति की दरकार

हर विदेशी कैंपस में इडब्यूएस और वंचित वर्ग के लिए स्कॉलरशिप अनिवार्य की जाए, अकेले कैंपस नहीं-भारतीय संस्थानों के साथ साझा मॉडल को बढ़ावा दिया जाए, रिसर्च और फैकल्टी डेवलपमेंट को प्राथमिकता मिले, सिर्फ टीचिंग तक सीमित न रहा जाए, पाठ्यक्रमों का भारतीयकरण हो ताकि वे यहां की अर्थव्यवस्था, समाज और उद्योग से जुड़े रहें और दीर्घकाल में भारत को अपनी "आईवी लीग" तैयार करनी होगी, जहां आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे संस्थान वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष पर हों। विदेशी विश्वविद्यालयों का भारत आना सिर्फ शिक्षा सुधार नहीं-यह कूटनीति, अर्थव्यवस्था और सॉफ्ट पावर से भी जुड़ा है। सही नीति के साथ यह पहल भारत को एशिया का एजुकेशन हब बना सकती है, लेकिन अगर इसे केवल बाजार के हवाले छोड़ दिया गया, तो यह अमीरों की शिक्षा बनकर रह जाएगी। आज भारत एक दोराहे पर खड़ा है-एक रास्ता वैश्विक ज्ञान नेतृत्व की ओर जाता है, दूसरा नई शैक्षिक असमानता की तरफ। फैसला हमें करना है।

कुछ चिताएं भी हैं

- सबसे बड़ी चिंता है-वहनीयता। विदेशी कैंपस की फीस भले विदेश से कम हो, लेकिन भारतीय औसत आय के हिसाब से यह अभी भी बहुत ज्यादा है। खतरा यह है कि ये संस्थान सिर्फ अमीर वर्ग तक सीमित रह जाएं। इससे शिक्षा में सामाजिक असमानता और गहरी हो सकती है-जो नई शिक्षा नीति- 2020 के समावेशी शिक्षा के लक्ष्य के खिलाफ है।
- दूसरी चुनौती है-व्यावसायीकरण। अगर रेगुलेशन कमजोर रहा, तो कुछ विदेशी संस्थान शिक्षा को प्रोडक्ट की तरह बेच सकते हैं। चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया के उदाहरण बताते हैं कि कम नामांकन और ऊंची लागत के कारण कई विदेशी कैंपस कुछ साल में बंद भी हो गए।
- तीसरा मुद्दा है-स्थानीय प्रासंगिकता। अगर पाठ्यक्रम भारतीय सामाजिक-आर्थिक जरूरतों से कटे रहे, स्थानीय फैकल्टी शामिल न हो और इंडियन कॉन्टेक्स्ट गायब हो तो ये कैंपस "एलिट आइलैंड" बनकर रह जाएंगे।

किस्सा कैंपस का

कला हो या विज्ञान जीत जाओगे तो सिकंदर कहलाओगे

बात साल 1990 की है। मैंने इंटरमीडिएट परीक्षा पास की थी। 51 प्रतिशत मात्र मैं इंटरमीडिएट में ला पाया था। मुझे अब कॉलेज में प्रवेश लेना था। हल्द्वानी शहर में एमबी डिग्री कॉलेज ही एकमात्र उच्च शिक्षा का संस्थान था। जुलाई का उमस से भरा हुआ दिन, मैं अपने बड़े भाई जो पंतनगर विश्वविद्यालय में पढ़ते थे, उनके साथ एमबी डिग्री कॉलेज आया। स्कूल की बंधनों से भरी हुई जिंदगी से बाहर निकल कर अब हम कॉलेज की जिंदगी में आ रहे थे।
एमबी डिग्री कॉलेज के बड़े से फील्ड में बहुत सारे लड़के लड़कियां घूम रहे थे। मैं बीएससी करना चाहता था लेकिन मेरे प्रतिशत कम थे। खैर अपने बड़े भाई के साथ मैं उस कक्षा में गया, जहां बीएससी में एडमिशन दिया जा रहा था। मैं काउंसिलिंग के लिए वहां गया, पता चला कि बीएससी में प्रवेश की कम से कम मेरिट 58 प्रतिशत की है जबकि मेरे मात्र 51 प्रतिशत थे। काउंटर पर पता चला कि वेटिंग में कुछ नीचे तो आ सकता है लेकिन कई वर्षों से 55 प्रतिशत से नीचे मेरिट कभी नहीं गई है इसलिए बीएससी में प्रवेश नहीं मिल सकेगा हां अगर बायोलॉजी वाले हैं तो कुछ उम्मीद की जा सकती है लेकिन सच्चाई यह थी कि मेरे पास इंटरमीडिएट में बायोलॉजी के सब्जेक्ट ही नहीं थे इसलिए वह रास्ता तो वैसे ही मेरे लिए बंद था।
मैं बहुत निराश था। मैंने कुछ लोगों से बात की। एमबी डिग्री कॉलेज के कुछ कर्मचारी हमारे जानने वाले थे। उनसे मिलने गया और उन्होंने भी स्पष्ट कर दिया कि बीएससी में मुझे एडमिशन नहीं मिल पाएगा। दूसरा चारा यह था कि मैं बीकॉम में एडमिशन ले लूं लेकिन कॉमर्स मेरी इंटरमीडिएट में नहीं थी और मेरे समझ से बहुत बाहर भी थी। अब एक ही रास्ता बसता था कि बीए में एडमिशन लेने का। इस दौरान हम दोनों भाई कला संकाय के एक प्राचार्य से मिले और उन्हें बताया तो उन्होंने भी यही कहा कि इतने कम प्रतिशत में केवल ह्यूमैनिटीज के सब्जेक्ट ही लिए जा सकते हैं और बेहतर होगा कि आपका भाई कॉलेज से बीए में प्रवेश ले ले। मैं बहुत निराश था क्योंकि बीए करने वालों का भविष्य उस समय बहुत अच्छा नहीं माना जाता था लेकिन वह प्राचार्य महोदय जो कि अर्थशास्त्र पढ़ाया करते थे, वह प्रोफेसर रौतेला थे, उन्होंने बताया कि ऐसा नहीं है कि बीए करने से सारे रास्ते बंद हो जाते हैं। अगर वास्तव में आप कुछ करना चाहते हो तो बहुत सारी कॉम्पिटेटिव परीक्षाओं की तैयारी आर्ट्स में रहते हुए आप बेहतर कर सकते हो क्योंकि आप ज्यादा समय परीक्षा की तैयारी में लगा सकते हो और परीक्षाओं की तैयारी में आर्ट्स के विषय सामान्य अध्ययन की तैयारी में भी मददगार हो सकते हैं। आप बीए में प्रवेश लें और उन्होंने तमाम ऐसे लोगों के नाम बताएं जिन्होंने बीए करने के पश्चात आईएएस, पीसीएस एसएससी और विभिन्न सरकारी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की और अफसर बने। कोई और चारा नही देखते हुए अंतत: मैंने भी यही निर्णय लिया और बीए में प्रवेश ले लिया। प्रोफेसर रौतेला के सुझाव से मैंने इतिहास, अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान विषय लिया और मन में धारण कर लिया कि अब मुझे सरकार के किसी अफसर की पोजीशन को पाना है। कैंपस का यह पहला दिन हमेशा मेरे जहन में रहा, बीए चलता रहा, लेकिन मस्तिष्क में यह बात लगातार बनी रही कि सरकारी परीक्षाओं की तैयारी करनी है और यही वह दिन था, जब मेरी मेरे जीवन में टर्निंग पॉइंट आया और मैं एक विज्ञान का छात्र, एक कला वर्ग के छात्र के रूप में परिवर्तित हुआ और कालांतर में उत्तर प्रदेश पीसीएस एवं उत्तराखंड पीसीएस दोनों परीक्षा में सफलता प्राप्त करते हुए दो-दो सरकारी नौकरियां प्राप्त की और वर्तमान में आरटीओ के पद पर अपनी सेवाएं दे रहा हूं। इससे पूर्व उत्तर प्रदेश सरकार में 8 वर्ष डिप्टी जेलर के रूप में अपनी सेवा दे चुका हूं। कला हो या विज्ञान जीत जाओगे तो सिकंदर कहलाओगे और यही कैंपस के पहले दिन की सीख थी, जो आज भी अनुभूत होती है।

विमल पांडेय
आरटीओ, पौड़ी गढ़वाल संभाग (उत्तराखंड)

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने यह उपलब्धि कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान हासिल की। अपने 356वें अंतरराष्ट्रीय मैच के साथ, हरमनप्रीत ने न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सूजी बेट्स को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने पहले 355 मैचों के साथ यह रिकॉर्ड बनाया था। यह ऐतिहासिक उपलब्धि महिला क्रिकेट की महानतम खिलाड़ियों में से एक के रूप में हरमनप्रीत कौर की विरासत को और मजबूत करती है।
- हाल ही में बोंग ने बाफ्टा अवाड्र्स 2026 में सर्वश्रेष्ठ बाल एवं पारिवारिक फिल्म श्रेणी जीतकर इतिहास रच दिया है। मणिपुरी भाषा में बनी यह पहली भारतीय फिल्म प्रतिष्ठित ब्रिटिश अकादमी फिल्म अवाड्र्स में इस श्रेणी में पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है। फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी द्वारा समर्थित, बोंग इस वर्ष एकमात्र भारतीय नामांकित फिल्म थी और इसने क्षेत्रीय भारतीय कहानी कहने को वैश्विक पहचान दिलाई।
- माइक्रोसॉफ्ट ने आशा शर्मा को माइक्रोसॉफ्ट गेमिंग का नया सीईओ और एक्सबॉक्स का प्रमुख नियुक्त किया है, जो 2026 में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन का संकेत है। भारतीय मूल की यह कार्यकारी लंबे समय से एक्सबॉक्स के प्रमुख रहे फिल स्पेंसर का स्थान लेंगी, जो 2014 से इस विभाग का नेतृत्व करने के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

जॉब अलर्ट

यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन

- पद का नाम-टाइप ग्रुप A और ग्रुप B सर्विसेज़
- पदों की संख्या 933
- पद- IAS, IPS, IFS, IRS, इंडियन ऑडिट एंड अकाउंट्स, DANICS, DANIPS, और दूसरी सेंट्रल सर्विसेज़
- योग्यता- ग्रेजुएट डिग्री (कोई भी डिसिप्लिन)
- आयु- 21–32 साल (01-08-2026 को)
- एग्जाम स्टेज प्रीलिमिनरी, मेन, इंटरव्यू
- आवेदन की आखिरी तारीख 27/02/2026
- वेबसाइट www.upsc.gov.in

ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (AIIMS)

- पद का नाम-नर्सिंग ऑफिसर
- पदों की संख्या-2551
- सैलरी पे लेवल-07 पे मैट्रिक्स में (प्री-रिवाइज़्ड पे बैंड-2 9300-34800 के साथ ग्रेड पे 4600/-)
- योग्यता- B.Sc. (ऑनर्स) नर्सिंग / B.Sc. नर्सिंग या पोस्ट बेसिक B.Sc. नर्सिंग या जनरल नर्सिंग और मिडवाइफरी में डिप्लोमा, वैलिड रजिस्ट्रेशन के साथ + 2 साल का एक्सपीरियंस (डिप्लोमा होल्डर्स के लिए)
- आयु- 18 से 30 साल
- आवेदन की आखिरी तारीख 16.03.2026
- वेबसाइट www.aiimsexams.ac.in

स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया (SBI)

- पद का नाम- असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट (IS ऑडिट) - कॉन्ट्रैक्ट पर, डिप्टी मैनेजर (IS ऑडिट) - रेगुलर, डिप्टी मैनेजर (चार्टर्ड अकाउंटेंट-इंटरनल ऑडिट)-रेगुलर
- जॉब टाइप रेगुलर / कॉन्ट्रैक्ट पर
- योग्यता- BE/BTech/BSc/MTech/MSc/MCA/BCA/CA संबंधित सब्जेक्ट में
- सिलेक्शन प्रोसेस शॉर्टलिस्टिंग और इंटरव्यू (कॉन्ट्रैक्ट के लिए CTC नेगोशिएशन के साथ)
- जॉब लोकेशन मुंबई / हैदराबाद / मोबाइल ड्यूटी / सर्कल ऑडिट ऑफिस
- आवेदन की अंतिम तिथि-15/03/2026
- वेबसाइट https://sbi.co.in

इंटीरियर डेकोरेशन: क्रिएटिविटी और मॉडर्न लाइफ स्टाइल का नया भविष्य

आज के दौर में एक सुंदर और सुव्यवस्थित घर केवल विलासिता की वस्तु नहीं, बल्कि मानसिक शांति और व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति बन चुका है। यही कारण है कि इंटीरियर डेकोरेशन उन विद्यार्थियों के लिए एक स्वर्णिम अवसर बनकर उभरा है, जिनकी सोच लीक से हटकर है और जो रंगों, आकृतियों तथा सजावट के माध्यम से कहानियां बुनना जानते हैं। बदलती लाइफस्टाइल ने इस क्षेत्र को व्यावसायिक रूप से इतना समृद्ध कर दिया है कि अब यह केवल बड़े बंगलों तक सीमित न रहकर मध्यम वर्गीय घरों, कॉर्पोरेट ऑफिसों, कैफे और स्टार्टअप्स की प्राथमिक जरूरत बन गया है। यदि आप में रचनात्मकता का बीज है और आप तकनीकी बारीकियों को समझने का धैर्य रखते हैं, तो इंटीरियर डेकोरेशन का क्षेत्र आपको न केवल आर्थिक संपन्नता देगा, बल्कि हर नए प्रोजेक्ट के साथ आपकी कला को एक नई पहचान भी प्रदान करेगा।

कला और विज्ञान का संतुलन

इंटीरियर डेकोरेशन को अक्सर केवल सजावट मान लिया जाता है, लेकिन वास्तव में यह किसी स्थान के अंदरूनी हिस्से को इस तरह रूपांतरित करने की कला है कि वह देखने में आकर्षक होने के साथ-साथ रहने के लिए आरामदायक भी हो। इसमें दीवारों के रंगों के चुनाव से लेकर फर्नीचर की बनावट, पर्दों का कपड़ा, लाइटिंग का कोण और फर्श के टेक्सचर तक हर छोटी चीज पर ध्यान दिया जाता है। एक सफल डेकोरेटर वह है, जो क्लाइंट की जरूरतों को समझे और सीमित बजट व स्थान में सर्वोत्तम परिणाम दे सके। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को डिजाइन के सिद्धांत, स्पेस प्लानिंग और सामग्री (मटेरियल) की पहचान सिखाई जाती है। उन्हें यह भी सिखाया जाता है कि कैसे लाइटिंग के जरिए किसी छोटे कमरे को बड़ा दिखाया जा सकता है या कैसे रंगों के सही इस्तेमाल से ऑफिस के माहौल को तनावमुक्त बनाया जा सकता है।

शैक्षणिक विकल्प और पाठ्यक्रम

इंटीरियर डेकोरेशन में करियर बनाने के लिए कई तरह के कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिन्हें आप अपनी शैक्षणिक योग्यता और समय के अनुसार चुन सकते हैं:

सर्टिफिकेट कोर्सेज (6 माह से 1 वर्ष): यह उन लोगों के लिए है जो बेसिक स्किल्स जल्दी सीखकर काम शुरू करना चाहते हैं।

डिप्लोमा कोर्सेज (1 से 2 वर्ष): इसमें डिजाइनिंग की अधिक गहराई से जानकारी दी जाती है।

बैचलर डिग्री (3 से 4 वर्ष): जैसे B.Des या B.Sc इन इंटीरियर डिजाइन। यह एक व्यापक डिग्री है जो आपको ग्लोबल स्टैंडर्ड्स की समझ देती है।

मास्टर्स डिग्री (2 वर्ष): ग्रेजुएशन के बाद विशेषज्ञता (Specialization) हासिल करने के लिए।

करियर की संभावनाएं और आय

इस फील्ड में करियर के विकल्प बेहद विविधतापूर्ण हैं। कोर्स पूरा करने के बाद आप निम्नलिखित क्षेत्रों में हाथ आजमा सकते हैं।

इंटीरियर डेकोरेटर: घरों और ऑफिसों का मेकओवर करना।

सेट डिजाइनर: फिल्मों, टीवी शो और थिएटर के लिए सेट तैयार करना।

फर्नीचर कंसल्टेंट: मॉड्यूलर किचन और मॉडर्न फर्नीचर फर्म्स में काम करना।

फ्रीलांसर: खुद की कंसल्टेंसी खोलकर स्वतंत्र रूप से प्रोजेक्ट्स लेना।

सैलरी पैकेज: इस क्षेत्र में शुरुआत 2 से 4 लाख रुपये प्रति वर्ष से होती है। लेकिन, जैसे-जैसे आपका पोर्टफोलियो और अनुभव बढ़ता है, आपकी आय की कोई सीमा नहीं रहती। एक स्थापित इंटीरियर डेकोरेटर साल के 15-20 लाख रुपये से लेकर करोड़ों में कमा सकता है।

भारत के प्रमुख शिक्षण संस्थान

बेहतर भविष्य के लिए सही संस्थान का चयन अनिवार्य है। भारत के कुछ टॉप कॉलेज जहां आप आवेदन कर सकते हैं।

- **नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन अहमदाबाद:** देश का सबसे प्रतिष्ठित डिजाइन संस्थान।
- **नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी:** यहां के डिजाइन कोर्स विश्व स्तर पर मान्य हैं।
- **पर्ल एकेडमी:** आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री एक्सपोजर के लिए मशहूर।
- **JD इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी:** यहां प्रैक्टिकल लर्निंग पर अधिक जोर दिया जाता है।
- **Arch एकेडमी ऑफ डिजाइन:** जयपुर स्थित यह संस्थान अपनी क्रिएटिविटी के लिए जाना जाता है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	82,276.07	25,482.50
बढ़त	50.15	57.85
प्रतिशत में	0.06	0.23

सोना 1,64,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,77,900 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, गुरुवार, 26 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

फ्लाई91 के बेड़े में शामिल हुए दो और विमान

दुबई। क्षेत्रीय विमान सेवा कंपनी फ्लाई91 के बेड़े में दो नये एटीआर72-600 विमान शामिल हुए जिनका इस्तेमाल एयरलाइन अपने नेटवर्क विस्तार के लिए करेगी। एयरलाइन ने बुधवार को बताया कि उसने ये विमान संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी दुबई एयरोस्पेस एंटरप्राइजेज से लिये हैं। कंपनी के बेड़े में विमानों की संख्या बढ़कर अब छह हो गयी है। फ्लाई91 के नेटवर्क में वर्तमान में मोपा (गोवा), अगाती (लक्षद्वीप) सोलापुर, जलगांव, सिंधुदुर्ग, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोच्चि शामिल हैं। एयरलाइंस ने मार्च 2026 के अंत तक छह नये शहरों को अपने नेटवर्क में शामिल करने की घोषणा की है। नये गंतव्यों में आंध्र प्रदेश में राजमुंद्री और विजयवाड़ा, कर्नाटक में हुबली, महाराष्ट्र में नांदेड़, दक्षिणी गोवा में डाबोलिम और मध्य प्रदेश में इंदौर शामिल हैं।

रुपया चार पैसे की बढ़त के साथ 90.91 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। कमजोर डॉलर और विदेशी कोषों का निवेश बढ़ने के बीच अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया सीमित दायरे में बना रहा और डॉलर के मुकाबले चार पैसे बढ़कर 90.91 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, हालांकि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण रुपये पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, रुपया डॉलर के मुकाबले 90.94 पर खुला और पूरे सत्र में 90.96-90.88 के एक सीमित दायरे में रहने के बाद अंत में 90.91 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से चार पैसा अधिक है। मंगलवार को, डॉलर के मुकाबले रुपया छह पैसे टूटकर 90.95 पर बंद हुआ था।

ल्युपिन के कार्यालय पर जीएसटी की जांच शुरू

नयी दिल्ली, एजेंसी। दवा कंपनी ल्यूपिन लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र जीएसटी विभाग ने मुंबई स्थित उसके पंजीकृत कार्यालय पर जांच और तलाशी की कार्रवाई शुरू की है। ल्यूपिन ने शेयर बाजार को बताया कि जीएसटी के भुगतान और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के दावे आदि से संबंधित दस्तावेजों की जांच के लिए विभाग ने यह कार्रवाई 25 फरवरी, 2026 को सुबह 11:50 बजे शुरू की। कंपनी ने आगे कहा कि वह अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है और आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज उपलब्ध करा रही है। ल्युपिन ने साफ किया कि इस जांच और तलाशी का कंपनी की वित्तीय स्थिति, कामकाज या अन्य गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

आरबीआई दो मार्च को करेगा बॉन्ड की नीलामी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दो मार्च को 25,000 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड की ''अदला-बदली नीलामी'' करने की बुधवार को घोषणा की। अदला-बदली नीलामी के तहत सरकार जल्द परिपक्व होने वाले बॉन्ड को लंबी अवधि वाले नए बॉन्ड से बदल देती है। इससे एक ही साल में बड़ी रकम चुकाने का दबाव कम होता है और भुगतान की समय-सीमा आगे खिसक जाती है।

टैक्स नियम सख्त: अब मकान मालिक से रिश्ते का भी देना होगा हिसाब

पहली अप्रैल 2026 से लागू होगा नया आयकर अधिनियम

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर आप अपने किसी रिश्तेदार के घर में रहकर हाउस रेंट अलाउंस का क्लेम करते हैं, तो अब आपको सावधान होने की जरूरत है। सरकार ने नया आयकर अधिनियम, 2025 के तहत नियमों और फॉर्म का मसौदा जारी कर दिया है। ये नए नियम 1 अप्रैल, 2026 से लागू होंगे, जिनका उद्देश्य टैक्स चोरी रोकना और पारदर्शिता बढ़ाना है। ये बदलाव संकेत देते हैं कि सरकार अब केवल कागजी कार्रवाई पर नहीं, बल्कि 'डिजिटल फुटप्रिंट्स' और ऑडिटर्स की सक्रियता के जरिए टैक्स चोरी के हर रास्ते को बंद करना चाहती है।

● सरकार केवल कागजी कार्रवाई पर नहीं, बल्कि डिजिटल फुटप्रिंट्स और ऑडिटर्स की सक्रियता के साथ रोकना चाहती है टैक्स चोरी

क्या होगा असर?

केंद्र सरकार ने आयकर अधिनियम, 2025 के जरिए कर प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी बनाने की तैयारी कर ली है। नए नियमों का मसौदा न केवल आम आदमी के एचआरए दावों पर नजर रखेगा, बल्कि कंपनियों और ऑडिटर्स की जवाबदेही भी कई गुना बढ़ा देगा। अब आयकर विभाग के लिए यह ट्रैक करना आसान होगा कि कहीं लोग केवल कागजों पर अपने परिवार के सदस्यों को किराया दिखाकर टैक्स तो नहीं बचा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे वास्तविक किरायेदारों को समस्या नहीं होगी, लेकिन टैक्स बचाने के लिए अपनाए जाने वाले 'जुगाड़' अब भारी पड़ सकते हैं।

हाउस रेंट अलाउंस के दावों में अब क्या बदलेगा?

नए नियमों के तहत जारी होने वाले फॉर्म-124 में करदाताओं के लिए नई शर्तें जोड़ी गई हैं। करदाता को स्पष्ट रूप से बताना होगा कि जिस मकान मालिक को वह किराया दे रहा है, उससे उसका पारिवारिक या अन्य संबंध तो नहीं है। वर्तमान में कर्मचारी केवल किराये का विवरण देते हैं। टैक्स बचाने के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

ऑडिटर की 'कमेंट्री' का आय पर असर

अब यदि वैधानिक ऑडिटर कंपनी के मुनाफे या राजस्व पर आपत्ति या प्रतिकूल टिप्पणी करता है, तो उसे स्पष्ट करना होगा कि इस का टैक्स योग्य आय पर कितना असर पड़ेगा।

यदि आपकी विदेश से कोई कमाई है, तो उस पर मिलने वाले 'टैक्स क्रेडिट' के दावों की अब बहुत बारीकी से जांच होगी। नए नियमों में ऑडिटर्स को अधिक जवाबदेह बनाया गया है ताकि वित्तीय गड़बड़ियों की गुंजाइश न रहे। सरकार ने अभी इन नियमों पर सुझाव मांगे हैं। अंतिम नियमों और फॉर्म की अधिसूचना अगले महीने जारी कर दी जाएगी।

फर्जी किराये के दावों पर लगाम : कर विशेषज्ञों का मानना है कि मकान मालिक और किरायेदार के बीच संबंध उजागर करने की शर्त से 'नकली रेंट

अन्य बड़े बदलाव

रसीदों' के जरिए टैक्स बचाने वालों पर नकेल कसी जाएगी। नांगिया ग्लोबल एडवाइजर्स के संदीप झुनझुनवाला के अनुसार, इससे वास्तविक किरायेदारों को कोई परेशानी नहीं होगी, लेकिन टैक्स चोरी के लिए बनाए गए 'कृत्रिम दावों' को पकड़ना आसान हो जाएगा।

विदेशी कमाई पर कड़ी नजर फार्म 44 : विदेशी आय पर टैक्स छूट का दावा करना अब आसान नहीं होगा। अब चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को भी विदेशी टैक्स सर्टिफिकेट, भुगतान के सबूत और टैक्स संधि की बारीकी से स्वतंत्र जांच करनी होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यह उन देशों के लिए चुनौतीपूर्ण होगा जहाँ वित्त वर्ष भारत से अलग है या टैक्स स्टेटमेंट देरी से मिलते हैं।

पैन कार्ड के नियमों में सख्ती : कंपनियों के लिए अब पैन आवेदन प्रक्रिया और भी कठिन होगी। आवेदन के समय यह शपथ देनी होगी कि कंपनी के पास पहले से कोई पैन नहीं है। यदि किसी शाखा या पुराने ऑफिस के नाम पर पहले से पैन है, तो उसकी पूरी जांच करनी होगी। इसका मकसद डेटाबेस में दोहराव (को खत्म करना है।

डिजिटल ऑडिट : अब सर्वर और आईपी एड्रेस का देना होगा हिसाब नए टैक्स ऑडिट फॉर्म-26 में तकनीक पर विशेष जोर दिया गया है। कंपनियों को बताना होगा कि वे कौन सा अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर इस्तेमाल कर रही हैं। क्लाउड या सर्वर का विवरण, उसका आईपी एड्रेस, और डेटा किस देश में स्टोर है, इसकी जानकारी देनी होगी। यदि डेटा विदेश में है, तो भारत में स्थित बैकअप सर्वर का पता भी देना अनिवार्य होगा।

ईवी सेक्टर में 5 साल में आए 2.23 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

● 2030 के लक्ष्य के लिए अभी 10 लाख करोड़ की और दरकार

इलेक्ट्रिक परिवहन क्षेत्र में पिछले पांच साल में भारी पूंजी निवेश होने के बावजूद 2030 का लक्ष्य हासिल करने के लिए भारत को एक समन्वित निवेश ढांचे की जरूरत है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। भारत ने वर्ष 2030 तक कुल निजी कार बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों में 70 प्रतिशत, बस में 40 प्रतिशत और दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों में 80 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इंस्टिट्यूट फॉर एनर्जी इकॉनमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आईईईएफए) की इस रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2020-25 के दौरान भारत के इलेक्ट्रिक परिवहन परिवेश के तीन प्रमुख क्षेत्रों- विनिर्माण क्षमता, सार्वजनिक सब्सिडी एवं प्रोत्साहन और चार्जिंग अवसंरचना में कुल 2.23 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है।

इसमें सबसे बड़ा हिस्सा ईवी विनिर्माण में गया है। रिपोर्ट के सह-लेखक और आईईईएफए के जलवायु वित्त विश्लेषक शुभम श्रीवास्तव के अनुसार पांच वर्षों में 2.23 लाख करोड़ रुपये की पूंजी लगना महत्वपूर्ण है, लेकिन वर्ष 2030 तक जरूरी पूंजी 12.5 लाख करोड़ रुपये का यह लगभग 18 प्रतिशत ही है। उन्होंने कहा कि बचे हुए 10.2 लाख करोड़ रुपये जुटाने के लिए वित्तीय ढांचे में व्यापक सुधार जरूरी होंगे। निवेश स्रोतों के विश्लेषण से पता चलता है कि ईवी विनिर्माण में लगे 1.59 लाख करोड़ रुपये आंतरिक संसाधनों से आए, जबकि 36,000 करोड़ रुपये से अधिक ऋण और 6,400 करोड़ रुपये से अधिक इक्विटी के जरिये जुटाए गए। हालांकि, अलग-अलग वाहन श्रेणियों के बीच वित्तपोषण के स्रोतों में अंतर देखा गया है। इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन खंड ने पूंजी के लिए मुख्य रूप से आंतरिक संसाधनों और कुछ हद तक ऋण पर निर्भरता दिखाई। वहीं इलेक्ट्रिक चार-पहिया और दोपहिया खंड में वित्तपोषण का मिश्रण अपेक्षाकृत विविध रहा।

फिलहाल रेपो रेट में बढ़ोत्तरी की संभावना नहीं, नहीं बढ़ेगी आपके लोन की ईएमआई

मुंबई, एजेंसी

● नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखना चाहते हैं एमपीसी के सदस्य

● भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने तटस्थ नीतिगत रुख को भी बनाए रखा

वैश्विक तनाव और महंगाई के दबाव के बावजूद भारतीय रिजर्व बैंक ने आम आदमी और कॉर्पोरेट जगत को बड़ी राहत के संकेत दिए हैं। मौद्रिक नीति समिति के सदस्य सौगत भट्टाचार्य ने स्पष्ट किया है कि निकट भविष्य में नीतिगत ब्याज दर यानी रेपो रेट में बढ़ोतरी की संभावना नहीं के बराबर है।

उन्होंने कहा कि मौसम संबंधी जोखिम, धातुओं की बढ़ती कीमतें और भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल के ऊंचे दाम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई को प्रभावित कर सकते हैं। भट्टाचार्य और एमपीसी के अन्य पांच सदस्यों ने इस महीने की शुरुआत में हुई बैठक में सर्वसम्मति से नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया था। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने 'तटस्थ' नीतिगत रुख को भी बनाए रखा था जिससे संकेत मिलता है कि दरें कुछ समय तक निचले स्तर पर रह सकती हैं। उन्होंने कहा कि कई प्रोत्साहन उपायों के बावजूद अर्थव्यवस्था में अत्यधिक तेजी के कोई संकेत नहीं हैं।

केंद्रीय बैंक ने फरवरी, 2025 से अब तक रेपो दर में कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की है, जो 2019 के बाद सबसे आक्रामक नरमी चक्र माना जा रहा है। महंगाई पर उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य की ओर बढ़ सकती है। इसकी एक वजह वित्त वर्ष 2025-26 में कुल मुद्रास्फीति की गिरती कीमत का आधार प्रभाव है, जो अब उलट सकता है। दूसरी वजह कीमती धातुओं की कीमतों का प्रभाव है।

हालांकि, इन कारकों को छोड़ दें तो अंतर्निहित महंगाई संतुलित रहने की उम्मीद है। ऋण वृद्धि पर उन्होंने कहा कि गैर-खुदरा बैंक ऋण में लगातार सुधार हो रहा है और अब बड़े कॉरपोरेट घरानों को भी अधिक कर्ज मिल रहा है।

अमेरिकी शुल्क: कंपनियां बोलीं-नहीं होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के 'टैक्स' प्रहार से भारतीय सोलर कंपनियों के शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा भारतीय सौर उत्पादों पर भारी 125.87 प्रतिशत का प्रारंभिक प्रतिकारी शुल्क लगाने की घोषणा के बाद बुधवार को घरेलू शेयर बाजार में सौर क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। अमेरिका के इस कड़े रुख से निवेशकों में डर का माहौल है। अमेरिकी घोषणा के तुरंत बाद सौर ऊर्जा से जुड़ी प्रमुख कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट देखी गई। वारी एनर्जीज का शेयर 14.99% तक लुढ़क गया। प्रीमियर एनर्जीज के शेयर में 14.23% की भारी गिरावट आई। विक्रम सोलर का शेयर 7.47% नीचे गिरा। स्टर्लिंग एंड विल्सन में भी 1.41% की मामूली गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी वाणिज्य विभाग का आरोप है कि भारत सरकार अपने सौर उत्पादों को 'अनुचित सब्सिडी' दे रही है, जिससे अमेरिकी कंपनियों को नुकसान हो रहा है। अतिरिक्त बोझ : यह 125.87% का शुल्क उस 10% सामान्य शुल्क के अतिरिक्त है, जिसकी घोषणा अमेरिकी प्रशासन ने 24 फरवरी को सभी देशों के लिए की थी। जांच का दायरा : अमेरिका ने भारत के साथ-साथ इंडोनेशिया और लाओस से आने वाले सोलर सेल और मॉड्यूल की जांच के बाद यह प्रारंभिक निष्कर्ष निकाला है।

अमेरिका द्वारा भारतीय सौर उत्पादों पर 126 प्रतिशत का भारी शुरुआती प्रतिपूर्ति शुल्क लगाए जाने के बावजूद भारतीय सौर समाधान प्रदाता कंपनियों ने भरोसा जताया है कि इसका उनके कारोबार पर कोई बड़ा प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनियों के अनुसार, उनकी मजबूत 'सप्लाई चेन' रणनीति इस जोखिम को कम करने में सक्षम है। कंपनियों का दावा है कि उन्होंने पहले ही अमेरिकी बाजार पर अपनी निर्भरता कम कर ली है और अब उनका ध्यान 'मेक इन अमेरिका' और भारतीय घरेलू बाजार पर है।

हमारी रणनीति तैयार है : विक्रम सोलर : विक्रम सोलर के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ज्ञानेश चौधरी ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी शुल्क का असर उन पर सीमित रहेगा। उनके अनुसार कंपनी अमेरिकी बाजार के लिए भारतीय सेल की खरीद पर निर्भर नहीं है। कंपनी पहले से ही उन देशों से सौर उत्पादों की आपूर्ति ले रही है जहां शुल्क का जोखिम कम है। कंपनी की मजबूती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसे हाल ही में गुजरात में एक बड़ी परियोजना के लिए 378.75 मेगावाट मॉड्यूल का ऑर्डर मिला है।

ऑर्डर बुक सुरक्षित : वारी एनर्जीज : वारी एनर्जीज के ग्रुप फाइनेंस हेड अभिषेक पारेख ने भी निवेशकों को आश्वस्त किया है। उन्होंने कहा कि 126% के इस शुरुआती शुल्क से कंपनी की अमेरिकी ऑर्डर बुक को पूरा करने की क्षमता पर कोई खास नकारात्मक असर पड़ने की आशंका नहीं है। कंपनी चालू वित्त वर्ष (2025-26) के अंत तक अमेरिका में ही अपनी विनिर्माण क्षमता को बढ़ाकर 4.2 गीगावाट करने की प्रक्रिया में है। इससे कंपनी पर आयात शुल्क का असर खत्म हो जाएगा। पिछले नौ महीनों में 50% पुराने शुल्क के बावजूद कंपनी का अमेरिका को निर्यात जारी रहा है।

निर्यात अब लगभग शून्य : प्रीमियर एनर्जीज : प्रीमियर एनर्जीज के मुख्य कारोबार अधिकारी विनय रुस्तगी ने एक बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि कंपनी ने अपने कुल कारोबार में निर्यात की हिस्सेदारी को घटाकर लगभग शून्य कर दिया है।अमेरिकी नीतियों में बदलाव के संकेत अगस्त 2025 में ही मिल गए थे, जिससे भारतीय कंपनियों को अपना बिजनेस मॉडल बदलने का पर्याप्त समय मिल गया।

मारुति की 'रेल साइडिंग' विश्व की पहली मॉडल शिफ्ट परियोजना

नयी दिल्ली, एजेंसी

● 10 वर्ष की अवधि में करीब 1.7 लाख कार्बन 'क्रेडिट' अर्जित करने की उम्मीद

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि उसकी गुजरात ''इन-प्लांट रेलवे साइडिंग'' को ''वेरा'' की वेरिफाइड कार्बन स्टैंडर्ड (वीसीएस) पहल के तहत दुनिया की पहली ''मॉडल शिफ्ट'' परिवहन परियोजना के रूप में मान्यता मिली है। ''मॉडल शिफ्ट'' का अर्थ वाहनों की आपूर्ति के लिए एक परिवहन माध्यम से दूसरे परिवहन पर स्थानांतरित करना है।

वाहन विनिर्माता कंपनी ने गुजरात इकाई के अंदर रेल पटरी सुविधा (इन-प्लांट रेलवे साइडिंग) के जरिये वाहनों की आपूर्ति शुरू की है। कंपनी के अनुसार, सड़क मार्ग से रेल मार्ग की ओर वाहन आपूर्ति (डिस्पैच) स्थानांतरित करने से इस परियोजना के वित्त वर्ष 2023-24 से 2032-33 तक 10 वर्ष की अवधि में करीब 1.7 लाख कार्बन ''क्रेडिट'' अर्जित करने की उम्मीद है। कार्बन उत्सर्जन में बचत के स्वतंत्र सत्यापन के बाद ''वेरा'' अपने वेरिफाइड कार्बन स्टैंडर्ड (वीसीएस) कार्यक्रम के तहत कंपनी को 1.7 लाख ''कार्बन क्रेडिट'' जारी करेगा। ''वेरा'' एक वैश्विक गैर-लाभकारी संगठन है जो जलवायु कार्रवाई और सतत विकास के लिए मानक विकसित एवं प्रबंधित करता है। यह ''वेरिफाइड कार्बन स्टैंडर्ड'' (वीसीएस) कार्यक्रम का संचालन करता है जो दुनिया का अग्रणी स्वैच्छिक ''ग्रीनहाउस गैस क्रेडिटिंग'' कार्यक्रम है। वहीं उच्च-विश्वसनीयता वाले ''कार्बन क्रेडिट'' सुनिश्चित करने के साथ-साथ सरकारों और व्यवसायों को विश्वसनीय जलवायु कार्रवाई में सहायता करता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने बयान में कहा, वाहनों की आपूर्ति सड़क से रेल की ओर स्थानांतरित किए जाने से परियोजना दर्शाती है कि कैसे व्यापक परिचालन दक्षता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को एक साथ आगे बढ़ाया जा सकता है।'उन्होंने कहा कि रेल परिवहन की अंतर्निहित दक्षता का लाभ उठाते हुए गुजरात की ''इन-प्लांट रेलवे साइडिंग'' ने लॉजिस्टिक्स परिचालन के कार्बन उत्सर्जन को उल्लेखनीय रूप से कम किया है। साथ ही सड़क जाम भी कम लगता है और जीवाश्म ईंधन की कुल खपत में भी गिरावट आई है। ताकेउची ने कहा, ' यह उपलब्धि हमारी स्थिरता यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है और शुद्ध शून्य उत्सर्जन की दिशा में भारत के मजबूत प्रयासों के अनुरूप उद्योग मानक स्थापित करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

10 इलेक्ट्रिक यात्री विमान खरीदेगी मैकमोर

● एमडी एयरक्राफ्ट के साथ एलओआई पर किए हस्ताक्षर

मुंबई, एजेंसी। व्यापार प्रबंधन परामर्श कंपनी मैकमोर ने जर्मनी की कंपनी एमडी एयरक्राफ्ट जीएमबीएच के साथ 10 इलेक्ट्रिक क्षेत्रीय यात्री विमानों की खरीद के लिए आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर करने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी का लक्ष्य क्षेत्रीय हवाई यात्रा की बढ़ती मांग का लाभ उठाना है। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने कहा कि यह समझौता नौ-सीट वाले पूरी तरह इलेक्ट्रिक ''शॉर्ट टेक-ऑफ एंड लैंडिंग'' यात्री विमान एमडीए1 ईविएटर के लिए शुरुआती प्रतिबद्धताओं में से एक है। यह विमान छोटी क्षेत्रीय हवाई पट्टियों से संचालन के लिए तैयार किया गया है। इसकी परिचालन लागत कम है और यह लगभग शून्य उत्सर्जन करता है। कंपनी के अनुसार, विमान का शुरुआती उड़ान परीक्षण 2028 तक हो सकता है। प्रमाणन के साथ इसके 2030 तक सेवा में आने के आसार हैं। इस समझौते से भारत को शून्य-उत्सर्जन क्षेत्रीय हवाई परिवहन के संभावित शुरुआती विकास बाजार के रूप में स्थापित करने में मदद मिल सकती है।

क्रिकेट का क्रेज: कई शहरों में बुकिंग 120% तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में क्रिकेट केवल एक खेल नहीं बल्कि पर्यटन को रफ्तार देने वाला एक बड़ा कारक बनकर उभरा है। ऑनलाइन होम-स्टे सुविधा देने वाले दिग्गज मंच 'एयरबीएनबी' के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में जारी बड़े क्रिकेट आयोजनों ने घरेलू यात्रा और आवास की मांग में जबरदस्त उछाल पैदा किया है। एयरबीएनबी की रिपोर्ट के अनुसार, इस बार मांग केवल दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों तक सीमित नहीं है। क्रिकेट मैचों की मेजबानी करने वाले उभरते केंद्रों में पर्यटकों की दिलचस्पी सबसे ज्यादा देखी गई है। एयरबीएनबी के भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के प्रमुख अमनप्रीत सिंह बजाज ने कहा कि क्रिकेट प्रेमियों के व्यवहार में एक नया बदलाव दिख रहा है। लोग अब केवल मैच देखने नहीं आ रहे, बल्कि वे अपनी यात्रा की अवधि बढ़ा रहे हैं। प्रशंसक उन शहरों के स्थानीय खान-पान और संस्कृति को अधिक गहराई से महसूस करने की कोशिश कर रहे हैं।

विश्व कप और आईपीएल का डबल धमाका

वर्तमान में भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की मेजबानी कर रहे हैं। इसके तुरंत बाद इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का आयोजन होना है। इन दो बड़े टूर्नामेंट्स के कारण अहमदाबाद और अन्य क्रिकेट केंद्रों में घरेलू यात्रियों की आवाजाही रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

निगरानी बढ़ाने में अहम होगी एआई की भूमिका

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि प्रौद्योगिकी, खासकर एआई बाजार निगरानी को मजबूत करने, जोखिम प्रबंधन बेहतर करने और निवेशकों में जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। सेबी प्रमुख ने यहां एक कार्यक्रम में वैश्विक एवं घरेलू संस्थागत निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ने के साथ वृद्धि का अगला चरण केवल कारोबार की मात्रा और मूल्यांकन से नहीं, बल्कि बाजार की गुणवत्ता, कॉरपोरेट संचालन, पारदर्शिता, तरलता और संस्थागत मजबूती से तय होगा। प्रौद्योगिकी, जिसमें एआई भी शामिल है, निगरानी प्रणाली को सशक्त बनाने में भूमिका निभाएगी।

सावधान! आपकी जेब पर चल रही है बैंक की साइलेंट कैंची

विशेष रिपोर्ट | अर्थ डेस्क

डिजिटल इंडिया के इस दौर में बैंकिंग जितनी आसान हुई है, अनजाने शुल्कों का बोझ भी उतना ही बढ़ा है। साल 2026 की शुरुआत के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए कई कड़े बदलाव किए हैं।

अब जहां एक ओर 'डार्क पैटर्न्स' (भ्रामक डिजिटल ट्रिक्स) पर जुलाई 2026 तक पूर्ण प्रतिबंध की तैयारी है, वहीं न्यूनतम बैलेंस न रखने पर लगने वाले जुर्माने को भी 'प्रोपोर्शनल' (आनुपातिक) बना दिया गया है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि आपके खाते से कटने वाले एसएमएस चार्ज, एटीएम ट्रांजैक्शन लिमिट और डेबिट कार्ड के वार्षिक रखरखाव शुल्क आपके साल भर की बचत का एक बड़ा हिस्सा चुपचाप खत्म कर सकते हैं?

पेश है एक विस्तृत गाइड, जो न केवल आपको इन शुल्कों से परिचित कराएगी बल्कि आपके गाढ़े पसीने की कमाई बचाने के रास्ते भी दिखाएगी।

न्यूनतम शेष राशि (मिनिमम बैलेंस पेनल्टी)

ज्यादातर बैंकों में आपको अपने खाते में एक निश्चित औसत राशि रखनी होती है। सरकारी बैंकों (जैसे एसबीआई) में अब जीरो बैलेंस की सुविधा है, जबकि प्राइवेट बैंकों में शहर के अनुसार 2,000 से 15,000 तक रखना अनिवार्य होता है। यदि आप यह बैलेंस नहीं रखते, तो बैंक 30 से लेकर 600 तक (शहर और बैंक के अनुसार) जुर्माना लगा सकते हैं। हमेशा अपने खाते का औसत बैलेंस चेक करते रहें। यदि आप बैलेंस नहीं रख पा रहे हैं, तो बी-एस-बी-डी (बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट) खाते या ज़ीरो बैलेंस खाते में स्विच करें।

एटीएम ट्रांजैक्शन शुल्क

बैंक हर महीने कुछ फ्री ट्रांजेक्शन (आमतौर पर 3 से 5) देते हैं, इसके बाद शुल्क लगता है। फ्री लिमिट खत्म होने के बाद प्रति ट्रांजेक्शन 20 से 25 तक का चार्ज लग सकता है। महीने में कम बार लेकिन जरूरत के हिसाब से बड़ी राशि निकालें। जहाँ संभव हो यूपीआई का उपयोग करें ताकि नकद निकालने की जरूरत कम पड़े।

डेबिट कार्ड वार्षिक शुल्क

बैंक आपके डेबिट कार्ड के रखरखाव के लिए साल में एक बार शुल्क काटते हैं। शुल्क कार्ड के प्रकार (क्लासिक, प्लैटिनम, सिग्नेचर) के आधार पर 150 से 1500 + जीएसटी तक हो सकता है। यदि आपको खास फीचर्स (जैसे एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस) की जरूरत नहीं है, तो रुपे (RuPay) क्लासिक या बेसिक कार्ड का चुनाव करें, जिनका शुल्क कम होता है।

एसएमएस अलर्ट शुल्क

बैंक आपको ट्रांजैक्शन की जानकारी देने के लिए एसएमएस भेजते हैं, जिसका शुल्क लिया जाता है। यह आमतौर पर 15 से 20 प्रति तिमाही (क्वार्टरली) होता है शुल्क। आप बैंक के मोबाइल ऐप की 'पुश नोटिफिकेशन' चालू कर सकते हैं और एसएमएस अलर्ट बंद करवा सकते हैं (हालांकि सुरक्षा के लिए एसएमएस रखना बेहतर है)।

अपर्याप्त बैलेंस के कारण ट्रांजैक्शन फेल होना

जब आप एटीएम से पैसे निकालते हैं या चेक/ईसीएस के जरिए पेमेंट करते हैं और खाते में पैसे कम होते हैं, तो ट्रांजैक्शन फेल होने पर जुर्माना लगता है। एटीएम डिक्लाइन पर 15-25 और चेक बाउंस पर 250 से 500 तक शुल्क लगता है। कोई भी पेमेंट या विड्रॉल करने से पहले अपने मोबाइल ऐप पर बैलेंस जरूर चेक करें।

बंगाल एसआईआर : मतदाता पहचान के लिए अकेले एडमिट कार्ड मान्य नहीं

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा-साथ में 10वीं की मार्कशीट को लगाना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में पहचान सत्यापन के लिए कक्षा 10 के प्रवेश पत्र को उत्तीर्ण होने के प्रमाणपत्र के साथ लगाया जा सकता है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू द्वारा मामले का उल्लेख किए जाने के बाद आदेश पारित किया।

अधिवक्ता ने इस बारे में चिंता जताई थी कि क्या इस तरह के प्रवेश पत्रों को अपने आप में पूर्ण पहचान दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह पहले ही निर्देश दे चुकी है कि प्रवेश पत्र केवल पूरक दस्तावेज होगा। पीठ ने कहा कि 24 फरवरी, 2026 के आदेश के अनुच्छेद 3(3) में उल्लिखित सभी दस्तावेज, जो अब तक अपलोड नहीं किए गए हैं और 15 फरवरी से पहले प्राप्त हुए हैं, उन्हें निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों द्वारा कल 5 बजे तक पीठासीन न्यायिक अधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा। उसने कहा कि इस तरह, अनुच्छेद 3(तीन)(सी) में यह स्पष्ट किया गया कि माध्यमिक (कक्षा 10) के प्रवेश पत्रों को जन्म प्रमाण पत्र और पारिवारिक पहचान के रूप में उत्तीर्ण प्रमाण पत्र के साथ प्रस्तुत किया जा सकता है।

उच्चतम न्यायालय ने मतदाता सूची से नाम हटाये जाने की आशंका से संबंधित 80 लाख दावों को निपटाने के लिए पश्चिम बंगाल के 250 जिला न्यायाधीशों और झारखंड-ओडिशा से न्यायिक अधिकारियों को तैनात करने की अनुमति दी।

करुणा मौत के पीछे की वजह

बेंगलुरु में 76 वर्षीय पूर्व इसरो वैज्ञानिक नागेश्वर राव द्वारा अपनी 63 वर्षीय पत्नी संध्या श्री की हत्या करन और फिर आत्महत्या का प्रयास, यह घटना केवल एक अपराध नहीं, बल्कि हमारे बदलते समाज की एक गहरी त्रासदी और सभ्य आधुनिकता के खोखलेपन का आईना है। एक ऐसी मानसिक अवस्था को दर्शाता है जहां भविष्य का भय वर्तमान के जीवन से बड़ा हो जाता है। नागेश्वर की इकलौती बेटी अमेरिका में रहती है। घर पर दूसरा उनकी देखरेख के लिए कोई नहीं है। ऐसे में अकेलेपन की कोख से इस त्रासदी ने जन्म लिया और एक शिक्षित, बौद्धिक और समाज में सम्मानित व्यक्ति ने अपनी जीवन संगिनी का अंत कर दिया, उन्हें भय था कि मेरे बाद बीमार पत्नी को कौन संभालेगा। यह घटना भीतर से हमें झकझोरती है कि हम कैसा जीवन जी रहे हैं। आधुनिकता की दौड़ में जैसे हम रिश्ते-नाते खोते जा रहे हैं।

अवसाद या अकेलापन

हत्या के पीछे का मनोविज्ञान

- केयरगिवर बर्डन : लंबे समय तक बीमार जीवनसाथी की देखभाल करते-करते देखभाल करने वाला व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से टूट जाता है।
- भविष्य की चिंता : अपनी मृत्यु की कल्पना और उसके बाद असहाय साथी के दुख के विचार से उत्पन्न होने वाला चरम भय।
- परोपकारी हत्या : मनोविज्ञान में इसे वह स्थिति माना जाता है जहां व्यक्ति को लगता है कि वह पीड़ित को कष्ट से मुक्ति दिला रहा है।
- गंभीर अवसाद : आरोपी पहले से ही अवसाद का इलाज करा रहे थे, जिससे सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित हुई।

आधुनिक जीवनशैली

- एकल परिवार : संयुक्त परिवार के टूटने से बुजुर्गों के पास संकट के समय कोई सपोर्ट सिस्टम नहीं बचा है।
- भौगोलिक दूरी : बच्चों का करियर के लिए विदेश जाना (जैसे इस मामले में बेटी अमेरिका में थी) बुजुर्गों को भावनात्मक रूप से अनाथ बना देता है।
- सामाजिक अलगाव : अपार्टमेंट संस्कृति और सीनियर लिविंग समाज में सुरक्षा तो देते हैं, लेकिन भावनात्मक जुड़ाव की कमी अक्सर अकेलापन बढ़ा देती है।

हम क्या कर सकते हैं

- पड़ोसी धर्म : अपार्टमेंट कल्चर से निकलकर पड़ोसियों से मेलजोल बढ़ाना ताकि किसी के घर में चल रहे तनाव का समय पर पता चल सके।
- संस्थागत जिम्मेदारी : सीनियर लिविंग कम्युनिटी को आवास ही नहीं, बल्कि इमर्जेंसी रिस्पॉन्स टीम और 24/7 केयर स्टाफ उपलब्ध कराना चाहिए।
- परिवार का जुड़ाव : दूर रहने वाले बच्चों को वीडियो कॉल के साथ भौतिक उपस्थिति भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

सरकार और संस्थाओं के लिए जरूरी कदम

- सामुदायिक निगरानी : पुलिस और स्थानीय प्रशासन को अकेले रहने वाले बुजुर्गों का डेटाबेस बनाकर नियमित डोर-टू-डोर संपर्क करना चाहिए।
- मानसिक स्वास्थ्य सहायता : बुजुर्गों के लिए समर्पित 'हेल्पलाइन' और मुफ्त मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र होने चाहिए।
- जेरिएट्रिक केयर : सरकारी अस्पतालों में बुजुर्गों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए विशेष वार्ड और घर पर देखभाल की सुविधाएं बढ़ानी होंगी।
- कानूनी सुधार : आत्महत्या के प्रयास को मानसिक बीमारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

वर्ल्ड ब्रीफ

तुर्किये का सैन्य विमान क्रैश, पायलट की मौत

अंकारा। तुर्किये वायु सेना का एफ-16 लड़ाकू विमान मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात पश्चिमी तुर्किये में एक राजमार्ग के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें उसके पायलट की मौत हो गई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बालिकेसिर प्रांत में स्थित 9वें मुख्य जेट बेस से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान से आधी रात के आसपास रेडियो और रडार संपर्क टूट गया। मंत्रालय ने बताया कि तुरंत शुरू किए गए खोज और बचाव अभियान के बाद विमान का मलबा मिल गया। हादसे में पायलट की मौत हो गई।

बंगाल, झारखंड में 3 कोर्ट को मिली धमकी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल और झारखंड की तीन निचली अदालतों को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली, हालांकि तलाशी अभियान में कुछ भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। बम की धमकी मिलने के बाद लोगों को अदालत से निकाला गया और तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों को अब तक की तलाशी में कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के आसनसोल और सूरी की जिला अदालतों तथा झारखंड की धनबाद दीवानी अदालत को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले।

वेनेजुएला में 3,200 से अधिक कैदी रिहा

काराकस। वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के एक विशेष आयोग ने ऐलान किया है कि नए क्षमा कानून के लागू होने के चार दिन में 3,200 से अधिक लोगों को पूर्ण रूप से रिहा किया जा चुका है। रिहा होने वालों में जेल से छोड़े गए कैदियों के साथ-साथ वे लोग भी शामिल हैं जिन्हें पहले घर पर नजरबंद या अन्य प्रतिबंधों के तहत रखा गया था। आयोग के प्रमुख सांसद जॉर्ज अरेआज़ा ने कहा कि अब तक रिहाई के लिए 4,203 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि अनुरोधों के मूल्यांकन के बाद 3,052 लोगों को घर पर नजरबंदी या अन्य प्रतिबंधों से पूर्ण स्वतंत्रता दी गई है, जबकि 179 अन्य को जेल से रिहा किया गया है।

संजय लीला भंसाली की तबीयत ठीक

मुंबई। दिल का दौरा पड़ने के बाद फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली को अस्पताल में भर्ती कराए जाने की खबरों के बीच उनके परिवार ने बुधवार को बताया कि भंसाली बिल्कुल ठीक हैं। परिवार ने भंसाली को दिल का दौरे पड़ने की पुष्टि नहीं की और न ही जिक्र किया, बताया कि वह नियमित जांच के लिए अस्पताल गए थे।

बच्चों के टीकाकरण दिशा निर्देशों में बदलाव पर ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा

मामला दर्ज कराने वाले राज्यों ने नई सिफारिशों को स्वास्थ्य के लिए बताया खतरनाक

- नई सिफारिशों को चिकित्सकीय सलाह की अनदेखी बताया

सैक्रामेंटो (अमेरिका), एजेंसी

अमेरिका में एक दर्जन से अधिक राज्यों ने बच्चों के टीकाकरण के लिए सिफारिशों में बदलाव को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए अवैध और खतरनाक कदम बताते हुए ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

राज्यों ने मंगलवार को दायर याचिका में कहा कि रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने पिछले महीने यह घोषणा कर बच्चों के जीवन को जोखिम में डाल दिया कि अब सभी बच्चों को फ्लू, रोटावायरस, हेपेटाइटिस ए, हेपेटाइटिस बी, कुछ प्रकार के मेनिन्जाइटिस और आरएसवी के खिलाफ अनिवार्य रूप से टीका लगाने की सिफारिश नहीं की जाएगी। नए दिशानिर्देश के तहत इन बीमारियों से सुरक्षा केवल उन समूहों के लिए सुझाई गई है जिन्हें उच्च जोखिम वाला माना गया है या फिर डॉक्टर की सलाह पर साझा निर्णय प्रक्रिया के तहत टीकाकरण की अनुशंसा की गई है। इस बदलाव की चिकित्सा विशेषज्ञों ने आलोचना की है। एरिज़ोना और कैलिफोर्निया सहित राज्यों ने कहा कि नई सिफारिशें लंबे समय से चली आ रही चिकित्सीय सलाह की अनदेखी करती हैं और इससे बीमारियों के प्रकोप को रोकने के लिए राज्यों को अधिक खर्च करना पड़ेगा। एरिज़ोना की अटॉर्नी जनरल क्रिस मेयस ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, देशभर के बच्चों का स्वास्थ्य और सुरक्षा कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। यह किसी सांस्कृतिक युद्ध का विषय नहीं है। स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग की प्रेस सचिव एमिली जी. हिलियार्ड ने शिकायत को मुकदमे के रूप में पेश किया गया प्रचार का हथकंडा करार दिया।

स्वास्थ्य कर्मचारियों की छंटनी भी अवैध बताया

स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के कार्यकाल में संघीय सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों से हजारों कर्मचारियों की छंटनी, वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए धन में कटौती तथा फ्लोराइड सहित अन्य मुद्दों पर सरकारी दिशा-निर्देशों में बदलाव किए गए हैं। पिछले वर्ष कैनेडी ने एक टीका सलाहकार समिति के सभी सदस्यों को हटाकर अपने नियुक्त सदस्यों को शामिल किया था, जिसे मंगलवार को दायर याचिका में अवैध बताया गया है। कुछ महीने पहले ही कैलिफोर्निया, वाशिंगटन और ओरेगन के डेमोक्रेटिक गवर्नरों ने अपनी अलग टीकाकरण सिफारिशों के लिए एक गठबंधन किया था। कहा था, ट्रंप प्रशासन पर स्वास्थ्य को जोखिम में डाल रहा है।

प्रवासी बच्चों की वापसी का विरोध

मैकलीन। अमेरिका में वकीलों ने एक याचिका दायर करके अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) अधिकारियों को पिछले वर्ष शुरू की गई उस संघीय नीति पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है, जिसके तहत बिना अभिभावकों के देश में प्रवेश करने वाले प्रवासी बच्चों पर स्वेच्छा से वापस जाने के वास्ते जोर दिये जाने का प्रावधान है। मानव तस्करी पीड़ित संरक्षण पुन: अनुमोदन अधिनियम के अनुसार, बिना अभिभावकों के देश में अवैध प्रवेश करते हुए सीमा पर पकड़े गए प्रवासी बच्चों को एक अलग संघीय एजेंसी ऑफिस ऑफ रिफ्यूजी रीसेटलमेंट के तहत संचालित आश्रयस्थल में भेजना अनिवार्य है।

सीआईए की ईरान में मुखबिरों को मदद की पेशकश

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान में सैन्य हमलों पर विचार करने के बीच अमेरिकी केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने मंगलवार को ईरान में संभावित मुखबिरों को मदद की पेशकश की और सुरक्षित रूप से संपर्क करने के तरीकों के बारे में फारसी भाषा में निर्देश दिए। फारसी, कोरियाई, रूसी और मंदारिन भाषाओं में भेजे गए भर्ती संदेशों की शृंखला में यह हालिया पोस्ट है जिनमें केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) से संपर्क करने के सुरक्षित तरीके बताए गए हैं। मंगलवार को एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर पोस्ट किया गया फारसी भाषा का यह संदेश ऐसे समय में आया है जब अमेरिका-ईरान संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं और ईरान की सरकार को देश में नए विरोध प्रदर्शनों का सामना करना पड़ रहा है।

ईरान के साथ तनाव बढ़ने के कारण अमेरिका ने पश्चिम एशिया में पिछले कुछ दशकों में अपनी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति तैनात की है। ट्रंप ने जनवरी में ईरान में हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर सरकार की कड़ी कार्रवाई के जवाब में सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी थी। इसके बाद उन्होंने ईरान को विवादित परमाणु कार्यक्रमों के संबंध में समझौता करने की चेतावनी दी।

अरुणाचल की महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी, दो को जेल

- दिल्ली की कोर्ट ने टिप्पणी को गंभीर माना, दंपती को दी सजा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने पूर्वोत्तर की तीन महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के आरोपी एक दंपती को बुधवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दंपति को बुधवार को मजिस्ट्रेट भानु प्रताप सिंह के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें 11 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दिल्ली पुलिस ने दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में पूर्वोत्तर की रहने वाली अपनी तीन पड़ोसियों पर नस्लीय टिप्पणी करने के आरोप में बुधवार को रूबी जैन और उसके पति हर्ष को गिरफ्तार किया था।

मालवीय नगर पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी की जांच के बाद दंपती को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, 20 फरवरी को किराए के मकान में मरम्मत कार्य को लेकर हुए विवाद के दौरान रूबी जैन ने अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। पुलिस ने प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा को भी शामिल किया है। पुलिस ने बताया कि शुरू में मामला भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया था, जिनमें आपराधिक धमकी, महिला की गरिमा का अपमान और विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य फैलाने से संबंधित आरोप शामिल हैं।

अत्याचार को सहन नहीं करेंगे : रीजीजू

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बुधवार को कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह के अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रीजीजू और खांडू दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में अरुणाचल प्रदेश की तीन लड़कियों के साथ हुई उस घटना पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उनके पड़ोसियों द्वारा कथित तौर पर नस्लीय टिप्पणी की गई थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि घटना की सूचना मिलने के दिन से ही वह और उनका कार्यालय संबंधित अधिकारियों के संपर्क में थे। उन्होंने यहां कहा कि मैंने व्यक्तिगत रूप से पुलिस से बात की है और इस मामले पर नजर रख रहा हूं। हम आरोपियों को ऐसा सबक सिखाएंगे, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि पूर्वोत्तर के किसी भी व्यक्ति के साथ कोई दुर्व्यवहार न करे।

ब्रिटेन में अब भारतीयों के लिए ई-वीजा अनिवार्य

- ब्रिटिश सरकार ने लागू की यात्रा में डिजिटल प्रणाली

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन में बुधवार से लागू हो रहे नए नियमों के तहत एक डिजिटल पारगमन प्रणाली शुरू हो रही है, जिसमें भारतीय यात्रियों के लिए अनिवार्य ई-वीजा और बिना वीजा वाले आगंतुकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक यात्रा अनुमति (ईटीए) लेना शामिल है। हाल के वर्षों में चरणबद्ध तरीके से लागू किए गए इस कार्यक्रम के तहत नई प्रक्रिया कागज आधारित वीजा स्टिकर की जगह लेगी।

हालांकि, नई प्रणाली में बायोमेट्रिक पंजीकरण के लिए आवेदन केंद्र पर व्यक्तिगत रूप से जाना आवश्यक होगा, लेकिन इससे प्रक्रिया अवधि के दौरान पासपोर्ट दस्तावेज छोड़ कर जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।

ब्रिटेन के प्रवासन और नागरिकता मंत्री माइक टैप ने कहा कि मैं ब्रिटेन की यात्रा करने के इच्छुक सभी लोगों से आग्रह करूंगा कि वे यात्रा के लिए पूरी तरह से तैयार रहें और उनके पास आवश्यक अनुमति हो, ताकि उनकी यात्रा सुगम हो सके। ब्रिटेन आने वाले यात्रियों के लिए डिजिटल यात्रा अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा, यदि उनके पास ई-वीजा, ईटीए या अन्य वैध दस्तावेज नहीं हैं तो एयरलाइन उन्हें विमान में सवार होने से रोक सकती है। ब्रिटेन ने पिछले साल ई-वीजा प्रणाली शुरू की थी, इस सप्ताह तक भौतिक दस्तावेज स्वीकारे।

श्रीलंका में पूर्व खुफिया प्रमुख गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राज्य खुफिया सेवा प्रमुख सुरेश सैली को 2019 के ईस्टर बम धमाकों की जांच के सिलसिले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। सैली को सीआईडी ने कोलंबो के उपनगर पेलियागोड़ा में उस समय हिरासत में लिया, जब वह एक गैर-सरकारी संगठन में काम करने जा रहे थे। उनकी गिरफ्तारी 2019 के ईस्टर संडे धमाकों से जुड़ी है। साल 2019 में ईस्टर पर कोलंबो के गिरजाघरों और पांच सितारा होटलों में हुए हमलों में 11 भारतीयों सहित 270 लोगों की मौत हुई थी। हमलों के समय सैली विदेश में राजनयिक पद पर तैनात थे। सेवानिवृत्त मेजर जनरल सैली 2015 से पहले राजपक्षे सरकार के दौरान राज्य खुफिया सेवा के प्रमुख रह चुके थे।

पुंछ में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, हथियार बरामद

- सीमावर्ती गांव में दहशतगर्दों ने बना रखा था अपना ठिकाना

मेंढर/जम्मू, एजेंसी

सुरक्षा बलों ने बुधवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले के एक सीमावर्ती गांव में आतंकवादियों के ठिकाने का पता लगाया और दो परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) तथा एक पिस्तौल सहित हथियारों का जखीरा बरामद किया है।

अधिकारियों ने बताया कि यह बरामदगी मेंढर क्षेत्र के सैलानी कसबलारी गांव में सेना और स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) द्वारा चलाए गए एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान की गई। उन्होंने बताया कि एक गुफा के भीतर छिपाकर रखे गए इन सामान में दो हथगोले और पिस्तौल के 24 कारतूस भी शामिल थे। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अपने स्रोतों और पुलिस से प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर, व्हाइट नाइट कोर के जवानों और एसओजी पुंछ ने मिलकर गनी वन क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान चलाया।

अभियान के तहत विस्तृत तलाशी के दौरान मौके से एक बड़ा और एक छोटा आईईडी, दो चीनी हथगोले, नौ एमएम की एक पिस्तौल, नौ एमएम के दो कारतूस और 7.62 एमएम के 22 कारतूस बरामद किए गए। आईईडी और हथगोलों को नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट कर दिया गया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज का दिन अत्यधिक शुभ रहने वाला है। कारोबारी यात्रा के योग बन रहे हैं। बेरोजगार लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं।

वृष — आज लोग आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। जीवनसाथी से सलाह लेना उत्तम रहेगा।

मिथुन — आज नया व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं तो उसके लिए पूरी योजना बना लें। रुके हुए कार्यों में तीव्रता आयेगी।

कर्क — आज किसी मित्र को धन उधार देना पड़ सकता है। सहयोगी आपसे ईर्ष्या रख सकते हैं। नशे और व्यभिचार से दूरी बनाकर रखें।

सिंह — आज आप किसी वैवाहिक समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं। मित्रों के सहयोग से रुका हुआ काम गतिशील हो जायेगा।

कन्या — आज सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। शरीर में थोड़ी थकावट हो सकती है, इसीलिये आराम पर्याप्त मात्रा में अवश्य लें।

तुला — आज आप अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभायेंगे। पारिवारिक मामलों को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं।

वृश्चिक — आज पारिवारिक कलह का सामना करना पड़ सकता है। अपने खर्चों को नियन्त्रित रखने का प्रयास करें।

धनु — आज जीवनसाथी आपसे पुरानी दबी हुई इच्छा को प्रकट कर सकता है। सरकारी कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है।

मकर — आज कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अतिरिक्त श्रम करना पड़ेगा। धार्मिक विषयों के अध्ययन में आपकी रुचि जागृत होगी।

कुंभ — आज नकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से संपर्क कम करना हितकर होगा। घर के खर्चे बढ़ने के कारण आपके ऊपर दबाव रहेगा।

मीन — आज वैवाहिक जीवन को आप पर्याप्त समय नहीं दे पायेंगे। जिसके कारण मन कुछ असन्तुष्ट रहेगा।

चर्चित लूव्र संग्रहालय की निदेशक ने दिया इस्तीफा

- संग्रहालय से बेशकीमती गहनों की चोरी के बाद उठाया कदम

पेरिस, एजेंसी

दुनिया के सबसे चर्चित लूव्र संग्रहालय से अक्टूबर में बेशकीमती गहनों की चोरी की घटना के बाद संग्रहालय की निदेशक लॉरेंस दे कार्स ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। गहनों की चोरी की घटना के बाद दुनिया के सबसे अधिक देखे जाने वाले इस संग्रहालय में सुरक्षा चूक, कर्मचारियों के असंतोष और कथित टिकट घोटाले को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। निदेशक लॉरेंस दे कार्स ने एक चुनौतीपूर्ण वर्ष के बाद पद छोड़ा।

पूर्व शाही महल रहे इस प्रतिष्ठित संस्थान को अपोलो गैलरी से आभूषण चोरी, मोना लिसा के पास फरवरी मध्य में पाइप फटने की घटना, पानी के रिसाव से दुर्लभ पुस्तकों को नुकसान, कर्मचारियों के असहयोग और भीड़भाड़ व स्टाफ की कमी को लेकर अचानक हड़ताल जैसी घटनाओं का सामना करना पड़ा। हाल के सप्ताहों में तब दबाव और बढ़ गया जब फ्रांसीसी अधिकारियों ने संग्रहालय से जुड़े एक दशक से जारी कथित टिकट धोखाधड़ी नेटवर्क का खुलासा किया, जिससे लूव्र संग्रहालय को लगभग एक करोड़ यूरो का नुकसान होने का अनुमान है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दे कार्स का इस्तीफा स्वीकार करते हुए इसे जिम्मेदारी का कदम बताया और कहा कि इस समय लूव्र को सुरक्षा उन्नयन की आवश्यकता है।

नवाचार | **वायासेट और बीएसएनएल ने शुरू किया देश में पहला पाठ्यक्रम**

सैटेलाइट संचार क्षेत्र में कौशल को देंगे बढ़ावा

- संयुक्त उपक्रम के तहत मिलेगा विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान

जबलपुर, एजेंसी

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और वायासैट इंडिया ने सैटेलाइट और सैटेलाइट तकनीक के अनुप्रयोग पर अपना पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित भारत रत्न भीम राव अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेलीकॉम ट्रेनिंग में प्रस्तावित दूरसंचार नवाचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र (टीआईआरटीसी) के तत्वावधान में शुरू किया गया है। सैटेलाइट संचार के क्षेत्र में कौशल विकास एवं उद्योग की तैयारी को बढ़ावा देने के लिए बीएसएनएल और वायासैट इंडिया ने पिछले साल गठबंधन की घोषणा की थी। प्रशिक्षण के शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता बीएसएनएल के सीएमडी रॉबर्ट रवि ने की। वायासैट के अध्यक्ष (कॉमर्शियल) बेन पामर, वायासैट इंडिया के प्रबंध निदेशक गौतम शर्मा, वायासैट के उपाध्यक्ष (एडवांस्ड एनटीएन सॉल्यूशंस) संदीप मूर्ति और दूरसंचार विभाग के अन्य अधिकारी भी संचार भवन में मौजूद थे। सैटेलाइट एवं सैटेलाइट प्रौद्योगिकी के उपयोग पर यह प्रारंभिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों और करियर के शुरुआती दौर में काम कर रहे पेशेवरों के लिए 22 घंटे का एक वर्चुअल प्रोग्राम है। बीएसएनएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक रॉबर्ट जे. रवि ने कहा, नवाचार को बढ़ावा देने और देशज क्षमताओं का निर्माण करने के हमारे लक्ष्य के अनुरूप वायासैट के साथ गठबंधन के तहत हमारा प्रारंभिक पाठ्यक्रम शुरू करने को लेकर हमें वास्तव में बहुत प्रसन्नता है। हम भविष्य में इस गठबंधन का विस्तार करने को प्रतिबद्ध हैं।

देश को दूरसंचार सेवा में अग्रणी बनाना मकसद

इसका उद्देश्य संचार के उन्नत क्षेत्र में अत्यधिक कुशल जनशक्ति तैयार करना और भारत को दूरसंचार डिजाइन, विकास, विनिर्माण और सेवाओं में अग्रणी बनने में मदद करना है। वायासैट कॉमर्शियल के अध्यक्ष (कॉमर्शियल) बेन पामर ने कहा, भविष्य के लिए तैयार सैटेलाइट संबंधी प्रतिभा की पाइपलाइन का निर्माण करना महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत अपनी डिजिटल एवं उभरती टेक्नोलॉजी की महत्वाकांक्षा को लेकर आगे बढ़ रहा है। भविष्य में एक उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित करेंगे जहां छात्रों को व्यावहारिक अनुभव मिलेगा।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

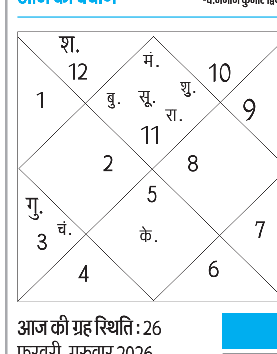

आज की ग्रह स्थिति : 26 फरवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 27 फरवरी 12.33 तक तत्पश्चात एकादशी।

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मृगशिरा 12.11 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

सुडोकू - 72 का हल

3	5	6	8	7	9	2	1	4
8	2	9	5	1	4	3	6	7
7	4	1	2	3	6	9	8	5
5	8	7	4	2	3	6	9	1
1	6	4	9	8	7	5	2	3
9	3	2	6	5	1	4	7	8
4	9	3	1	6	8	7	5	2
2	7	8	3	9	5	1	4	6
6	1	5	7	4	2	8	3	9

सुडोकू -73

			3	7	9			8
		7				4		
2		9		6	4			
4				1		6		
		2				9		
		1		8				3
		6	8	3		2		5
		8				1		
5			2	4	1			

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला सिर्फ छक्कों की होड़ का नहीं होगा। हमारी टीम का फोकस टी20 विश्व कप के अहम मैच में केवल बड़े शॉट लगाने पर नहीं बल्कि हर मौके का पूरा फायदा उठाकर ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर है।

हाईलाइट

एनआरएआई के राष्ट्रीय जज कोर्स में 47 प्रतिभागी शामिल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में बुधवार को समाप्त हुए राष्ट्रीय जज कोर्स में रिकॉर्ड 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के तत्वावधान में आयोजित किया गया यह कोर्स 21 फरवरी को शुरू हुआ था। एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने बयान में कहा कि पांच दिवसीय कार्यक्रम में प्रतिभागियों को आईएसएसएफ के नियमों, रेंज प्रबंधन, स्कोरिंग प्रोटोकॉल आदि के बारे में बताया गया। उन्होंने कहा, इस कोर्स में रिकॉर्ड प्रतिभागियों की उपस्थिति से भारतीय निशानेबाजी में निष्पक्षता और उत्कृष्टता सुनिश्चित करने वाले कुशल जज का मजबूत समूह तैयार करने के लिए एनआरएआई की प्रतिबद्धता का पता चलता है। उनका समर्पण विश्व स्तर पर भारत की निरंतर सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। एनआरएआई अब अगले महीने आईएसएसएफ बी जज कोर्स का आयोजन करेगा।

सेना का चैंपियनशिप का खिताब बरकरार

गुलमर्ग, एजेंसी : सेना ने बुधवार को यहां खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों में अपना टीम चैंपियनशिप खिताब बरकरार रखा। इसके लिए उन्होंने गुलमर्ग चरण में आठ स्वर्ण सहित कुल नौ पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता के आखिरी दिन हिमाचल प्रदेश चार स्वर्ण पदक के साथ उप विजेता रहा। इन खेलों का समापन समारोह बृहस्पतिवार को यहां गोल्फ कोर्स में होगा। इन खेलों का पहला चरण 20-26 जनवरी तक लद्दाख में हुआ था। प्रतियोगिता के तीसरे दिन सेना और हिमाचल प्रदेश ने बराबर चार-चार स्वर्ण मेडल जीते जबकि मेजबान जम्मू-कश्मीर ने अपना पहला स्वर्ण पदक जीता।

आईटीएफ कलबुर्गी टूर्नामेंट एक मार्च से

कलबुर्गी (कर्नाटक), एजेंसी। उभरती स्टार वैष्णवी अडकर उन कई भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जो यहां एक से आठ मार्च तक होने वाले आईटीएफ डब्ल्यू35 कलबुर्गी टेनिस टूर्नामेंट में भाग लेंगी। यह टूर्नामेंट आईटीएफ महिला विश्व टेनिस टूर का हिस्सा है और इसकी कुल पुरस्कार राशि 30,000 अमेरिकी डॉलर है।

टी-20 वर्ल्ड कपः न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 61 रनों से हराकर किया टूर्नामेंट से बाहर

कोलंबो, एजेंसी

न्यूजीलैंड ने बुधवार को यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में श्रीलंका को 61 रन से हराकर सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ाया। जबकि श्रीलंका टूर्नामेंट से बाहर हो गया। श्रीलंका ने टॉस जीतकर न्यूजीलैण्ड को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। श्रीलंकाई ऑफ स्पिनर महीश तीक्षणा के तीन झटकों के बावजूद न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर (47 रन) और कोल मैककांकी (नाबाद 31रन)ने शानदार वापसी करते हुए बुधवार को यहां टी20 विश्व कप के 'करो या मरो' के सुपर आठ मैच में टीम को सात विकेट पर 168 रन तक पहुंचा दिया। श्रीलंका को न्यूजीलैण्ड ने जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर केवल 107 रन ही बना सकी। इससे पूर्व न्यूजीलैंड ने 9.3 और 12.1 ओवर के बीच में नौ रन पर चार विकेट गंवा दिए थे।इसमें तीक्षणा (30 रन देकर तीन विकेट) ने बीच के ओवरों में मैच का रुख पलट दिया। मैककांकी ने अंत में मोर्चा संभाला जबकि सैंटनर ने महत्वपूर्ण समय पर सात विकेट के लिए महज 47 गेंद में 84 रन की अहम साझेदारी की।

एफआईएच प्रो-लीग में भारत की पहली जीत

होबार्ट, एजेंसी

- ऑस्ट्रेलिया को शूटआउट में हराया

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को यहां विश्व में तीसरे नंबर की टीम ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर एफआईएच प्रो-लीग में लंबे समय से चले आ रहे हार के सिलसिले को खत्म कर दिया। दोनों टीमें निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं। इस जीत से भारत का प्रो लीग के अगले चरण से पहले मनोबल बढ़ेगा।

पहले तीन क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के सामने हर तरह से कड़ी चुनौती पेश की। पहले तीन क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। ऑस्ट्रेलिया ने आखिर में 49वें मिनट में जेरेमी हेवर्ड के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल की मदद से बढ़त हासिल कर ली। ऑस्ट्रेलिया की यह खुशी हालांकि क्षणिक रही क्योंकि शिलानंद लाकड़ा (51वें मिनट) ने दो मिनट बाद ही एक शानदार मैदानी गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की पूरी कोशिश की लेकिन असफल रहीं और मैच शूटआउट में चला गया, जहां भारत ने जीत दर्ज करके दो अंक हासिल किए जबकि ऑस्ट्रेलिया को एक अंक मिला। भारत की तरफ से शूटआउट में लाकड़ा, मनिंदर सिंह

और विष्णुकांत सिंह ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र गोल हेवर्ड ने किया। भारतीय गोलकीपर मोहित शशिकुमार होन्नेनहल्ली ने ऑस्ट्रेलिया के बाकी खिलाड़ियों के शॉट रोककर जीत में अहम भूमिका निभाई। प्रो-लीग का राउरकेला चरण भारत के लिए निराशाजनक रहा था जहां वह अपने सभी चार मैच में हार गया था।

भारत-जिम्बाब्वे मैच आज : करो या मरो की चुनौती

सेमीफाइनल में जाने के लिए दोनों को ही जीतना होगा यह मुकाबला

चेन्नई, एजेंसी

कल गुरुवार को टी20 विश्व कप का हाईवोल्टेज मैच भारत और जिम्बाब्वे के बीच खेला जाएगा। सुपर आठ में दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद गिरे भारत के रनरेट ने चुनौती को और बढ़ा दिया है। भारत को यदि सेमिफाइनल में जगह बनानी है तो किसी भी हालत में कल का मैच जीतना ही होगा। सही कहा जाये कि यह स्थिति करो या मरो की है। ऐसा नहीं है कि ये हालात केवल भारत के लिए ही हैं। यही स्थिति जिम्बाब्वे के लिए भी है। उसे भी यदि सेमिफाइनल में जाना है तो जीतना है। यह बात की स्वीकारोक्ति आज प्रेस कॉन्फ्रेन्स में जिम्बाब्वे ऑलराउंडर रयान बर्ल ने की। माना कि दोनों ही टीमों के सामने चुनौती बड़ी कठिन है।

भारत के पास एक प्लस प्वाइंट ये है कि मैच भारत की ही धरती पर हो रहा है। लेकिन यही बात भारतीय टीम पर घरेलू दर्शकों के सामने खेलने और अहम मैच को जीतने का दबाव भी होगा। यह दबाव सूर्यकुमार यादव की टीम पर

भारी न पड़े इसके लिए सूर्य कुमार और पूरी टीम को धैर्य के साथ एकाग्रचित्त होकर खेलना होगा।

सुपर आठ के पिछले मुकाबले में जहां भारत दक्षिण अफ्रीका से हारा था वहीं जिम्बाब्वे को वेस्टइंडीज के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ा था। जिम्बाब्वे की गेंदबाजी में विविधता उनके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। वहीं भारत के पास आक्रामक बल्लेबाज हैं जो पावर प्ले का पूरा फायदा उठाते हैं। साथ ही किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर सकते हैं। भारत का गेंदबाजी आक्रमण भी अच्छा है। जिम्मबाब्वे के पास बाएं हाथ का तेज गेंदबाज है, दाएं हाथ का तेज गेंदबाज है, दो लेग स्पिनर हैं और एक ऑफ स्पिनर है, एक बाएं हाथ का ऑफ स्पिनर है। जिम्बाब्वे की यही विविधता भारत को चुनौती है।

नंबर-3 पर खेल सकते हैं संजू सैमसन

चेन्नई, एजेंसी। टी-20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले अहम मैच से पहले भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई बड़े संकेत दिए। यहां आउट ऑफ फॉर्म खिलाड़ियों का बचाव किया। वहीं क्रम में बदलाव कीसंभावना से इनकार भी नहीं किया। नंबर-3 पर संजू सैमसन को उतारने के सवाल पर कोटक ने साफ कहा कि विचार जरूर होगा। क ने माना कि टीम कॉम्बिनेशन को लेकर मंथन चल रहा है। उन्होंने कहा कि बाएं हाथ के दो बल्लेबाज ओपनर हैं और नंबर-3 पर भी बाएं हाथ का बल्लेबाज है। विपक्षी टीम स्पिन का इस्तेमाल कर रही है, ऐसे में बदलाव की संभावना को नकारा नहीं जा सकता।

विश्व कप जीतना है तो दबाव सहना ही होगा: कोटक

चेन्नई, एजेंसी। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने बुधवार को स्वीकार किया कि जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में उनकी टीम पर दबाव रहेगा। हालांकि उन्होंने विश्वास जताया कि खिलाड़ी इससे निपटने में सफल रहेंगे। बता दें कि अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर आठ के पहले मैच में 76 रन से हारने के बाद भारत को अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे। जिम्बाब्वे के बाद वह रविवार को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगा। कोटक ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, 'विश्व कप भारत में खेला जा रहा है इसलिए दबाव और उम्मीद होना स्वाभाविक है।' कोटक को भारतीय खिलाड़ियों की मानसिक दृढ़ता पर कोई संदेह नहीं है। अगर हम विश्व कप जीतना चाहते हैं तो हमें दबाव से निपटना होगा।'

भारत के खिलाफ उसकी धरती पर खेलना बहुत बड़ी चुनौती: बर्ल

चेन्नई, एजेंसी। जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर रयान बर्ल ने स्वीकार किया कि भारत के खिलाफ उसकी धरती पर खेलना बहुत बड़ी चुनौती है। लेकिन कहा कि घरेलू दर्शकों के सामने गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप का अहम मैच खेलने का दबाव सूर्यकुमार यादव की टीम पर भारी पड़ सकता है। दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ हारने के कारण सुपर आठ का यह मैच भारत और जिम्बाब्वे दोनों के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। बर्ल ने मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह हमारे लिए करो या मरो जैसा मैच है, लेकिन भारत की स्थिति भी हमारे जैसे ही है। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दोनों टीमों को कल का मैच हर हाल में जीतना होगा। उन्होंने कहा, हमें भारत के साथ ज़्यादा खेलने का मौका नहीं मिलता, इसलिए हम इस मैच का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे।

भारत को टीम कॉम्बिनेशन बदलना होगा : रवि शास्त्री

चेन्नई, एजेंसी: टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर आठ चरण के पहले मुकाबले में मिली हार भारत के लिए खतरे की घंटी है। अब उसे टीम संयोजन पर पुनर्विचार करना होगा। दक्षिण अफ्रीका से रविवार को 76 रन से मिली पराजय के बाद भारत को अब बृहस्पतिवार को जिम्बाब्वे से खेलना है। पिछले टी-20 विश्व कप से चले आ रहे 12 मैचों में जीत के सिलसिले पर भी इससे रोक लग गई। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के ताजा अंक में कहा, आपने लगातार 12 मैच जीते तो एक खराब दिन तो आना ही है, लेकिन मुझे खुशी है कि यह जल्दी आ गया। यह भारत के लिए जरूरी खतरे की घंटी रहा। इससे अब टीम को रणनीति और संयोजन पर फिर से विचार करना होगा।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने पिछले अनुभव से सबक ले लिया होगा कि चीजों को हलके में नहीं लेना है। एक और मैच हारने से काफी दबाव बन जायेगा।'शास्त्री ने भारतीय टीम को अतिरिक्त स्पिनर लेकर उतरने की सलाह दी। उन्होंने कहा,अक्षर पटेल को वापिस लाना ही होगा।

डोगरा के 'हेड-बट' से तनाव, जम्मू-कश्मीर छह विकेट पर 527 रन

हुबली,एजेंसी

कप्तान पारस डोगरा (70 रन) ने अर्धशतकीय पारी खेली लेकिन कर्नाटक के स्थानापन्न खिलाड़ी केवी अनीश को जानबूझकर सिर से मारने (हेड-बट) की उनकी हरकत ने जम्मू-कश्मीर की अच्छी बल्लेबाजी पर पानी फेर दिया। जम्मू-कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन स्टंप तक छह विकेट पर 527 रन बना लिए। डोगरा के साथ विकेटकीपर बल्लेबाज कन्हैया वधावन (70), साहिल लोत्रा (नाबाद 57 रन) सभी ने अच्छा योगदान दिया।

कर्नाटक के गेंदबाजों के लिए यह दिन मुश्किल रहा जिसमें सिर्फ प्रसिद्ध कृष्णा (29 ओवर में 90 रन देकर तीन विकेट) ही प्रभाव डाल सके। हालांकि 21 सत्र के रणजी

शॉट खेलते जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा। ● अमृत विचार

खिलाड़ी डोगरा के बर्ताव ने सभी को हैरान कर दिया। प्रसिद्ध की गेंद पर एक बाउंड्री लेने के बाद 'सिली प्वाइंट' क्षेत्ररक्षक अनीश को ''हेड-बट'' मारने की घटना कैमरे में कैद हो गई। यह साफ नहीं था कि अनीश की किसी भी बात से डोगरा को बुरा लगा होगा। उन्होंने अनीश से बहस की और फिर उनके हेलमेट पर सिर से धक्का दिया। इसके बाद उनके सीनियर साथी मयंक अग्रवाल बीच बचाव करने आए और दोनों के बीच खड़े हो गए। अग्रवाल को डोगरा के साथ बातचीत करते देखा गया, इसके बाद मैदानी अंपायर रोहन पंडित और उल्हास गंधे ने बीच-बचाव किया। कुछ देर बाद कर्नाटक के कप्तान देवदत्त पडिक्कल को भी अंपायरों से बात करते और डोगरा के बारे में शिकायत करते देखा गया।

डोगरा पर लग सकता है मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना

हुबली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा पर बुधवार को यहां रणजी ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन कर्नाटक के स्थानापन्न क्षेत्र रक्षक केवी अनीश को जानबूझकर सिर से मारने (हेड-बट) के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लग सकता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मैच रेफरी नारायणन कुट्टी की तरफ से जुर्माने की आधिकारिक घोषणा मैच खत्म होने के बाद ही होगी। लेकिन प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ी के साथ मारपीट करने पर सजा और मैच प्रतिबंध लगता है। इस मामले में हालांकि घरेलू क्रिकेट के इस स्टार को कम सजा मिल सकती है। डोगरा पहले दिन नौ रन पर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। वह दूसरे दिन अब्दुल समद के रूप में जम्मू-कश्मीर का तीसरा गिरने पर वापस क्रीज पर आए। प्रसिद्ध कृष्णा ने 41 साल के कप्तान डोगरा का स्वागत लगातार शॉर्ट गेंद फेंककर किया। वहीं करीब के क्षेत्ररक्षकों ने इस पर मैदान पर कुछ फब्तियां भी कीं जिसमें ''सिली प्वाइंट'' पर खड़े अनीश भी शामिल थे। पारी के 101वें ओवर में डोगरा ने प्रसिद्ध की गेंद को अजीब तरह से खेला और यह खाली थर्ड स्लिप से बाउंड्री के लिए निकल गई। फिर देखा गया कि डोगरा मैदानी अंपायर अंपायर रोहन पंडित और उल्हास गांधे का ध्यान दिलाने के बाद अनीश की ओर दौड़े और धीरे से अनीश को सिर से मारा जिन्होंने भी करीब से क्षेत्ररक्षण करने के कारण हेलमेट पहना हुआ था। फिर मयंक अग्रवाल भागे और बीच बचाव करने आए। फिर उनकी बहस हो गई जिसके बाद कर्नाटक के कप्तान देवदत्त पडिक्कल खुश नहीं थे।

शतरंज में बेईमानी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया: गुकेश

प्राग, एजेंसी

विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने साफ तौर पर कहा है कि शतरंज मे बेईमानी की समस्या उतनी बड़ी नहीं है जितनी उसे पेश किया जा रहा है। गुकेश ऑनलाइन खेल को प्रभावित करने वाले बेईमानी के खतरे के खिलाफ रूसी ग्रैंडमास्टर ब्लादीमिर क्रामनिक की विवादास्पद मुहिम के पक्षधर भी नहीं हैं। पूर्व विश्व चैम्पियन क्रामनिक ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) पर मानहानि का मुकदमा दायर किया है। चूंकि फिडे ने अमेरिका के दिवंगत ग्रैंडमास्टर डेनियल नारोदित्स्की और चेक खिलाड़ी डेविड नवारा के खिलाफ धोखेबाजी के आरोपों के लिये उन्हें

फटकारा था। नारोदित्स्की की असामयिक मौत काफी चर्चा में रही और उनका आखिरी वीडियो स्ट्रीम भी, जिसमें उन्होंने क्रामनिक के आरोपों के कारण मानसिक तनाव की बात की थी।

हालांकि हाल ही में आई एक मेडिकल रिपोर्ट में कहा गया कि उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई थी। गुकेश ने प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के लिए आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,मैं किसी भी तरह के अनुचित खेल के खिलाफ हूं। यह ऐसी समस्या है जो देखने में आई है। मैंने न तो कभी बेईमानी की है और उम्मीद करता हूं कि कोई ऐसा नहीं करता होगा।' उन्होंने कहा , मुझे लगता है कि लोग इस समस्या को बढ़ा चढ़ाकर पेश कर रहे हैं, इतनी समस्या है नहीं। क्रामनिक के आरोपों की बात करें तो अधिकांश से मैं इत्तेफाक नहीं रखता। मुझे लगता है कि शतरंज जगत में और समरसता और शांति होनी चाहिये।'

इससे पहले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन, फिडे अध्यक्ष अर्काडी डीवोरकोविच और भारत के अर्जुन एरिगेसी तथा निहाल सरीन ने भी क्रामनिक की आलोचना की थी।

मानस धामने महा ओपन एटीपी चैलेंजर के क्वार्टर फाइनल में

पुणे, एजेंसी

वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले स्थानीय खिलाड़ी मानस धामने ने बुधवार को यहां महा ओपन एटीपी चैलेंजर 75 टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। कभी विश्व रैंकिंग में शीर्ष 50 खिलाड़ियों में शामिल रहे बेलारूस के इल्या इवाश्का चोट के कारण मैच के बीच से हट गए, जिससे धामने ने अंतिम आठ में जगह बनाई। उस समय धामने 3-6 से पीछे चल रहे थे। धामने का अगला मुकाबला क्रोएशिया के डुजे अजदुकोविच से होगा।

धामने और गैर वरीयता प्राप्त अजदुकोविच के अलावा ग्रेट ब्रिटेन के एलस्टेयर ग्रे और इटली के छठी वरीयता प्राप्त फेडेरिको सिना क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले अन्य खिलाड़ी हैं। अजदुकोविच ने पुर्तगाल के पांचवीं वरीयता प्राप्त के फ्रेडरिको फरेरा सिल्वा को 6-2, 6-2 से हराया। ब्रिटेन के ग्रे ने एक सेट से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए तीसरी वरीयता प्राप्त इलिया सिमाकिन को 4-6, 7-6(7), 7-5 से हराकर उलटफेर किया। युगल के पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त सिद्धांत बंठिया (भारत) और अलेक्जेंडर डोंस्की (बुल्गारिया) ने लुका कैस्टेलनुओवो (स्विट्जरलैंड) और उइसुंग पार्क (कोरिया) को 7-6(5), 6-2 से हराया।

शिखर धवन की बड़ी जीत | दिल्ली कोर्ट ने कहा-ऑस्ट्रेलियाई 'प्रॉपर्टी सेटलमेंट' भारतीय कानूनों के खिलाफ

एक्स-वाइफ को दिया 5 .72 करोड़ लौटाने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन को दिल्ली के पटियाला हाउस फैमिली कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जज देवेंद्र कुमार गर्ग ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए धवन की पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी को लगभग 5.72 करोड़ रुपये (ऑस्ट्रेलियाई डॉलर में AU$812,397.50 AU$82,000) वापस करने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऑस्ट्रेलिया के फैमिली कोर्ट द्वारा दिए गए ''प्रॉपर्टी सेटलमेंट'' के आदेश भारत में लागू नहीं होंगे, क्योंकि यह भारतीय कानूनों के हिसाब से खासकर हिंदू मैरिज एक्ट के विपरीत है।

कोर्ट के मुख्य आदेश

- आयशा को प्रॉपर्टी बिक्री से मिली कुल रकम (AU$812,397 .50 AU$82,000) धवन को लौटानी होगी।
- इस राशि पर मुकदमा दायर करने की तारीख से अंतिम भुगतान तक 9% सालाना ब्याज भी देना होगा।
- आयशा की ओर से ऑस्ट्रेलियाई आदेश के आधार पर Rs 16 .9 करोड़ की मांग को खारिज किया गया।
- मामला एकतरफा चला क्योंकि आयशा ने दिल्ली कोर्ट में जवाब दाखिल नहीं किया।

कैसे शुरू हुआ विवाद?

धवन और आयशा (ऑस्ट्रेलियाई नागरिक) की शादी 2012 में हुई थी, लेकिन 2021 में अलगाव के बाद 2023 में दिल्ली कोर्ट ने ''क्रूरता'' के आधार पर तलाक दे दिया। तलाक के बाद ऑस्ट्रेलियाई फैमिली कोर्ट ने ''प्रॉपर्टी सेटलमेंट'' के तहत धवन को ऑस्ट्रेलिया में दो प्रॉपर्टी (बेरविक और क्लाइड नॉर्थ) की बिक्री से मिली रकम का बड़ा हिस्सा आयशा को देने का आदेश दिया था। भारतीय कानून में ऐसी संपत्ति का ''मैरिटल पूल'' बनाकर 60% तक पत्नी को देने का कोई प्रावधान नहीं है। धवन ने दिल्ली कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि ऑस्ट्रेलियाई कोर्ट में वे अपनी मर्जी से नहीं, बल्कि पूर्व पत्नी की धमकियों के कारण पेश हुए थे। आयशा ने धमकी दी थी कि अगर उन्होंने सहयोग नहीं किया तो करियर-बर्बाद करने वाला मटेरियल फैलाया जाएगा। कोर्ट ने माना कि यह सहमति जबरदस्ती, धोखे और धमकी से ली गई थी, इसलिए वह फाइनेंशियल एग्रीमेंट रद्द है।

जज ने कहा:

"ऑस्ट्रेलियाई फैमिली लॉ एक्ट, 1975 के तहत ''प्रॉपर्टी सेटलमेंट'' का कॉन्सेप्ट भारतीय पब्लिक पॉलिसी, हिंदू मैरिज एक्ट, ट्रांसफर ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट और अन्य कानूनों के खिलाफ है। विदेशी आदेश भारत में स्वत: लागू नहीं होते, खासकर जब वे भारतीय मैट्रिमोनियल लॉ से मेल नहीं खाते।

भारतीय बधिर टीम ने पहला एडीसीए टी-20 एशिया कप जीता

कटक, एजेंसी। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने बुधवार को यहां श्रीलंका को छह विकेट से हराकर पहला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट जीत लिया। भारतीय टीम ने इससे पहले प्रतियोगिता के पहले मैच में श्रीलंका को चार विकेट से हराया था और फिर नेपाल पर 10 विकेट से शानदार जीत दर्ज की थी।श्रीलंका ने टूर्नामेंट के तीसरे मैच नेपाल के खिलाफ छह विकेट से हराया था।

श्रीलंका ने फिर उलट मुकाबले में नेपाल को 157 रन से हराया जबकि भारत को एक रन से करीबी जीत के लिए कड़ी मेहनत करवाई। भारत ने अपने अगले मैच में नेपाल को नौ विकेट से हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

फाइनल में साई आकाश को 14 गेंद में 27 रन बनाने के साथ दो विकेट लेने के लिए ''प्लेयर ऑफ द मैच'' चुना गया।